लेखन

अनुच्छेद-लेखन

हिंदी में अनुच्छेद शब्द का प्रयोग अंग्रेज़ी के 'paragraph' शब्द के पर्याय के रूप में किया जाता है। इसके अंतर्गत केवल किसी एक भाव अथवा विचार की पूर्ण, किंतु संक्षिप्त अभिव्यक्ति की जाती है। इसमें निबंध की तरह संबंधित विषय के विभिन्न पहलुओं पर विचार न करके उसके किसी एक पहलू का ही संक्षिप्त वर्णन किया जाता है। यह वर्णन अत्यंत सारगर्भित होता है। एक सामान्य अनुच्छेद आकार में 10-12 पंक्ति अथवा 80-100 शब्दों का होता है।

अनुच्छेद की विशेषताएँ

एक अनुच्छेद में निम्नलिखित मुख्य विशेषताएँ होनी चाहिए–

(क) अनुच्छेद के वाक्य पूर्ण, एक-दूसरे से जुड़े हुए और एक ही भाव अथवा विचार के वाहक होते हैं।

(ख) भाषा विषय के अनुरूप भावात्मक, ओजस्वी और प्रवाहपूर्ण होती है।

(ग) अनुच्छेद में कथनों एवं तथ्यों का अनावश्यक विस्तार नहीं होता और न ही उनकी पुनरावृत्ति होती है।

(घ) भाषा और विचारों की स्पष्टता अनुच्छेद का सर्वप्रमुख गुण होती है।

(ङ) रोचकता भी अनुच्छेद का अनिवार्य गुण है।

(च) अनुच्छेद कल्पनात्मक न होकर तथ्यात्मक अधिक होता है। मगर विषय के अनुरूप उसमें यथावश्यक कल्पना का समावेश भी किया जा सकता है।

निर्देश–निम्नलिखित विषयों पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद-लेखन कीजिए–

1. कोरोना : वायरस *(CBSE SQP 2021)*

संकेत-बिंदु– • कोरोना का संक्रमण • बचाव के उपाय • लॉकडाउन के सकारात्मक प्रभाव।

कोविड-19 का प्रारंभ दिसंबर, 2019 में चीन के वुहान शहर से हुआ। वहाँ से निकलकर कोरोना नामक यह भयानक वायरस मार्च, 2020 तक विश्व के अधिकांश देशों में फैल गया। प्रतिदिन हज़ारों की संख्या में लोग मरने लगे। 11 मार्च, 2020 को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे महामारी घोषित कर दिया और इससे बचाव के लिए दिशा-निर्देश जारी किए। कोरोना की यह पहली लहर थी, जो विश्व के लाखों लोगों को लील गई। इस मृत्युदूत से अपने नागरिकों को बचाने के लिए अधिकतर देशों ने संपूर्ण लॉकडाउन घोषित कर दिया, क्योंकि कोरोना वायरस का संक्रमण एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में बहुत तेज़ी से होता है। लोग एक साथ घरों में क़ैद हो गए। सारा संसार जैसे थम गया। अमेरिका, रूस, जापान, इटली जैसे विकसित देश भी इसके सामने विवश हो गए। संसार के वैज्ञानिकों ने कोरोना से बचाव के लिए टीका (वैक्सीन) तैयार करने का प्रयास प्रारंभ कर दिया। अथक प्रयास के बाद कुछ देशों ने शीघ्र ही कोरोना का टीका तैयार कर लिया, जिनमें भारत भी सम्मिलित है। कोरोना की हर लहर का विभिन्न देशों पर अलग-अलग प्रभाव पड़ता है। भारत में इसकी पहली लहर का प्रभाव अन्य देशों की अपेक्षा बहुत कम रहा, लेकिन मार्च, 2021 में आई दूसरी लहर से त्राहि-त्राहि मच गई। लाखों लोग काल के गाल में समा गए, जिनमें अधिकतर युवा थे। जून के प्रथम सप्ताह तक बहुत मुश्किल से संक्रमण पर नियंत्रण पाया जा सका। भारतीय वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि कोरोना की तीसरी लहर भी आ सकती है, जो बच्चों के लिए घातक हो सकती है। कोरोना से बचाव का केवल एक ही उपाय है–टीकाकरण। अतः संसार को इस भयानक महामारी से बचाने के लिए व्यापक स्तर पर तीव्र गति से टीकाकरण आवश्यक है।

2. परीक्षा से पहले मेरी मनोदशा

(CBSE SQP 2021)

संकेत-बिंदु– • परीक्षा नाम से भय • पर्याप्त तैयारी • प्रश्न-पत्र देखकर भय दूर हुआ।

परीक्षा एक ऐसा शब्द है, जो बड़े-से-बड़े सबल व्यक्ति को भयभीत कर देता है। परीक्षा के नाम से सबसे अधिक भयभीत होते हैं–विद्यार्थी। कल मेरी वार्षिक परीक्षा समाप्त हुई। ऐसा लगा, जैसे सिर से बहुत बड़ा बोझ उतर गया हो। परीक्षा से पहले मेरी मनोदशा बहुत खराब थी। मन में एक भय और तनाव व्याप्त था। यही चिंता रहती थी कि पता नहीं प्रश्न-पत्र कैसे होंगे। मैं कर पाऊँगा या नहीं। खाना-पीना भी अच्छा नहीं लगता था। पिता जी मेरी मनोदशा को भाँप गए थे। उन्होंने मुझे बहुत समझाया, लेकिन परीक्षा के भय का भूत मुझे छोड़ नहीं रहा था। मैंने परीक्षा की पर्याप्त तैयारी कर रखी थी। अंततः परीक्षा का दिन आ गया। पहला प्रश्न-पत्र गणित का था। मैं डरते-डरते परीक्षा भवन में गया। मेरी धड़कनें बढ़ी हुई थीं। प्रश्न-पत्र मिला। मैंने उसे पढ़ना प्रारंभ किया। जैसे-जैसे मैं प्रश्न-पत्र पढ़ता गया, वैसे-ही-वैसे मेरा भय भी समाप्त होता गया। प्रश्न-पत्र में एक भी प्रश्न ऐसा नहीं था, जिसे मैं न कर सकूँ। मेरा मन प्रसन्नता और उत्साह से भर गया। सारा भय और तनाव दूर हो गया। मैंने उत्साहपूर्वक पूरी परीक्षा दी। मुझे आशा और पूर्ण विश्वास है कि मेरे बहुत अच्छे अंक आएँगे।

3. जंक फूड *(CBSE SQP 2021)*

संकेत-बिंदु– • जंक फूड क्या होता है? • युवा पीढ़ी और जंक फूड • जंक फूड खाने के दुष्परिणाम।

'जंक फूड' सामान्यतः चिप्स, कैंडी, बर्गर, पिज़्ज़ा जैसे तले-भुने अल्पाहार को कहा जाता है। कुछ लोग जाइरो, तको, फिश और चिप्स जैसे शास्त्रीय भोजनों को जंक फूड मानते हैं। जंक फूड की श्रेणी में क्या-क्या आता है, यह कई बार सामाजिक स्तर पर निर्भर करता है। उच्चवर्ग के लिए जंक फूड की सूची बहुत लंबी है। मध्यम वर्ग केवल कुछ ही वस्तुओं को जंक फूड में सम्मिलित करता है। आधुनिक समाज में जंक फूड हमारे जीवन का हिस्सा बनता जा रहा है। युवा पीढ़ी को तो जंक फूड से अत्यधिक लगाव है। दूध, दही, मक्खन, खीर जैसे भारतीय खाद्य पदार्थों से तो युवाओं को अरुचि-सी हो गई है। उन्हें प्रतिदिन जंक फूड खाना पसंद है। जंक फूड देखने में आकर्षक और खाने में अत्यधिक स्वादिष्ट लगते हैं; अतः ये युवाओं को ही नहीं, अपितु सभी को पसंद आते हैं।

जंक फूड देखने में जितने आकर्षक और खाने में जितने स्वादिष्ट होते हैं, स्वास्थ्य के लिए उतने ही हानिकारक होते हैं। इनके सेवन से हृदय संबंधी रोग, कैंसर, मोटापा, समय से पहले अधिक आयु का लगना, उच्च रक्तचाप, हड्डियों की समस्या, मधुमेह, मानसिक रोग, पाचन तंत्र की समस्याएँ, यकृत

और गुर्दे संबंधी अनेक रोग हो जाते हैं। युवा अवस्था बहुत संवेदनशील आयु होती है। इस समय व्यक्ति को स्वास्थ्यवर्धक ऐसे भोजन की आवश्यकता होती है, जो उसके तन और मन दोनों को स्वस्थ रख सके। जंक फ़ूड के भयानक दुष्परिणामों से बचने के लिए नित्य शुद्ध, सात्तिवक और पौष्टिक आहार करना चाहिए।

'शुद्ध सात्तिवक आहार, स्वास्थ्य का आधार।'

4. आजादी का अमृत महोत्सव

(CBSE 2023; CBSE SQP 2023-24)

संकेत-बिंदु– • महोत्सव का शुभारंभ • विभिन्न गतिविधियों का संगम • 75 वीं वर्षगाँठ का अर्थ • उद्देश्य।

देश की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने पर 75 सप्ताह पूर्व राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की डांडी यात्रा की वर्षगाँठ के अवसर पर 12 मार्च, 2021 को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साबरमती आश्रम से पदयात्रा को हरी झंडी दिखाकर 'आजादी के अमृत महोत्सव' का श्रीगणेश किया। यह उत्सव विभिन्न गतिविधियों का संगम है। इसमें देश की अदम्य भावना एवं महान संस्कृति पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे। देश की 75 वीं वर्षगाँठ का अर्थ है–75 वर्षों पर विचार, 75 वर्षों की उपलब्धियाँ, 75 वर्ष में किए गए क्रियाकलाप, 75 वर्ष पर किए जाने वाले संकल्प आदि, जो स्वतंत्र भारत के सपनों को साकार करने के लिए आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करते हैं। 'आजादी का अमृत महोत्सव' का उद्देश्य स्वाधीनता आंदोलन के विषय में प्रचलित सहजबोध को परिवर्तित करना, अलक्षित नायक, अलक्षित आंदोलन, अलक्षित संगठनों और अलक्षित स्थलों को केंद्र में लाना है। इसका सबसे प्रमुख उद्देश्य स्वातंत्र्योत्तर उपलब्धियों का मूल्यांकन करना और स्वतंत्रता सेनानियों का परिचय एवं स्मरण करना है।

5. इंटरनेट : सूचनाओं की खान

(CBSE 2023)

संकेत-बिंदु– • इंटरनेट का तात्पर्य • सूचना का मुख्य साधन • लाभ तथा हानि।

इंटरनेट कंप्यूटरों के विश्वव्यापी जाल को कहते हैं। सभी कंप्यूटरों की सारी जानकारी को जोड़ने पर इंटरनेट बनता है। अतः इंटरनेट का आशय है– विश्वभर की सारी जानकारी का एक जगह इकट्ठा होना। यह सचमुच बहुत बड़ी उपलब्धि है। आप घर बैठे पूरे विश्व का हाल जान सकते हैं, सभी अखबार पढ़ सकते हैं, सभी फिल्में देख सकते हैं। चाहें तो यातायात के लिए टिकटें, होटल की बुकिंग, अपने बिजली-फोन के बिल तथा ज़रूरी सामान बाजार से खरीद सकते हैं। इसकी सुविधाएँ अनंत हैं। इंटरनेट संपर्क का साधन तो है ही, मनोरंजन का भी साधन है। संसारभर के गीत, सीरियल, चलचित्र इस पर उपलब्ध हैं। जहाँ आप विश्वभर की चीजें देख सकते हैं। वहीं अपनी प्रतिभा और माल दूसरों को दिखा भी सकते हैं। इस प्रकार आप घर बैठे-बैठे संसारभर में प्रसिद्ध हो सकते हैं। आपका संदेश पलक झपकते ही ट्विटर या फेसबुक जैसी सोशल-साइट्स के माध्यम से दूर-दूर तक फैल सकता है। हर वैज्ञानिक उपकरण के समान इंटरनेट की हानियाँ भी हैं। इसके प्रयोग ने सामाजिक मनुष्य को बिल्कुल अपने कमरे में कैद कर दिया है। उसका बाहरी संपर्क भी वैचारिक और काल्पनिक रह गया है। इंटरनेट के माध्यम से ढेर सारी अश्लील और आपत्तिजनक सामग्री आपके घर तक आ जाती है। यह एक प्रकार से सांस्कृतिक आक्रमण है, जिससे बचना बहुत कठिन हो गया है। हमारा कर्तव्य है कि हम इंटरनेट का प्रयोग विवेक से करें।

6. विद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी

संकेत-बिंदु– • विज्ञान प्रदर्शनी क्या है? • प्रदर्शनी की उपयोगिता • नए वैज्ञानिकों की उपलब्धियाँ।

नई शिक्षा-पद्धति के अंतर्गत विद्यालय में अनेक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। विज्ञान प्रदर्शनी भी उनमें से एक है। विज्ञान प्रदर्शनी का आशय विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए वैज्ञानिक उपकरणों और विज्ञान की नई अवधारणाओं के नमूनों का प्रदर्शन करना अथवा वैज्ञानिकों की उपलब्धियों का दिग्दर्शन कराना है। इसमें विद्यालय के छात्र-छात्राएँ विज्ञान के उपकरणों अथवा सिद्धांतों का प्रस्तुतीकरण करते हैं। विज्ञान प्रदर्शनी से छात्रों में विज्ञान के प्रति रुचि उत्पन्न होती है तथा उनके ज्ञान में वृद्धि होती है। उन्हें प्रयोग द्वारा विभिन्न सिद्धांतों को समझने का अवसर प्राप्त होता है। विज्ञान प्रदर्शनी की सबसे बड़ी उपयोगिता यह है कि इससे छात्रों की रचनात्मक प्रतिभा का विकास होता है। विज्ञान में प्रतिदिन नए-नए आविष्कार होते रहते हैं। विज्ञान प्रदर्शनी में मॉडल, चार्ट्स और प्रोजेक्ट के द्वारा छात्रों को नई वैज्ञानिक उपलब्धियों की जानकारी भी दी जाती है। उन्हें बताया जाता है कि चिकित्सा, कृषि, शिक्षा, अंतरिक्ष आदि के क्षेत्र में नए वैज्ञानिकों ने क्या-क्या नई उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। इस प्रकार विज्ञान प्रदर्शनी विद्यालय की सभी गतिविधियों में सबसे महत्त्वपूर्ण एवं रुचिकर गतिविधि है।

7. भ्रष्टाचार

संकेत-बिंदु– • भ्रष्टाचार का अर्थ • तेज़ी से फैलता भ्रष्टाचार • भ्रष्टाचार के रूप • कारण • मिटाने के उपाय।

'भ्रष्टाचार' का अर्थ है–भ्रष्ट आचरण। अर्थात् ऐसा आचरण, जो स्वार्थपरता से प्रारंभ होकर दूसरों के अहित पर समाप्त होता है। भ्रष्टाचार के वशीभूत होकर व्यक्ति राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य भूलकर अनुचित रूप से अपने हितों की पूर्ति करता है। भ्रष्टाचार चारों तरफ़ महामारी की तरह फैल गया है। सरकारी तंत्र में यह ऊपर से नीचे तक फैला है, जबकि निजी स्वामित्व वाले क्षेत्र भी भ्रष्टाचार से अछूते नहीं रह गए हैं। भ्रष्टाचार घर-घर में फैल गया है। पहले छोटे-मोटे घोटाले होते थे, आज करोड़ों के घोटाले होना आम बात हो गई है। न्यायिक व्यवस्था भी भ्रष्टाचार से अछूती नहीं रह गई है। आज भ्रष्टाचार के कई रूप हैं–आर्थिक भ्रष्टाचार, नैतिक भ्रष्टाचार, राजनैतिक भ्रष्टाचार, न्यायिक भ्रष्टाचार, सामाजिक और सांस्कृतिक भ्रष्टाचार इत्यादि। व्यक्तिगत महत्त्वाकांक्षा को पूरा करने के लिए राज्य या देश को मध्यावधि चुनाव की आग में झोंक देना राजनैतिक भ्रष्टाचार है। रिश्वतखोरी, जमाखोरी, कालाबाज़ारी आर्थिक भ्रष्टाचार हैं। बढ़ते भ्रष्टाचार के कारणों पर यदि विचार करें तो इसके मूल में बढ़ती जनसंख्या ही मुख्य कारण है। प्रत्येक व्यक्ति अधिक-से-अधिक धन कमाने के प्रयास में लगा है, इसके लिए उसे चाहे अपने आदर्शों या मूल्यों का गला ही क्यों न घोटना पड़े। प्रत्येक व्यक्ति सुख-सुविधा और ऐशोआराम का जीवन जीना चाहता है। दूसरों की देखा-देखी, झूठी प्रतिष्ठा और समाज में अपने को ऊँचा दर्ज़ा दिलाने के लिए व्यक्ति कुछ भी कर गुज़रने को तैयार रहता है। भ्रष्टाचार तब तक समाप्त नहीं हो सकता है, जब तक आम लोगों का ईमान नहीं जागेगा। शिक्षा में नैतिकता का होना आवश्यक है। शिक्षा का उद्देश्य चरित्र-निर्माण हो, न कि अच्छी नौकरी प्राप्त करके धन कमाना। भ्रष्टाचार से होने वाली आय का जब तक घर वाले स्वागत करते रहेंगे, तब तक भ्रष्टाचार नहीं मिट सकता। जो लोग भ्रष्ट लोगों का साथ देते हैं अथवा उदासीन रवैया अपनाते हैं, वे भी उतने ही अपराधी हैं। भ्रष्टाचार को मिटाने के लिए जनता के जागरूक व निडर होने की आवश्यकता है। सरकार को चाहिए कि बड़े-से-बड़े भ्रष्ट अधिकारी को कड़ा दंड दे। सरकारी भर्तियों में ईमानदार लोगों को वरीयता दी जाए। प्रोन्नति के लिए भी ईमानदारी ही एकमात्र कसौटी होनी चाहिए।

8. परोपकार

संकेत-बिंदु–परोपकार का अर्थ प्रकृति का परोपकारी रूप निःस्वार्थ सेवा उदाहरण।

स्वार्थ-भावना से रहित होकर दूसरों के हितार्थ किया गया प्रत्येक कार्य 'परोपकार' की श्रेणी में आता है। मनसा, वाचा, कर्मणा समाज का मंगल-साधन करना ही परहित है। स्वार्थ-निरपेक्ष और परहितार्थ कार्य ही सबसे बड़ा धर्म है। पारस्परिक विरोध की भावना का नाश करना तथा प्रेमभाव को बढ़ाना परोपकार है। प्रकृति अपना सबकुछ दूसरों पर लुटा देती है। अनंत

जलराशि का भार वहन करती हुई नदियाँ जीवनपर्यंत प्रवाहित होती रहती हैं, झंझावातों को वृक्ष मौन भाव से झेलते हुए अपनी छाया और फल से दूसरों की क्लांति और क्षुधा मिटाते हैं, सूर्य की किरणें संसार को जीवन प्रदान करती हैं। जब प्रकृति के तत्त्व परोपकार में संलग्न हैं तो मानव, जो ईश्वर की सर्वोत्कृष्ट कृति है, उसे तो परोपकार के लिए सर्वस्व न्योछावर करने के लिए तत्पर रहना ही चाहिए। साधुजन का जन्म इस धरती पर परोपकार के लिए ही होता है। परोपकार करने से आत्मा प्रसन्न रहती है। परोपकारी मानवता का सच्चा पुजारी कहलाता है। त्याग और बलिदान भारतीय संस्कृति के प्राण हैं। भारत-भूमि पर एक से बढ़कर एक परोपकारी हुए हैं। राजा रंतिदेव, महर्षि दधीचि, राजा उशीनर और कर्ण से हमें सदैव परोपकार की प्रेरणा मिलती रहेगी। ईसा मसीह का सूली पर चढ़ना, सुकरात का ज़हर पीना और शंकर जी का विषपान करना परोपकार के ही ज्वलंत उदाहरण हैं।

9. हमारा प्यारा भारत/मेरा देश

संकेत-बिंदु– • भौगोलिक स्थिति • प्राकृतिक सौंदर्य • सभ्यता और संस्कृति • वर्तमान स्थिति।

'सारे जहाँ से अच्छा हिंदोस्ताँ हमारा'

हमारा भारत पुरातन और भव्य, भाषाओं और संस्कृतियों की संगमस्थली, विश्व सभ्यता का जनक, अनुपम प्राकृतिक सौंदर्य से मंडित तथा स्वर्ग से भी महान है। कितना गौरवमय इतिहास है इस देश का! ऐसे देश की माटी में जन्म लेना भी सौभाग्य और गौरव की बात है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक और गुजरात से गंगासागर तक फैला हमारा भारत विश्व का सातवाँ महान देश है। उत्तर में पर्वतराज हिमालय इसके उन्नत भाल पर हिममुकुट के समान सुशोभित है–तो दक्षिण में हिंद महासागर इसके चरणों को निरंतर धोता है। पावन गंगा और यमुना नदियाँ इसके हृदयहार के रूप में इसे रमणीयता प्रदान करती हैं।

भारत की प्राकृतिक सुषमा अनुपम है। हिमालय के हिममंडित पर्वतशिखर, कल-कल करती नदियाँ, लहलहाते खेत तथा हरे-भरे वन-उपवन, भाँति-भाँति के जीव और पशु-पक्षी इसके सौंदर्य को दर्शनीय बनाते हैं। यहाँ समय-समय पर छह ऋतुएँ आकर इसका शृंगार करती हैं। वसंत के आगमन से तो धरती दुल्हन जैसी सज उठती है। विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत एक धर्म-निरपेक्ष राज्य है। यहाँ सभी धर्मों के लोग परस्पर मिल-जुलकर रहते हैं। हमारे देश में खान-पान, वेश-भूषा, रहन-सहन और भाषा की दृष्टि से अनेक विभिन्नताएँ हैं, फिर भी भारतवासी माला में गुँथे फूलों के समान प्रेम और भाईचारे के धागे में बँधे हैं। भारतीय संस्कृति का मूलस्वर विश्व-कल्याण है। 'वसुधैव कुटुंबकम्' अर्थात् 'समस्त विश्व एक कुटुंब के समान है' का स्वर यहाँ गूँजता है। आज भारत विश्व-शांति का अग्रदूत बनकर सब जगह शांति-स्थापना में अपना योगदान दे रहा है। वह दिन अब दूर नहीं, जब भारत फिर से विश्वगुरु की उपाधि प्राप्त करेगा।

10. फिट इंडिया अभियान

संकेत-बिंदु– • अभियान का शुभारंभ • अभियान के चार चरण • आवश्यकता • सफलता का सूत्र।

देश को विकास के शिखर पर ले जाने के लिए प्रयासरत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनेक अभियान प्रारंभ किए हैं। इनमें एक महत्त्वपूर्ण अभियान है–'फिट इंडिया अभियान'। इस अभियान का शुभारंभ प्रधानमंत्री जी ने 9 सितंबर, 2019 को खेल दिवस के अवसर पर किया। चार वर्षों तक चलने वाले इस अभियान में प्रत्येक वर्ष अलग-अलग तरह की फिटनेस के प्रति जागरूकता उत्पन्न की जाएगी। पहले वर्ष (2019-20) में फिजिकल फिटनेस, दूसरे वर्ष (2020-21) में खान-पान की आदतों, तीसरे वर्ष (2021-22) में पर्यावरण के अनुकूल जीवन-शैली और दीर्घकालिक जीवन तथा चौथे वर्ष (2022-23) में स्वास्थ्य के अनुकूल सेवाओं और चीजों को अपनाने तथा रोगों को दूर करने के उपायों के प्रति नागरिकों को जागरूक किया जाएगा। इस कार्यक्रम की आवश्यकता इसलिए महसूस हुई, क्योंकि भारत के लोगों ने स्वास्थ्य को प्राथमिकता की दृष्टि से देखना बंद कर दिया है। देश के करोड़ों नागरिक, हृदयरोग, डायबिटीज, उच्च रक्तचाप और मोटापे के शिकार हैं। प्रधानमंत्री का विचार है कि यदि देश के नागरिक स्वस्थ होंगे तो देश प्रगति के पथ पर तेजी से आगे बढ़ेगा। उन्होंने सूत्र दिया है ''मैं फिट तो इंडिया फिट'' और ''बॉडी फिट तो माइंड फिट''। इस सूत्र को अपनाकर ही हम इस महान अभियान को सफल बना सकते हैं।

11. साइबर अपराध

संकेत-बिंदु– • साइबर अपराध क्या है? • साइबर अपराध के विभिन्न प्रकार • साइबर अपराध के प्रति जागरूकता • साइबर सुरक्षा • सुरक्षित रहने का उपाय।

साइबर अपराध से आशय उन अपराधों से है, जो इंटरनेट, कंप्यूटर और प्रौद्योगिकी से संबंधित होते हैं। सामान्यतः कोई भी ऐसा काम, जिससे कंप्यूटर प्रतिकूल रूप से प्रभावित होता है, साइबर अपराध की सीमा में आता है। साइबर अपराध के अनेक प्रकार हैं; जैसे–व्यक्तिगत जानकारी चुराना (हैकिंग), फर्जी ई-मेल भेजकर ठगना (फिशिंग), वायरस फैलाना, नकली सॉफ्टवेयर बनाना, सोशल नेटवर्किंग पर अशोभनीय व्यवहार करना (साइबर बुलिंग), साइबर वसूली, नकली पहचान बनाकर धोखाधड़ी करना (स्पूफिंग), आभासी दुनिया में किसी व्यक्ति की निजता का अतिक्रमण करना (साइबर स्टाकिंग), साइबर वारफेयर, स्पैमिंग, पहचान या पासवर्ड चोरी आदि। साइबर अपराधों पर नियंत्रण रख पाना बहुत कठिन है। जागरूकता ही इन अपराधों से बचने का उपाय है। पासवर्ड जटिल होना चाहिए, जिसका अनुमान न लगाया जा सके। एंटीवायरस सॉफ्टवेयर का उपयोग करना चाहिए। अपने सिस्टम को अपडेट करते रहना चाहिए। सोशल मीडिया पर गोपनीयता को बनाए रखना चाहिए। सदैव सतर्क रहना चाहिए। अपने क्रेडिट कार्ड, आधार कार्ड आदि की जानकारी किसी को नहीं देनी चाहिए। साइबर सुरक्षा वह उपाय है, जिसके द्वारा डेटा तक साइबर अपराधियों की अवैध पहुँच को रोका जा सकता है। यह हमारे सिस्टम, नेटवर्क, उपकरणों आदि को नकली सॉफ्टवेयर के हमले से बचाती है। साइबर अपराध दिनोंदिन बढ़ते जा रहे हैं। साइबर सुरक्षा ही इन अपराधों से बचने का उपाय है। इसके लिए हमें हमेशा जागरूक रहना चाहिए, क्योंकि 'सावधानी उपचार से बेहतर है'।

12. बालश्रम

संकेत-बिंदु– • समाज के लिए अभिशाप • बच्चों का शोषण • कारण • सरकारी प्रयास • हमारी ज़िम्मेदारी।

बचपन मनुष्य के जीवन का सबसे सुंदर और प्यारा समय है, जब न किसी बात की चिंता होती है, न कोई ज़िम्मेदारी। बस, खेलना-कूदना, पढ़ना-हँसना और आनंद उठाना, परंतु सभी का बचपन ऐसा ही हो, यह ज़रूरी नहीं। आज समाज की तसवीर बिलकुल उल्टी है। छोटे-बड़े सभी शहरों या कहिए हर गली, हर मोड़ पर आपको बच्चे मज़दूरी करते मिल जाएँगे। इन बच्चों का समय स्कूल में कॉपी-किताबों और दोस्तों के बीच नहीं, बल्कि होटलों, घरों, उद्योगों में बरतनों, झाड़ू और औज़ारों के बीच बीतता है। अधिकांश बच्चे घरेलू नौकरों के रूप में कार्य करते हैं, जहाँ इन्हें दो समय का भरपेट भोजन भी नहीं मिलता है। नाममात्र का वेतन देकर दिन-रात काम कराया जाता है, यहाँ तक कि मारा-पीटा भी जाता है। बड़ी संख्या में बच्चे कारखानों में काम करते हैं,

जहाँ उन्हें श्रमसाध्य कार्य करने व अस्वास्थ्यकर वातावरण में काम करने को विवश किया जाता है। आपने प्रायः छोटे बच्चों को कूड़े के ढेरों से प्लास्टिक की बोतलें, काँच, लोहा इकट्ठा करते देखा होगा। छोटी-सी उम्र में इन बच्चों को गलीचे बुनने, चूड़ियों के कारखाने, पटाखे बनाने के कारखाने जैसी ख़तरनाक स्थितियों में काम करना पड़ता है। भारत में इस भयावह स्थिति का एकमात्र कारण है–गरीबी और अशिक्षा। अशिक्षित परिवारों में बच्चों की अधिक संख्या उन्हें रोटी जुटाने के लिए काम करने पर मजबूर कर देती है। पिछले कुछ दशकों से बालश्रम के विरुद्ध आवाज़ उठाई जा रही है। बालश्रम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक गंभीर मुद्दे के रूप में देखा गया है; क्योंकि बालश्रम बच्चे के भविष्य को केवल हानि ही नहीं पहुँचाता, उसे नष्ट कर देता है। यह मानव अधिकारों का उल्लंघन है। हमारे देश में बालश्रम पर रोक लगाने के लिए स्वतंत्रता के पश्चात् अनेक कानून बनाए गए हैं। संविधान के नीति-निदेशक तत्त्वों में राज्यों को निर्देश दिया गया है कि वे ऐसे कानून बनाएँ, जिनसे 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को ऐसे कार्य-स्थल या कारखाने में न रखा जाए, जो खतरनाक हों। बालमज़दूरों की स्थिति में सुधार के लिए सरकार ने सन् 1986 में चाइल्ड लेबर एक्ट बनाया, जिसके तहत बालमज़दूरी को अपराध माना गया। इन सभी प्रयोगों के बावज़ूद बालश्रम भारत में एक चुनौती है। इसकी समाप्ति के लिए आवश्यकता है समाज को जागरूक और बच्चों के प्रति संवेदनशील बनाने की।

13. कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए०आई०)

संकेत-बिंदु– • कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्या है? • कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रकार • अनुप्रयोग • लाभ-हानि • सकारात्मक उपयोग।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का अर्थ है–बनावटी तरीके से विकसित की गई बौद्धिक क्षमता। मशीनें हमारे कार्य को सरल बनाती हैं, लेकिन जब मशीनों में समस्याओं को सुलझाने और परिणाम देने की मनुष्य जैसी क्षमता विकसित कर दी जाती है तो यह कार्य 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता' कहलाता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जनक जॉन मैकार्थी के अनुसार यह बुद्धिमान मशीनों को बनाने का विज्ञान और अभियांत्रिकी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता कंप्यूटर विज्ञान की उन्नत शाखाओं में से एक है। एयर कंडीशनर, कंप्यूटर, मोबाइल, बायोसेंसर, वीडियो गेम, रोबोट आदि उपकरण इसके उदाहरण हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का विभाजन दो श्रेणियों में किया जाता है। प्रथम श्रेणी के अनुसार कृत्रिम बुद्धिमत्ता के तीन प्रकार हैं–संकुचित कृत्रित बुद्धिमत्ता, सामान्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उत्तम कृत्रिम बुद्धिमत्ता। द्वितीय श्रेणी के अनुसार कृत्रिम बुद्धिमत्ता के चार प्रकार हैं–पूर्णतः प्रतिक्रियात्मक, सीमित स्मृति, मस्तिष्क सिद्धांत और आत्मचेतन। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के मुख्यतः पाँच अनुप्रयोग हैं–'ज्ञान' अर्थात् दुनिया के बारे में जानकारी प्रस्तुत करना, 'विचार' अर्थात् तार्किक कसौटी के माध्यम से समस्याओं को हल करना, 'संचार' अर्थात् मौखिक और लिखित भाषा को समझना, 'योजना' अर्थात् लक्ष्य निर्धारित करना और उसे प्राप्त करना, 'अनुभूति' अर्थात् ध्वनियों, चित्रों और अन्य संवेदी माध्यमों से अनुमान लगाना। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अनेक लाभ हैं; जैसे– कार्य को सरल बनाना, सीखने की प्रक्रिया को तीव्र करना, चिकित्सा, दैनिक गतिविधियों, अनुसंधान और विकास कार्यों में सहायक होना आदि। लाभ के साथ-साथ इसकी कुछ हानियाँ भी हैं; जैसे–मशीनों पर अत्यधिक निर्भरता, आलस्य में वृद्धि, कार्यक्षमता में कमी, अधिक खर्च, संवेदनहीनता, बेरोजगारी आदि। कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव जाति के विकास में अत्यंत सहायक है, लेकिन यह तभी कल्याणकारी है, जब इसका उचित और सकारात्मक उपयोग किया जाए।

14. डिजिटल इंडिया

संकेत-बिंदु– • परिचय • अभियान का प्रारंभ • डिजिटल इंडिया के प्रमुख स्तंभ • लाभ • कमियाँ।

'डिजिटल इंडिया' भारत को समृद्ध करने के लिए भारत सरकार द्वारा चलाया गया एक अभियान है। इसका उद्देश्य सभी छोटे-बड़े सरकारी विभागों को इंटरनेट के माध्यम से जनता से साथ जोड़ना और यह सुनिश्चित करना है कि कागज़ का प्रयोग किए बिना सरकारी सेवाएँ इलेक्ट्रॉनिक रूप से जनता तक पहुँच सकें। इस अभियान का प्रारंभ देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 1 जुलाई, 2015 को देश के प्रमुख उद्योगपतियों की उपस्थिति में किया। इस अभियान के तीन मुख्य घटक हैं–डिजिटल आधारभूत ढाँचे का निर्माण करना, इलेक्ट्रॉनिक रूप से सरकारी सेवाओं को जनता तक पहुँचाना और डिजिटल साक्षरता। इसके लिए एक द्विपक्षीय आधार का निर्माण किया जाएगा, जहाँ सेवा प्रदाता और उपभोक्ता दोनों को लाभ होगा। 'डिजिटल इंडिया अभियान' के नौ प्रमुख स्तंभ हैं– ब्रॉडबैंड हाइवे, घर-घर मोबाइल फोन की पहुँच, पब्लिक इंटरनेट एक्सेस कार्यक्रम, ई-गवर्नेंस–प्रौद्योगिकी के माध्यम से सरकार में सुधार, ई-क्रांति सेवाओं की इलेक्ट्रॉनिक डिलीवरी, सभी के लिए सूचना, इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण, आई०टी० नौकरियाँ, अगेती फसल कार्यक्रम अर्थात् भविष्य की तैयारी। 'डिजिटल इंडिया अभियान' से भ्रष्टाचार में कमी, सरकारी कार्यालयों में लंबी लाइनों से छुटकारा, देश का तेज़ी से विकास, रोजगार के नए अवसर, घर बैठे बैंकिंग लेन-देन और खरीदारी आदि अनेक लाभ हैं। लाभ के साथ-साथ इस अभियान की कुछ कमियाँ भी हैं। गरीब और अनपढ़ लोग इसका लाभ नहीं उठा सकते। इसके अलावा गोपनीयता का अभाव, डाटा सुरक्षा नियमों का अभाव, नागरिक स्वायत्ता का हनन, साइबर असुरक्षा आदि भी इसकी कुछ कमियाँ हैं। 'डिजिटल इंडिया' देश के विकास में एक क्रांतिकारी कदम है, लेकिन इसकी सफलता और उत्तम परिणामों के लिए इसकी कमियों को दूर करना अत्यंत आवश्यक है।

15. बढ़ती जनसंख्या : एक विकट समस्या

संकेत-बिंदु– • जनसंख्या : एक विकट समस्या • बढ़ती जनसंख्या के दुष्परिणाम • कारण • रोकने के उपाय व सुझाव।

भारत जैसे विकासशील देश के लिए जनसंख्या-वृद्धि एक भयानक राष्ट्रीय समस्या का रूप धारण कर चुकी है। जनसंख्या-वृद्धि ने भारत में अनेक समस्याओं को जन्म दिया है। महँगाई, बेकारी और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं ने लोगों के जीवन को दुरूह बना दिया है। चारों ओर निर्धनता तथा अशिक्षा का बोलबाला है। आम आदमी के लिए जीवन की मूलभूत ज़रूरतों–रोटी, कपड़ा और मकान जुटाना मुश्किल हो गया है। चिकित्सा-सुविधाओं की कमी और कुपोषण से आम आदमी त्रस्त है। जनसंख्या-वृद्धि का सबसे बड़ा कारण अशिक्षा है। लड़कियों का कम आयु में विवाह, भाग्यवादी दृष्टिकोण और मनोरंजन के साधनों का अभाव भी इस समस्या के महत्त्वपूर्ण कारण हैं। जनसंख्या-वृद्धि के परिणामस्वरूप देश उचित तरक्की नहीं कर पाता, इससे देश की आर्थिक प्रगति बाधित होती है। बढ़ती बेरोज़गारी और अशिक्षा से देश की कार्यक्षमता और राष्ट्रीय आय में कमी आती है तथा राष्ट्रीय चरित्र को क्षति पहुँचती है। सरकार परिवार-नियोजन एवं परिवार कल्याण के कार्यक्रम चलाकर इस दिशा में जनता को जागरूक करने का प्रयास कर रही है। इस समस्या से निपटने के लिए जनता को शिक्षित करना अत्यंत आवश्यक है। अशिक्षितों के लिए शारीरिक सुख-भोग ही सर्वस्व है। इस कारण परिवार बढ़ता है। गाँवों और दूर-दराज के इलाकों में परिवार नियोजन कार्यक्रम को एक आंदोलन के रूप में चलाया जाना चाहिए। यदि जनसंख्या-वृद्धि पर रोक नहीं लगाई गई तो भविष्य में हमें भीषण संकटों का सामना करना पड़ सकता है। देश के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह इस समस्या पर गंभीरतापूर्वक विचार करे और इस पर काबू पाने में अपना पूर्ण सहयोग दे।

16. नई राष्ट्रीय शिक्षा-नीति

संकेत-बिंदु– • नई राष्ट्रीय शिक्षा-नीति जारी • नई राष्ट्रीय शिक्षा-नीति के प्रमुख प्रावधान • देश के विकास में योगदान।

देश में जुलाई 2020 से नई राष्ट्रीय शिक्षा-नीति लागू कर दी गई है। स्वतंत्र भारत की तीसरी शिक्षा-नीति का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण तथा सार्वभौमिक शिक्षा के साथ ही व्यावसायिक शिक्षा पर बल देना है। इसमें भारतीय संस्कृति की विविधता का उचित समावेश किया गया है। इस शिक्षा-नीति में रटकर याद करने की पद्धति के स्थान पर छात्रों का कौशल विकसित करने और उनकी क्षमताओं का आकलन करने पर जोर दिया गया है। इसमें मानव संसाधन विकास मंत्रालय का नाम बदलकर एक बार पुनः शिक्षा मंत्रालय कर दिया गया है। इसमें 3 से 18 वर्ष के बालकों के लिए निःशुल्क शिक्षा का प्रावधान किया गया है। बारह वर्ष की (10 + 2) स्कूली शिक्षा-प्रणाली के स्थान पर (5 + 3 + 3 + 4) की शिक्षा-प्रणाली लागू की गई है। पहले पाँच वर्ष में तीन वर्ष की प्री-प्राइमरी और पहली-दूसरी कक्षा की शिक्षा सम्मिलित है। इसके बाद तीसरी, चौथी और पाँचवीं कक्षा को प्राथमिक शिक्षा में सम्मिलित किया गया है। यह शिक्षा मातृभाषा में दिए जाने का प्रावधान है। इसमें छठी, सातवीं और आठवीं के तीन वर्षों में गणित और विज्ञान पर बल देते हुए व्यावसायिक शिक्षा का आरंभ किया जाएगा। स्कूली शिक्षा के अंतिम चार वर्षों में नवीं से बारहवीं तक की शिक्षा सम्मिलित है। इसमें विद्यार्थियों को वैकल्पिक विषयों के चुनाव की छूट दी गई है। विज्ञान, कला और वाणिज्य वर्गों में निर्धारित विषयों का प्रतिबंध नहीं रहेगा। इसी प्रकार उच्च शिक्षा में भी आमूल-चूल परिवर्तन किया गया है। नई राष्ट्रीय शिक्षा-नीति में प्राथमिक शिक्षा में बच्चों के लिए बस्ते का बोझ कम करने, नवीं से बारहवीं तक की मूल्यांकन पद्धति में परिवर्तन करने तथा मातृभाषा के साथ शिक्षणेतर गतिविधियों–खेल व योग आदि पर बल देने का प्रावधान है। आशा है कि भारत को विश्व की महाशक्ति और जगद्गुरु बनाने में नई राष्ट्रीय शिक्षा-नीति का क्रियान्वयन मील का पत्थर सिद्ध होगा।

17. स्वच्छ भारत अभियान *अथवा* स्वच्छता आंदोलन

संकेत-बिंदु– • क्यों • स्वच्छ भारत की संकल्पना • स्वच्छ भारत अभियान की शुरूआत • हमारा उत्तरदायित्व • स्वच्छ भारत अभियान का स्वरूप • बदलाव।

गंदगी में दारिद्रय (गरीबी) निवास करता है; क्योंकि गंदगी से नकारात्मक ऊर्जा पैदा होती है। नकारात्मक ऊर्जा व्यक्ति को आलसी और निकम्मा बनाती है। यही गरीबी का सबसे मुख्य कारण है। इसलिए व्यक्ति, समाज और देश को सुखी तथा संपन्न बनाने के लिए ज़रूरी है कि हमारा देश स्वच्छ रहे। इसीलिए स्वतंत्रता से पूर्व महात्मा गांधी ने स्वच्छ भारत का स्वप्न देखा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने गांधी जी की स्वच्छ भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए 'स्वच्छ भारत अभियान' (स्वच्छता आंदोलन) का बिगुल फूँका है। स्वच्छ भारत अभियान की संकल्पना यह है कि देश के प्रत्येक शहरी और ग्रामीण परिवार में एक स्वच्छ शौचालय हो, जिन घर-परिवारों में स्थानाभाव के कारण शौचालय बनाया जाना संभव न हो, वहाँ पर सुलभ सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण किया जाए। देश के प्राथमिक से लेकर उच्चशिक्षा तक के प्रत्येक विद्यालय में छात्र-छात्राओं के लिए स्वच्छ और पृथक्-पृथक् शौचालय हों। उनकी इस संकल्पना से जहाँ सिर पर मैला ढोने की अमानवीय प्रथा समाप्त होगी, वहीं देश की उन करोड़ों महिलाओं को सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर प्राप्त होगा, जिनको खुले में शौच के लिए जाना पड़ता है। उन बालिकाओं के विद्यालय जाने का मार्ग प्रशस्त होगा, जो विद्यालयों में अलग शौचालय की व्यवस्था न होने के कारण विद्यालय नहीं जा पातीं। मोदी जी की स्वच्छ भारत अभियान की संकल्पना केवल शौचालयों के निर्माण तक ही सीमित नहीं है। उनका प्रयास है कि देश का प्रत्येक कोना स्वच्छ हो। इसके लिए देश के प्रत्येक नागरिक को यह संकल्प लेना होगा कि वह न स्वयं गंदगी फैलाएगा और न दूसरों को फैलाने देगा। यदि प्रत्येक नागरिक अपनी इस ज़िम्मेदारी को समझे तो देश स्वतः ही स्वच्छ हो जाएगा। अपने ड्रीम प्रोजेक्ट स्वच्छ भारत अभियान की शुरूआत मोदी जी ने महात्मा गांधी जी की जयंती पर 2 अक्टूबर, 2014 को राजपथ से लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाकर की। निर्मल भारत अभियान भारत सरकार द्वारा चलाया जा रहा ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के लिए माँग आधारित एवं जनकेंद्रित अभियान है, जिसमें लोगों की स्वच्छता संबंधी आदतों को बेहतर बनाना, स्वसुविधाओं की माँग उत्पन्न करना और स्वच्छता सुविधाओं को उपलब्ध कराना शामिल है, जिससे ग्रामीणों के जीवन स्तर को बेहतर बनाया जा सके। अभियान का उद्देश्य पाँच वर्षों में भारत को खुला शौच से मुक्त देश बनाना है। स्वच्छता आंदोलन के कारण अब देश में सब जगह बदलाव नज़र आने लगा है। देश के अनेक जिले खुले में शौच से मुक्त हो चुके हैं। प्रत्येक गाँव, नगर में जगह-जगह कूड़ेदान दिखने लगे हैं।

18. मन के हारे हार है, मन के जीते जीत

संकेत-बिंदु– • मन को बाँधना ही मन को जीतना है • निराशा अभिशाप • मन चंगा तो कठौती में गंगा • मन के सशक्त होने से व्यक्ति का सशक्त होना • दृष्टिकोण परिवर्तन • सकारात्मक सोच • मन की दृढ़ता ही सफलता का साधन।

मानव का मन उसके जीवन का सूत्रधार और संचालक है। मनुष्य का मन अपने आपमें एक ब्रह्मांड है। जो कुछ बाहरी विश्व में घटित होता है, वही उसके मन के भीतर भी होता है। मन की शक्ति अपार है। मन बड़ा चंचल होता है। मन को बाँधना ही मन को जीतना है। इसे जीत लेने में ही विश्वविजय निहित है। निराशा व्यक्ति के लिए अभिशाप है और आशा तथा उत्साह वरदान। आप कितने भी असमर्थ हों, यदि मन में उमंग और उत्साह है तो सारी असमर्थता समर्थता में बदल जाएगी। राम, कृष्ण, ईसा, बुद्ध, नानक, कबीर सभी ने अपने मन को जीता और जग को जीत लिया। अर्थात सारे संसार के प्रिय हो गए। मन की जीत के लिए मन का पवित्र होना आवश्यक है। यदि मन पवित्र है तो कोई भी जप-तप करने की आवश्यकता नहीं है, इसीलिए कहा गया है-मन चंगा तो कठौती में गंगा। दूसरी ओर जिनका मन हार जाता है, जिनके विचार दृढ़ नहीं रह पाते, जो अपने संकल्प पर स्थिर नहीं होते, जो तनिक से दुःख से दुःखी और सुख से सुखी हो जाया करते हैं, वे संसार-सागर की लहरों में तिनके के समान विलीन हो जाते हैं। जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को अपने भाग्यवादी दृष्टिकोण में परिवर्तन करके यह सकारात्मक सोच स्वयं में उत्पन्न करनी होगी कि मन के सशक्त होने पर ही सारा शरीर सशक्त हो सकता है। मन कमज़ोर तो शरीर भी कमज़ोर और निष्क्रिय हो जाता है। मन हमारा मित्र और शत्रु दोनों है। मन के धनी व्यक्ति ही सागर से मोती निकाल लाते हैं, हिमशिखरों पर चढ़कर अपनी बहादुरी का झंडा गाड़ते हैं। मन के हार जाने पर साहस टूट जाता है और मनुष्य को विफलता का मुँह देखना पड़ता है; अतः यह सत्य है कि 'मन के हारे हार है, मन के जीते जीत'।

19. भारतीय किसान के कष्ट

संकेत-बिंदु–• अन्नदाता की कठिनाइयाँ • कठोर दिनचर्या • सुधार के उपाय।

भारत एक कृषिप्रधान देश है। इसकी 69 प्रतिशत जनसंख्या गाँवों में रहती है। गाँवों में कृषि का काम किसान ही करता है। किसान कठोर परिश्रम करके सारे देश के लिए अन्न उगाते हैं, मगर दुर्भाग्य की बात है कि भारतीय किसान को दिन-रात मेहनत करने के बाद भी दो वक्त का खाना नहीं मिलता, इसलिए उसे ज़मींदारों और साहूकारों की गुलामी करनी पड़ती है। वह सदैव अभावों और निर्धनता में अपना जीवन व्यतीत करता है। स्वतंत्रता-प्राप्ति के बाद किसानों की स्थिति में काफ़ी सुधार हुआ है। आज उनको ट्रैक्टर तथा अन्य मशीनें

उपलब्ध हो गई हैं, जिनसे खेती के उत्पादन में भी काफ़ी वृद्धि हुई है, लेकिन बिचौलियों के कारण उन्हें अपनी फसल का उचित मूल्य नहीं मिल पाता, जिस कारण उन्हें खेती में निरंतर घाटा हो रहा है। बिचौलियों और साहूकारों के इसी शोषण के कारण किसान आत्महत्या कर रहे हैं। अतः हम कह सकते हैं कि सरकार द्वारा सुविधाएँ मिलने के बावजूद अभी बहुत कुछ करना शेष है। सरकार की ओर से गाँव-गाँव तक बिजली, पानी तथा आधारभूत शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए अनेक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। सरकारी समितियों तथा बैंकों के माध्यम से उन्हें कम ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। सरकार की ओर से उचित मूल्य पर उनकी फसल खरीदने की व्यवस्था की गई है। बड़े-बड़े किसान तो सरकारी सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं, किंतु छोटे किसानों की स्थिति में सुधार नहीं हो पाया। बाज़ार की जानकारी और खेती की उन्नत तकनीक के ज्ञान का अभाव इसका सबसे मुख्य कारण है। इसके लिए बाज़ार और तकनीक के प्रचार-प्रसार की महती आवश्यकता है; क्योंकि जब तक किसान की हालत नहीं सुधरती, तब तक देश की हालत भी नहीं सुधर सकेगी। इस ओर गंभीरतापूर्वक ध्यान देने की आवश्यकता है।

20. वृक्षारोपण का महत्त्व

संकेत-बिंदु– • वृक्षारोपण का अर्थ • वृक्षारोपण क्यों? • हमारा दायित्व।

वृक्षारोपण का अर्थ है–छायादार और फलदार वृक्षों के पौधे लगाना या उगाना। वृक्षारोपण का अत्यधिक महत्त्व है। वृक्ष प्रकृति की अमूल्य संपदा हैं। वृक्षारोपण का महत्त्व इस बात से स्पष्ट हो जाता है कि हमारे शास्त्रों में एक वृक्ष उगाना एक पुत्र उत्पन्न करने के समान माना गया है। वृक्षारोपण इसलिए आवश्यक है, क्योंकि ये सभी प्रकार के प्रदूषणों को समाप्त करके पर्यावरण को शुद्ध करते हैं। वृक्ष कार्बनडाई ऑक्साइड को जीवनदायिनी ऑक्सीजन में परिवर्तित कर देते हैं। इस प्रकार ये सभी प्राणियों के लिए जीवनदायी हैं। वृक्ष, बाढ़, तूफान, आँधी आदि प्राकृतिक आपदाओं को भी नियंत्रित करते हैं। ये वर्षा कराने और पर्यावरण संतुलन में भी सहायक हैं। इनसे हमें फल, औषधि, लकड़ी आदि जीवनोपयोगी वस्तुएँ प्राप्त होती हैं। हमारा दायित्व है कि वृक्षों के महत्त्व को समझते हुए हम उनकी कटाई न करें, बल्कि अधिक-से-अधिक वृक्ष लगाएँ और उनका पोषण तथा रक्षण करें।

वृक्ष हैं धरती का श्रृंगार।
वृक्षों से ही है संसार।।

21. आधुनिक जीवन

संकेत-बिंदु– • आवश्यकताओं में वृद्धि • अशांति • क्या करें?

आज उपभोक्तावाद का युग है। उपभोक्तावाद ने मनुष्य की जीवनशैली को पूर्णरूप से बदल दिया है। मनुष्य का उद्देश्य केवल अधिक-से-अधिक धन कमाना और सुख साधन जुटाना है। पहले मानव की केवल तीन मूलभूत आवश्यकताएँ थीं–रोटी, कपड़ा और मकान। लेकिन आज उसकी आवश्यकताएँ अनंत हो गई हैं। उन आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए वह अधिकाधिक धन कमाने के लिए सुबह से शाम तक दौड़ता रहता है। धन कमाने की इस प्रतिस्पर्धा में हर कोई एक-दूसरे से आगे निकल जाना चाहता है। धनार्जन की इस तृष्णा ने मनुष्य के जीवन की शांति को समाप्त कर दिया है। आज मनुष्य न चैन से खाता है और न सोता है। उसके पास परिवार और समाज तो क्या, अपने लिए भी समय नहीं है। जीवन का रस और मधुर भावनाएँ लुप्त हो गई हैं। आधुनिक मानव मशीनी मानव बन गया है। वह तनाव और अवसाद से ग्रसित होता जा रहा है। इसका दुष्परिणाम दिनोदिन बढ़ रही आत्महत्या की घटनाओं के रूप में सामने आ रहा है। जीवन की इस अशांति से बचने के लिए हमें अपनी इच्छाओं को सीमित करना चाहिए, अपनी संस्कृति और जीवन-मूल्यों को अपनाना चाहिए। 'साईं इतना दीजिए जामे कुटुम समाय। मैं भी भूखा न रहूँ साधु न भूखा जाय।।' के सिद्धांत को अपनाकर ही हम इस अशांति से छुटकारा पा सकते हैं।

22. शिक्षक-शिक्षार्थी संबंध

संकेत-बिंदु– • संबंधों की परंपरा • वर्तमान समय में आया अंतर • हमारा कर्तव्य।

शिक्षार्थी और शिक्षक के संबंधों की परंपरा बहुत प्राचीन है। प्राचीन काल में हमारे देश में शिक्षक (गुरु) और शिक्षार्थी (शिष्य) के संबंध बहुत पवित्र थे। शिक्षार्थी अपने माता-पिता, घर, परिवार को छोड़कर गुरुकुल में शिक्षा प्राप्त करने चला जाता था। वहाँ वह गुरु को ही अपना सर्वस्व मानता था। उसके लिए गुरु का स्थान ब्रह्मा, विष्णु और महेश से भी ऊँचा था। गुरु भी अपने शिष्य को पुत्रवत् स्नेह करता था और निस्वार्थ भाव से अपना सारा ज्ञान उसकी झोली में उँड़ेल देता था। वर्तमान समय में इस संबंध में बहुत अंतर आ गया है। आज शिक्षा का व्यापार होता है। शिक्षक अपनी शिक्षा बेचता है और शिक्षार्थी उसे खरीदता है। आज शिष्य के मन में गुरु के प्रति पहले जैसा सम्मान और गुरु के मन में शिष्य के प्रति पुत्रवत् स्नेह नहीं रहा है। इसका परिणाम यह हुआ है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था का पतन हो गया है। उसकी उपादेयता घट गई है। हमारा कर्तव्य है कि हम शिक्षक-शिक्षार्थी के उन प्राचीन संबंधों को पुनः स्थापित करें, ताकि हमारा देश 'जगद्गुरु' के अपने प्राचीन गौरव को पुनः प्राप्त कर सके।

23. सत्यमेव जयते

संकेत-बिंदु– • भाव • झूठ के पाँव नहीं होते • सत्य ही परम धर्म।

'सत्यमेव जयते' का अर्थ है–सत्य की ही विजय होती है। यह हमारे देश का आदर्श वाक्य है। यह एक सत्य सिद्ध कथन है। असत्य चाहे कितना भी सबल हो, लेकिन वह सत्य को पराजित नहीं कर सकता। सत्य के बल से श्रीराम के बलवान रावण को परास्त किया तथा पांडवों ने कौरवों को पराजित किया। गांधीजी ने सत्य-अहिंसा के द्वारा ही शक्तिशाली अंग्रेज़ों को भारत से भगा दिया। असत्य के पाँव नहीं होते अर्थात् झूठ का कोई आधार नहीं होता। वह सत्य के सामने कभी नहीं टिक सकता। संसार में सत्य ही धारण करने योग्य है; अतः सत्य सबसे बड़ा धर्म है। सत्यवादी में सभी सद्गुण स्वयं ही आ जाते हैं। मनुष्य के लिए सत्य से बढ़कर कल्याणकारी और कुछ भी नहीं है। इसलिए सत्य का पालन प्राण देकर भी करना चाहिए।

24. हमारा राष्ट्रीय झंडा

संकेत-बिंदु– • स्वरूप • राष्ट्रीय जीवन में महत्त्व • फहराने की मर्यादा।

प्रत्येक स्वतंत्र राष्ट्र का अपना एक राष्ट्रीय ध्वज होता है। यह उसकी मान-मर्यादा और स्वाभिमान का प्रतीक होता है। हमारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा है। आज़ादी से कुछ दिन पूर्व 22 जुलाई, 1947 को संविधान सभा द्वारा इसे भारत गणतंत्र के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया गया। इसमें तीन रंग की समानांतर पट्टियाँ हैं। सबसे ऊपर केसरिया रंग है, जो देश की शक्ति, त्याग और शौर्य का प्रतीक है। बीच में शांति और सत्य का प्रतीक सफ़ेद रंग है। सबसे नीचे गहरा हरा रंग है, जो उर्वरता, समृद्धि और भूमि की पवित्रता का प्रतीक है। सफ़ेद पट्टी के बीच में अशोक चक्र है, जिसमें चौबीस तिल्लियाँ हैं। यह चक्र निरंतर प्रगति का प्रतीक है और बताता है कि गतिशीलता जीवन है और रुकना मृत्यु है। यह राष्ट्रध्वज हमारी मान-मर्यादा और स्वाभिमान का प्रतीक है। इसकी आन-बान-शान की रक्षा के लिए हज़ारों सैनिकों ने अपने प्राणों का बलिदान किया है। प्रत्येक भारतीय इसके लिए अपने प्राणों की आहुति देने के लिए तैयार है। राष्ट्रध्वज के निर्माण और फहराने में मर्यादा का ध्यान रखना चाहिए। इसकी चौड़ाई और लंबाई में 2 : 3 का अनुपात होना चाहिए। इसे सूर्योदय के पश्चात् और सूर्यास्त होने तक ही फहराना चाहिए; यदि देश में कहीं अन्य देशों अथवा संस्थाओं के ध्वज भी राष्ट्रध्वज के साथ फहराए जाने हों तो राष्ट्रीय ध्वज उनमें सबसे ऊँचा होना चाहिए। पहले राष्ट्रीय ध्वज केवल

सरकारी भवनों पर ही लगाया जा सकता था, लेकिन 26 जनवरी, 2002 से प्रत्येक नागरिक अपने घरों या संस्थानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहरा सकता है, किंतु उसमें राष्ट्रध्वज के सम्मान का ध्यान रखा जाना परमावश्यक है। यह तिरंगा हमारा स्वाभिमान है; अतः हमें इसे लगाते या फहराते समय इसकी मान-मर्यादा का पूरा ध्यान रखना चाहिए।

25. बढ़े बेटियाँ, पढ़ें बेटियाँ
अथवा
बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ

संकेत-बिंदु– • योजना के उद्देश्य • 'बढ़ें बेटियाँ' से आशय • बेटियों को बढ़ाने के उपाय।

कहते हैं कि सुघड़, सुशील और सुशिक्षित स्त्री दो कुलों का उद्धार करती है। विवाहपर्यंत वह अपने मातृकुल को सुधारती है और विवाहोपरांत अपने पतिकुल को। उसके इस महत्त्व को प्रत्येक देश-काल में स्वीकार किया जाता रहा है, किंतु यह विडंबना ही है कि उसके अस्तित्व और शिक्षा पर सदैव से संकट छाया रहा है। विगत कुछ दशकों में यह संकट और अधिक गहरा हुआ है, जिसका परिणाम यह हुआ कि देश में बालक-बालिका लिंगानुपात सदैव ही गड़बड़ाया रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने इस तथ्य के मर्म को जाना-समझा और सरकारी स्तर पर एक योजना चलाने की रूपरेखा तैयार की। इसके लिए उन्होंने 22 जनवरी, 2015 को हरियाणा राज्य से 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना की शुरूआत की। 'बेटी बचाओ' योजना के रूप में इसका सबसे बड़ा उद्देश्य बालिकाओं के लिंगानुपात को बालकों के बराबर लाना है। इसलिए बेटियों को बचाकर उनकी संख्या में वृद्धि करने के साथ-साथ यह भी आवश्यक है कि वे निरंतर आगे बढ़ें। उनकी प्रगति के मार्ग की प्रत्येक बाधा को दूर करके उन्हें उन्नति के उच्चतम शिखर तक पहुँचाने का मार्ग प्रशस्त करें। 'बढ़ें बेटियाँ' नारे का उद्देश्य और आशय भी यही है। बेटियाँ पढ़-लिखकर आत्मनिर्भर बनें और देश के विकास में अपना योगदान दें, इसके लिए सबसे आवश्यक यह है कि हम समाज में ऐसे वातावरण का निर्माण करें, जिससे घर से बाहर निकलने वाली प्रत्येक बेटी और उसके माता-पिता का मन उनकी सुरक्षा को लेकर सशंकित न हो। आज बेटियाँ घर से बाहर जाकर सुरक्षित रहें और शाम को बिना किसी भय अथवा तनाव के घर वापस लौटें, यही सबसे बड़ी आवश्यकता है। इसलिए हमें बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए उन्हें सामाजिक सुरक्षा की गारंटी देनी होगी। बेटियाँ पढ़ें और आगे बढ़ें, इसका दायित्व केवल सरकार पर नहीं है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति पर इस बात का दायित्व है कि वह अपने स्तर पर वह हरसंभव प्रयास करे, जिससे बेटियों को पढ़ने और आगे बढ़ने का प्रोत्साहन मिले। हम यह सुनिश्चित करें कि जब हम घर से बाहर हों तो किसी भी बेटी की सुरक्षा पर हमारे रहते कोई आँच नहीं आनी चाहिए।

26. देश की भलाई : गंगा की सफ़ाई

संकेत-बिंदु– • गंगा की उपयोगिता • गंगा नदी के प्रदूषण के कारण • गंगा की शुद्धि के उपाय।

गंगा का जल वर्षों तक बोतलों, डिब्बों में बंद रहने के बाद भी खराब नहीं होता है, लेकिन भारत की मातृवत् पूज्या गंगा आज पर्याप्त सीमा तक प्रदूषित हो चुकी है। अनेक स्थानों पर तो इसका जल अब स्नान करने योग्य भी नहीं रह गया है। इसलिए आज हम सबका कर्तव्य है कि गंगा नदी की अविरलता और पवित्रता बनाए रखें; क्योंकि गंगा की सफ़ाई और उसके अस्तित्व में ही देश की भलाई निहित है। पतित पावनी गंगा नदी के प्रदूषित होने के मुख्य कारणों में उसकी धारा के प्रवाह को अवरुद्ध करना है। टिहरी बाँध बनाकर गंगा के अविरल जल-प्रवाह को अत्यंत धीमा कर दिया गया है। गरमियों में तो उसमें जल का प्रवाह इतना कम हो जाता है कि उसे देखकर लगता है कि यह कोई नदी नहीं, वरन् नाला है। प्राचीनकाल में इसका तीव्र-प्रवाह इसकी अशुद्धियों को अपने साथ बहा ले जाता था और इसकी पवित्रता बनी रहती थी। अत्यधिक प्रदूषण के कारण गंगा नदी के जल से ऑक्सीजन की मात्रा लगातार कम होती जा रही है। गंगा के किनारे स्थित नगरों में आबादी का दबाव पर्याप्त सीमा तक बढ़ता जा रहा है। वहाँ का मल-मूत्र और गंदा पानी नालों के माध्यम से गंगा में डाल दिया गया है; फलतः कभी खराब न होने वाला गंगा-जल आज बहुत बुरी तरह से प्रदूषित हो गया है। औद्योगिकीकरण की बढ़ती प्रवृत्ति भी गंगा नदी को प्रदूषित करने का बड़ा कारण बनी है। कारखानों से निकलने वाला रसायन प्रदूषित पानी, कचरा आदि गंदे नालों तथा अन्य माध्यमों से होता हुआ गंगा में मिल जाता है, जिससे गंगा-जल अत्यधिक विषैला हो गया है। सदियों से आध्यात्मिक एवं धार्मिक मान्यताओं से अनुप्राणित होकर गंगा की निर्मलधारा में मृतकों की अस्थियाँ, अवशिष्ट राख तथा अनेक लावारिस शव बहा दिए जाते हैं। बड़ी मात्रा में किए जानेवाले मूर्ति-विसर्जन एवं पूजा-सामग्री के विसर्जन ने भी गंगा के जल को अत्यधिक प्रदूषित किया है। इन समस्याओं से निपटने और गंगा को प्रदूषण से बचाने के लिए अनेक महत्त्वपूर्ण उपाय अपनाए जा सकते हैं; जैसे-जल-प्रवाह का अविरल संतुलन बनाए रखना चाहिए, जिससे गंगा में मिलनेवाली गंदगी एक स्थान पर रुककर उसके जल को प्रदूषित न करे। उद्योगों द्वारा उत्सर्जित अपशिष्ट पदार्थों के गंगा में गिराए जाने पर रोक लगनी चाहिए। गंगा-संरक्षण की आवश्यकता को समझते हुए आमराय बनाकर इस योजना को एक परिणाम तक पहुँचाने के लिए विभिन्न मंत्रालयों द्वारा एक साथ मिलकर इस उद्देश्य को पूरा करने का कार्य किया जा रहा है। आज केंद्र सरकार गंगा की सफ़ाई के प्रति सजग, सक्रिय और दृढ़-प्रतिज्ञ है। हमें भी अपने तन-मन-धन द्वारा इस अमूल्य राष्ट्रीय संपदा के संरक्षण के लिए आगे आना चाहिए। अपने सांस्कृतिक अस्तित्व और देश की भलाई के लिए हमें गंगा को स्वच्छ बनाना ही होगा।

27. नैतिक शिक्षा की आवश्यकता

संकेत-बिंदु– • मानवीय मूल्यों का सम्मान आवश्यक • वर्तमान शिक्षा-प्रणाली में नैतिकता का अभाव • चरित्र-निर्माण के लिए आवश्यक • नैतिक शिक्षा का परिणाम।

नैतिकता का अर्थ है-'मानवीय मूल्यों का सम्मान'। जब तक मानवीय मूल्यों की अवहेलना की जाती रहेगी, तब तक एक स्वस्थ समाज का गठन संभव नहीं है; अतः विद्यालयों में शिक्षा के साथ-साथ नैतिक शिक्षा भी छात्रों को दी जानी चाहिए। नैतिक शिक्षा के बिना व्यक्ति का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। वास्तव में हमारी संपूर्ण शैक्षणिक व्यवस्था नैतिक मूल्यों पर ही आधारित होनी चाहिए, किंतु हमारी वर्तमान शिक्षा-प्रणाली में सबसे बड़ी कमी यही है कि इसमें नैतिकता का अभाव है। व्यक्ति चरित्र तथा राष्ट्रीय चरित्र-निर्माण करने के लिए नैतिक शिक्षा प्राथमिक स्तर से ही अनिवार्य होनी चाहिए। विद्यालयों में नैतिक शिक्षा का उद्देश्य अन्य पाठ्यक्रमों के समान छात्रों को विषय का केवल पुस्तकीय ज्ञान प्राप्त कराने या उपदेश देने मात्र से पूर्ण नहीं हो सकता। यह शिक्षा तभी प्रभावशाली होगी, जब यह शिक्षा 'शिक्षक' के चरित्र में प्रत्यक्ष रूप से चरितार्थ होती दिखाई देगी। जब शिक्षक अपने जीवन में नैतिक गुणों को धारण करेंगे तो उसका छात्रों पर प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। आज के दौर में जब हमारे परंपरागत मानवीय जीवन-मूल्यों का ह्रास हो रहा है तथा उनके स्थान पर भौतिकवादी मूल्यों की स्थापना हो रही है, तब केवल नैतिक शिक्षा ही विद्यार्थियों को सन्मार्ग पर चलने तथा अच्छे-बुरे को पहचानने का विवेक दे सकती है। नैतिकता से विमुख होकर कोई सभ्यता स्थायी नहीं रह सकती। उसके स्थायित्व के लिए नैतिकता अनिवार्य शर्त है।

28. डिजिटल भुगतान : समय की माँग

संकेत-बिंदु– • डिजिटल भुगतान क्या है? • डिजिटल भुगतान के तरीके • लाभ • महत्त्व।

'डिजिटल भुगतान' एक ऐसा लेन-देन है, जो डिजिटल या ऑनलाइन रीति के माध्यम से होता है। इसमें पैसे का कोई भौतिक आदान-प्रदान नहीं होता, बल्कि भुगतानकर्ता और प्राप्तकर्ता दोनों पक्ष पैसे का आदान-प्रदान करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का उपयोग करते हैं। भारत में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए अनेक तरीके उपलब्ध हैं, जिनमें मुख्य हैं–बैंकिंग कार्ड, प्वाइंट ऑफ सेल (पी०ओ०एस०), इंटरनेट बैंकिंग, यू०एस०एस०डी०, यू०पी०आई०, मोबाइल बैंकिंग, आई०पी०एस०, मोबाइल वॉलेट, बैंक प्रीपेड कार्ड, माइक्रो ए०टी०एम०, भीम एप आदि। डिजिटल भुगतान के अनेक लाभ हैं। यह भुगतान पारंपरिक लेन-देन की तुलना में अधिक त्वरित, सरल, सुविधाजनक और कम खर्चीला है। यह अत्यंत सुरक्षित है, क्योंकि इसमें पैसे के खो जाने, लूटे जाने या डकैती आदि का कोई जोखिम नहीं है। इसमें भुगतानकर्ता को विशेष छूट और उपहार का लाभ मिलता है। भुगतान का स्पष्ट बिल प्राप्त होता है, जिससे भुगतानों पर नज़र रखना आसान है। इससे अपने बजट को नियंत्रित रखा जा सकता है। इसके कारण यात्रा और खरीदारी करते समय नकद पैसा ले जाने की आवश्यकता नहीं है। इस लेन-देन के द्वारा लाइनों में लगने से बचा जा सकता है और शारीरिक दूरी के नियम का पालन किया जा सकता है। डिजिटल भुगतान करते समय साइबर अपराधियों से सावधान रहना अत्यंत आवश्यक है। डिजिटल भुगतान प्रणाली 'डिजिटल इंडिया' का एक प्रमुख अंग है। इसके महत्त्व और लाभों को देखते हुए कहा जा सकता है कि डिजिटल भुगतान आज के समय की माँग है।

29. आज का युग सूचना-प्रौद्योगिकी (IT) का युग

संकेत-बिंदु– • सूचना-प्रौद्योगिकी का युग • प्रौद्योगिकी के साधन • प्रौद्योगिकी का क्षेत्र • जीवन में महत्त्व।

आज सूचना-प्रौद्योगिकी अर्थात् 'Information Technology' का युग है; क्योंकि आधुनिक विकास सूचनाओं के आदान-प्रदान पर निर्भर है। आज संपूर्ण विश्व में सूचना और प्रौद्योगिकी की क्रांति चल रही है। पिछले दो दशकों में तो खासतौर पर इस क्षेत्र में युगांतकारी परिवर्तन हुए हैं। सूचना-प्रौद्योगिकी के कारण दूरसंचार उपग्रह और कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में अत्यधिक प्रगति हुई है। 'इंटरनेट' दूरसंचार और उपग्रह-प्रौद्योगिकी की मदद से संचालित लाखों कंप्यूटरों का ऐसा सूचना-तंत्र है, जिसमें पुस्तकालयों, रेडियो, टेलीविज़न, समाचार-पत्र, पत्रिकाओं के अलावा लगभग हर विषय से संबंधित विस्तृत जानकारी उपलब्ध है। सूचना-प्रौद्योगिकी के कारण ही अब हम पलभर में दुनिया के किसी भी कोने की खबर प्राप्त कर सकते हैं। निःसंदेह सूचना-क्रांति मानव सभ्यता की सबसे बड़ी और महत्त्वपूर्ण क्रांति है। इस सूचना के युग में सूचना ही शक्तिशाली है। यही कारण है कि यह क्रांति अपने मूलस्वभाव में सबसे अधिक चर्चित यांत्रिक क्रांति है; क्योंकि इसने विश्व के किसी भी तंत्र को नष्ट करने के बजाय सबको मज़बूती ही प्रदान की है। आज यह सूचना-प्रौद्योगिकी का ही कमाल है कि हम अपने सभी कार्य-व्यापार अपने स्थान पर बैठे ही संपादित कर लेते हैं। हमें चाहे खरीदारी करनी हो या अपना माल बेचना हो, पैसों का लेन-देन करना हो या वर-वधू की तलाश करनी हो, अपना भविष्य जानना हो या डॉक्टर की सलाह लेनी हो; कंप्यूटर का एक बटन दबाते ही हमारे ये सब काम घर बैठे हो जाते हैं। इसलिए आगे आने वाला युग केवल इसी पर टिका होगा।

30. मेक इन इंडिया

संकेत-बिंदु– • योजना का उद्देश्य • योजना का शुभारंभ • योजना की परिकल्पना • योजना का परिणाम।

एक समय था जब भारत 'सोने की चिड़िया' कहलाता था, परंतु विदेशी आक्रमणकारियों ने भारत को लूटकर उसके आर्थिक विकास को अवरुद्ध कर दिया। भारत को आर्थिक रूप से सुदृढ़कर उसे वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाना ही इस योजना का परमोद्देश्य है। इसकी पहल 25 सितंबर, सन् 2014 को भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने की। भारत में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निवेश को बढ़ावा देने तथा अपने देश में उद्योगों की स्थापना करके रोज़गार के अवसरों में वृद्धि करने की दिशा में यह एक स्वर्णिम पहल है। इस योजना की संकल्पना का उद्देश्य भारत को एक विश्वस्तरीय व्यापारिक केंद्र के रूप में स्थापित करने का है। इस योजना के सफलतापूर्वक लागू होने से भारत में 100 स्मार्ट शहर बनाने और सभी लोगों के लिए घर बनाने में भी मदद मिलेगी। देशी-विदेशी निवेशकों को भारत में पूँजी निवेश करने के समुचित अवसर प्रदानकर देश की आर्थिक-वृद्धि को तेज़गति प्रदानकर रोज़गार के अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराना इस योजना का मुख्य लक्ष्य है। आज मेक इन इंडिया अभियान अनेक व्यापारिक प्रतिष्ठानों और उद्योगों की स्थापना हेतु विश्व के सभी प्रमुख ब्रांडों तथा उद्योगपतियों का ध्यान भारत की ओर खींचने में सफल रहा है। आने वाले समय में यह 1 करोड़ से ज्यादा रोज़गार के अवसर प्रदान करेगा। इससे वैश्विक परिदृश्य में भारत की छवि एक बाज़ार के स्थान पर एक उत्पादक राष्ट्र के रूप में उभरेगी। हम एक उपभोक्ता-राष्ट्र न कहलाकर एक 'उत्पादक-राष्ट्र' कहलाएँगे। इस योजना की सफलता के लिए आज आवश्यकता है देश के साहसिक व्यापारिक युवाओं के आगे आने की।

31. कोरोना काल और ऑनलाइन पढ़ाई

(CBSE SQP 2021)

संकेत-बिंदु– • भूमिका • लॉकडाउन की घोषणा • ऑनलाइन कक्षाओं का आरंभ • इसके लाभ • ऑफ़लाइन कक्षाओं से तुलना • तकनीकी से जुड़ी बाधाएँ • निष्कर्ष।

दिसंबर, 2019 में चीन के वुहान शहर से कोविड-19 (कोरोना) का प्रारंभ हुआ और देखते-ही-देखते इस महामारी ने सारे संसार को अपनी चपेट में ले लिया। इसे फैलने से रोकने के लिए अधिकतर देशों ने संपूर्ण लॉकडाउन घोषित कर दिया। 24 मार्च, 2020 को भारत में भी लॉकडाउन की घोषणा कर दी गई। इसके साथ ही सब कुछ थम गया। लोग घरों में बंद हो गए। लॉकडाउन का सबसे बुरा असर बच्चों की शिक्षा पर हुआ। बच्चों का विद्यालय जाना बंद हो गया। इस समस्या का समाधान करने के लिए विद्यालयों ने ऑनलाइन पढ़ाई प्रारंभ की। बच्चों को इंटरनेट के माध्यम से घर बैठे ही शिक्षा प्रदान की जाने लगी। इसके लिए प्रत्येक बच्चे के पास स्मार्ट फ़ोन या कंप्यूटर का होना आवश्यक है। इन ऑनलाइन कक्षाओं से बच्चों की पढ़ाई तो पूर्ण कर दी गई, लेकिन ये ऑफ़लाइन कक्षाओं की तरह लाभकारी सिद्ध नहीं हुई। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षेतर गतिविधियाँ भी आवश्यक हैं। ये गतिविधियाँ ऑफ़लाइन कक्षाओं में ही संभव है। दूसरे-ऑनलाइन कक्षाओं में तकनीकी बाधाएँ भी सामने आईं। सभी बच्चों के पास स्मार्ट फ़ोन और कंप्यूटर नहीं हैं। यह समस्या ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष रूप से आज भी है। वहाँ बिजली भी हर समय उपलब्ध नहीं होती। अंत में हम कह सकते हैं कि ऑनलाइन कक्षाओं ने कोरोना काल में शिक्षा की समस्या का समाधान अवश्य किया, लेकिन ये ऑफ़लाइन कक्षाओं का स्थान नहीं ले सकती हैं।

32. मानव और प्राकृतिक आपदाएँ

(CBSE SQP 2021)

संकेत-बिंदु– • भूमिका • प्रकृति और मानव का नाता • मानव द्वारा बिना सोचे-समझे प्रकृति का दोहन • कारण एवं प्रभाव • प्रकृति के रौद्र रूप के लिए कौन दोषी • निष्कर्ष।

मनुष्य आदिकाल से प्रकृति की छत्रछाया में रहता आया है। प्रकृति और मानव का नाता माता और पुत्र का है। प्रकृति माता के समान मनुष्यों का ही

नहीं संसार के सभी जीवों का रक्षण और पोषण करती है। वह अपने जल, वायु और अन्न से जीवों को जीवन प्रदान करती है। प्रकृति तो जीवों के प्रति अपना माता का दायित्व निभाती है, लेकिन मनुष्य उसके प्रति अपने दायित्व का निर्वाह नहीं कर रहा है। उसने बिना सोचे-समझे प्रकृति का दोहन करना प्रारंभ कर दिया है। वह वनों का विनाश कर रहा है। बाँध बनाकर नदियों के प्रवाह को रोक रहा है। पर्वतों को काटकर सड़कें बना रहा है। उसने जल, वायु और भूमि को दूषित कर दिया है। मनुष्य के इस कृत्य से प्रकृति क्रुद्ध हो उठी है। उसने अपना रौद्र रूप दिखाना प्रारंभ कर दिया है। वह भूकंप, बाढ़, सूखा, अतिवृष्टि, आदि प्राकृतिक आपदाओं के रूप में मनुष्य को दंडित कर रही है। ये प्राकृतिक आपदाएँ बढ़ती जा रही हैं। इनके अलावा जानलेवा भयानक बीमारियाँ भी संसार में फैल रही हैं। प्रकृति का यह क्रोध मानवता के लिए बहुत भयानक और हानिकारक है। इसके लिए मनुष्य दोषी है। यदि उसने समय रहते प्रकृति का दोहन बंद न किया तो प्रकृति के द्वारा मानवता का विनाश निश्चित है।

33. सड़क सुरक्षा : जीवन रक्षा

(CBSE SQP 2021)

संकेत-बिंदु– • भूमिका • सड़क सुरक्षा से जुड़े कुछ प्रमुख नियम • सड़क सुरक्षा के नियमों की अनदेखी से होने वाली हानियाँ • इन्हें अपनाने के लाभ • निष्कर्ष।

सुखद यातायात के लिए अच्छी सड़कें जितनी आवश्यक हैं उससे कहीं अधिक आवश्यक है– सड़क सुरक्षा। सड़क पर सुरक्षा का ध्यान न रखने के कारण हमारे देश में प्रतिवर्ष लाखों लोग सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गँवा देते हैं। सड़क पर सुरक्षित रहने के लिए सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना अनिवार्य है। भारत में सड़क सुरक्षा से जुड़े प्रमुख नियम हैं–सड़क पर सदैव बाएँ चलना, ट्रेफ़िक लाइटों का ध्यान रखना, निर्धारित गति-सीमा में गाड़ी चलाना, मुड़ने से पहले संकेत देना, सीट-बैल्ट लगाना, नशे की हालत में वाहन न चलाना, दुपहिया वाहन पर हेलमेट का प्रयोग करना, जेब्रा क्रॉसिंग और फुट ओवर ब्रिज से ही सड़क पार करना, रात्रि में डिपर का प्रयोग करना, बस आदि वाहनों में दौड़कर न चढ़ना, वाहनों की नियमित जाँच कराना आदि। सड़क-सुरक्षा के नियमों का पालन करके हम सुरक्षित रूप से यात्रा कर सकते हैं और अपने वाहन को भी सुरक्षित रख सकते हैं। इन नियमों की अनदेखी करके हम अपनी जान तो गँवाते ही हैं, साथ ही दूसरों की जान भी जोखिम में डालते हैं। अतः यह सही कहा है–**'सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा'।**

34. पर्यावरण संरक्षण : समय की माँग

(CBSE 2022 Term-2)

संकेत-बिंदु– • मानव और पर्यावरण में अटूट संबंध • संरक्षण की आवश्यकता क्यों? • संरक्षण की योजनाओं का प्रभाव • सुझाव।

पर्यावरण वह प्राकृतिक आवरण है, जो कवच के रूप में धरती के जीवों की घातक तत्त्वों से रक्षा करता है। मानव और पर्यावरण का अटूट संबंध है। जब तक पर्यावरण है, तब तक ही मनुष्य है। जिस दिन पर्यावरण नहीं रहेगा, उस दिन मनुष्य भी नहीं रहेगा। संसार में जीवन रक्षण के लिए पर्यावरण संरक्षण अनिवार्य है। भौतिक सुख-साधन जुटाने की होड़ में मनुष्य ने प्रकृति से छेड़छाड़ करनी प्रारंभ कर दी है। इससे पर्यावरण में विषैले तत्त्वों का समावेश हो गया है। जिससे जल, वायु और भूमि प्रदूषित हो गए हैं। प्राकृतिक प्रकोपों में वृद्धि हो रही है। नित्य नई-नई प्राणघातक बीमारियों का जन्म हो रहा है। पर्यावरण संरक्षण के लिए समस्त संसार में योजनाएँ बनाई जा रही हैं। 'पर्यावरण-दिवस', 'पृथ्वी दिवस', जैसे आयोजन किए जा रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण के लिए केवल सम्मेलन या सरकारी प्रयास ही पर्याप्त नहीं हैं। इसमें संसार के प्रत्येक मनुष्य का सहयोग आवश्यक है। पर्यावरण की रक्षा के लिए अधिक-से-अधिक वृक्षारोपण किया जाना चाहिए। वनों, पर्वतों, नदियों का रक्षण किया जाना चाहिए। वाहनों और कारखानों को धुआँरहित किया जाना चाहिए। यदि पर्यावरण सुरक्षित है तो जग सुरक्षित है। अतः आज समूचे विश्व में पर्यावरण की रक्षा के लिए जन आंदोलन की परम आवश्यकता है।

35. एक भारत, श्रेष्ठ भारत

(CBSE 2022 Term-2)

संकेत-बिंदु– • योजना का प्रारंभ • ऐसी योजनाओं की आवश्यकता क्यों? • विद्यालयों में इसे कार्यरूप में कैसे लाया गया? • प्रभाव।

'एक भारत, श्रेष्ठ भारत', एक नई और प्रभावशाली योजना है। इस योजना की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 31 अक्टूबर, 2015 को सरदार वल्लभ भाई पटेल की 140 वीं वर्षगाँठ के अवसर पर की। सरदार पटेल का जन्मदिन देश में 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मनाया जाता है। भारत विश्व में अपनी एकता, अखंडता, शांति और सद्भाव के लिए जाना जाता है। देश की एकता को मज़बूत करने के लिए ऐसी योजनाओं की आवश्यकता है। इस योजना का उद्देश्य वर्तमान सांस्कृतिक संबंधों के माध्यम से देश के विभिन्न भागों में एकता को बढ़ावा देना है। इस योजना के अनुसार प्रतिवर्ष एक राज्य दूसरे राज्य से जुड़ेगा। दोनों राज्य संगीत कार्यक्रम, फूड फस्टिवल, साहित्यिक कार्यक्रम, बुक फेस्टिवल और यात्राओं द्वारा अपनी-अपनी समृद्ध विरासत को एक-दूसरे के सामने रखेंगे और परस्पर अपनी लोकप्रियता बढ़ाएँगे। अगले वर्ष वे दोनों राज्य अन्य दो राज्यों से जुड़ेंगे। इस प्रकार पूरे देश के लोग विभिन्न राज्यों की संस्कृति, परंपराओं और तौर-तरीकों को जानेंगे। इस योजना को प्रभावशाली बनाने के लिए 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' प्रतियोगिता का प्रारंभ किया गया है। इसमें प्रधानमंत्री ने सामान्य जनता से सरकारी पोर्टल 'My Gov . in' के माध्यम से अपने दृष्टिकोण, विचारों और सुझावों को देने का निवेदन किया है। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' योजना को विद्यालयों में कार्यरूप में लाने के लिए योजना में भाग लेने वाले दोनों राज्यों के छात्र एक-दूसरे राज्य की संस्कृति, परंपरा और भाषा के बारे में ज्ञान प्राप्त करने के लिए एक-दूसरे राज्य में जाएँगे। इस प्रकार यह एक प्रभावशाली योजना सिद्ध होगी।

पत्र-लेखन

यद्यपि आज दूरसंचार के साधनों के क्षेत्र में ज़बरदस्त क्रांति आई है और दूरभाष, फ़ैक्स, मोबाइल, इंटरनेट आदि साधनों का उपयोग हो रहा है, तथापि सर्वधारण के लिए पत्रों की महत्ता को नकारा नहीं जा सकता। आज भी समाज के विभिन्न वर्ग अपने प्रियजनों, माता-पिता तथा सगे-संबंधियों से संपर्क करने के लिए पत्रों का ही सहारा लेते हैं। इसी के साथ विभिन्न कार्यालयों, संस्थाओं आदि में कार्यालयीव कार्यवाही पत्रों के माध्यम से ही संचालित होती है। इस प्रकार पत्र-लेखन की उपयोगिता और आवश्यकता सर्वमान्य है।

अनौपचारिक पत्र का प्रारूप

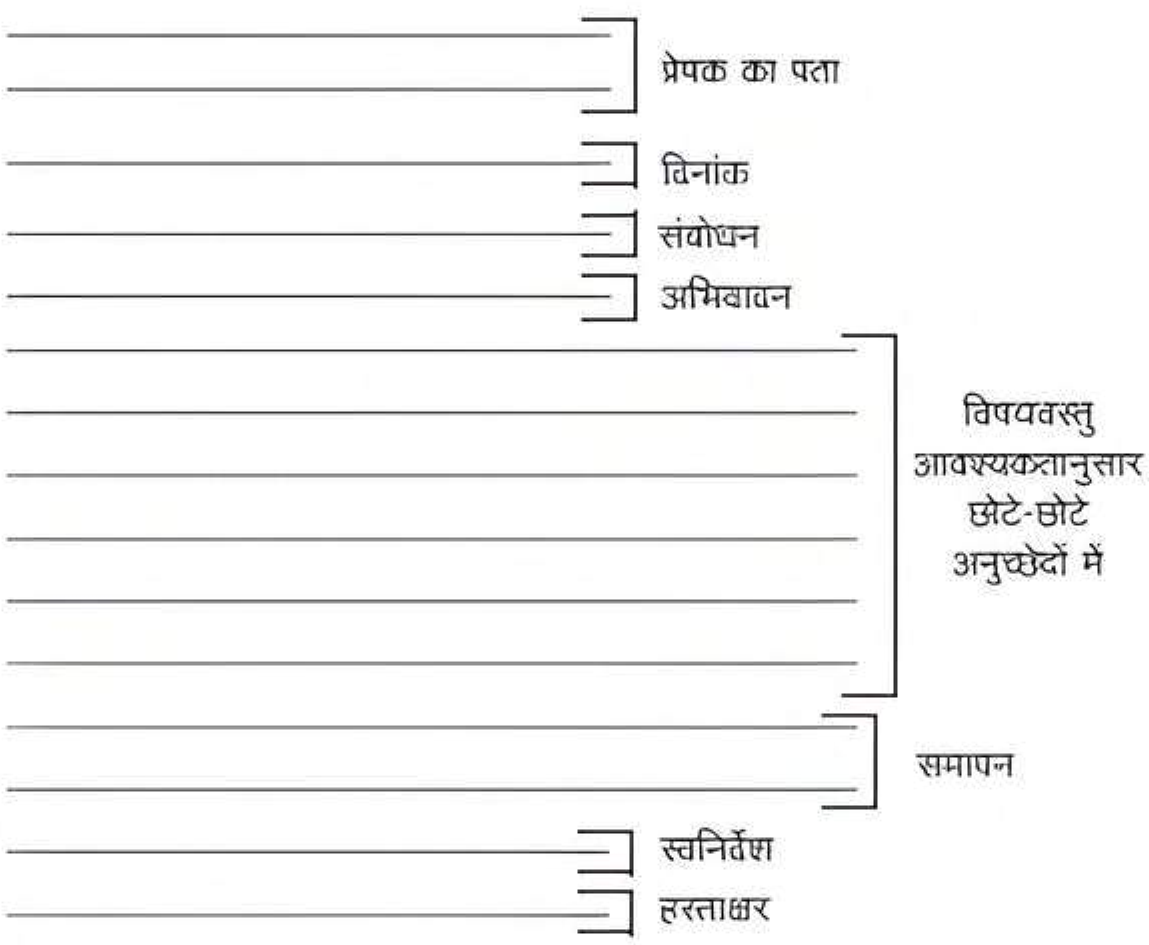

औपचारिक पत्र का प्रारूप

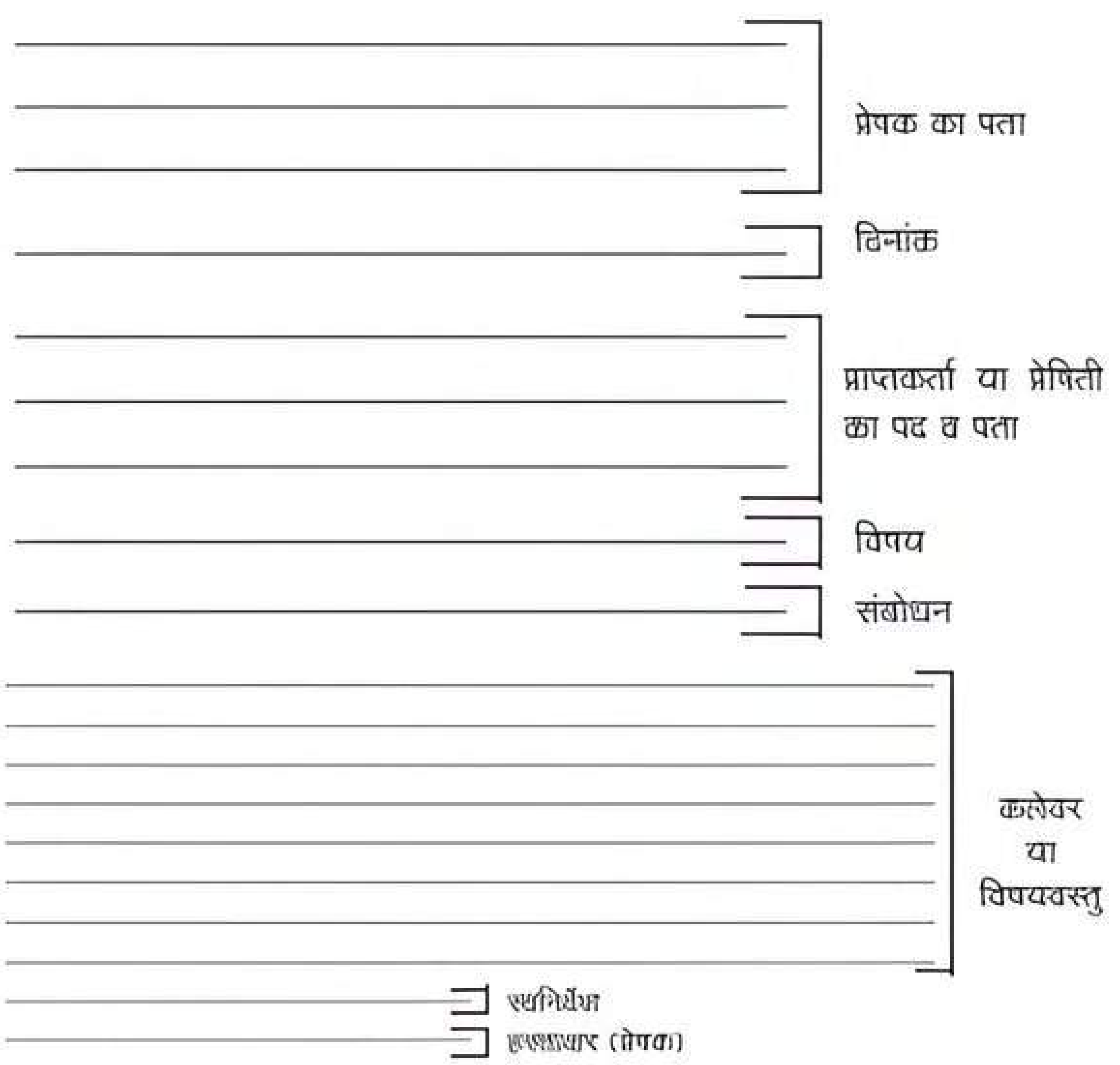

निर्देश–*निम्नलिखित में प्रत्येक विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र-लेखन कीजिए–*

अनौपचारिक पत्र

1. **ग्रीष्मावकाश में पर्वतीय यात्रा के दौरान आप अपने मित्र के घर ठहरे। वहाँ हुई आवभगत के लिए मित्र को आभार-पत्र लिखिए।**

5/112 सी, प्रीत विहार,
नई दिल्ली।

दिनांक : 28 जून, 20XX

प्रिय मित्र रमेश,
सप्रेम नमस्ते।
मैं सकुशल हूँ ,आशा करता हूँ कि आप भी परिवारसहित कुशलतापूर्वक होंगे। तुम्हारे आतिथ्य से ग्रीष्मावकाश की पर्वतीय यात्रा यादगार बन गई। आपके परिवार से मुझे जो स्नेह मिला और आप लोगों ने मेरी जो आवभगत की, उसे मैं कभी नहीं भूलूँगा। तुमने मुझे शिमला, कुल्लू-मनाली आदि स्थानों की सैर कराई। वहाँ का क्षेत्रीय निवासी होने के कारण तुमने वहाँ के विषय में जो जानकारी दी, उससे मेरे सामान्य ज्ञान में बड़ी वृद्धि हुई; इसलिए वहाँ घूमने में बहुत आनंद आया। चाची जी द्वारा बनाया गया स्वादिष्ट भोजन अब भी याद आ रहा है। उनके द्वारा बनाए गए राजमा-चावल का तो जवाब ही नहीं। छोटे भाई कमल की मीठी-मीठी बातें और मेरे प्रति उसका अपनत्व मुझे सदैव याद रहेगा।
मित्र! तुमने इस यात्रा में मेरी जो आवभगत की, उसके लिए मैं आप सबका आभार प्रकट करता हूँ और साथ ही आपको सपरिवार दिल्ली आने के लिए आमंत्रित करता हूँ। आशा है तुम मेरा निमंत्रण अवश्य स्वीकार करोगे और मुझे भी अपने आतिथ्य का अवसर दोगे। चाचा जी और चाची जी को चरणस्पर्श और कमल को ढेर सारा प्यार कहना।
तुम्हारा मित्र
शशांक

2. **आप पवन/पावनी हैं। आप छुट्टियों में गुजरात घूमने का कार्यक्रम बना रहे/रही हैं। सरदार पटेल की प्रतिमा भी देखना चाहते/चाहती हैं। आपने जो कार्यक्रम बनाया है उसमें क्या सुधार हो सकता है, अपने चचेरे भाई को लगभग 100 शब्दों, में पत्र लिखकर पूछिए।**

(CBSE 2023)

सी-377, कमलानगर,
अलीगढ़।

दिनांक : 22 नवंबर, 20XX

प्रिय सौरभ,
सप्रेम नमस्ते।
मैं यहाँ कुशल हूँ, आशा करता हूँ कि वहाँ भी सब सानंद होंगे। मैंने सर्दियों की छुट्टियों में गुजरात घूमने का कार्यक्रम बनाया है। मैं सरदार पटेल की प्रतिमा भी देखना चाहता हूँ। तुम पहले गुजरात घूम चुके हो। मैं कार्यक्रम का विवरण तुम्हें भेज रहा हूँ। इसमें जो सुधार हो सकता है, उसे करके विवरण वापस मेरे पास भेज देना।
मेरी ओर से चाचा जी और चाची जी को चरणस्पर्श तथा कन्नू को प्यार।
तुम्हारा भाई
पवन

3. **धूम्रपान करने वाले मित्र को इसकी हानियाँ बताते हुए इस व्यसन को त्यागने के लिए प्रेरित करते हुए पत्र लिखिए।**

बी-73, कल्याणपुरी,
वाराणसी।

दिनांक : 12 दिसंबर, 20XX

प्रिय मित्र सुरेश,
सप्रेम नमस्ते।
आज बड़े भाई साहब से फ़ोन पर बात हुई तो पता चला कि तुम्हारी धूम्रपान की आदत दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। तुम मेरे सबसे प्रिय मित्र हो और मुझे तुम्हारी यह आदत बहुत खटकती है। मुझे आश्चर्य है कि तुम्हारे जैसा समझदार व्यक्ति इस व्यसन में कैसे फँस गया।
मित्र! धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक है। इससे फेफड़े, हृदय और श्वासनली पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है। फेफड़े के कैंसर का सबसे बड़ा कारण धूम्रपान ही है। यह उच्च रक्तचाप और हार्ट अटैक का कारण भी बनता है। इससे धन का अपव्यय भी होता है। धूम्रपान स्वयं को ही नहीं, बल्कि पास बैठने वाले को भी उतनी ही हानि पहुँचाता है, जितनी धूम्रपान करने वाले को।
मित्र! तुम्हारा कहना है कि अब यह व्यसन छुड़ाए नहीं छूटता तो एक बात ध्यान रखो कि दृढ़-इच्छाशक्ति से किसी भी व्यसन को छोड़ा जा सकता है। मुझे आशा है कि तुम मेरी सलाह अवश्य मानोगे और इस जीवन-घातक व्यसन को शीघ्र त्याग दोगे।
तुम्हारा मित्र
कमलेश

4. भारतीय वायुसेना में 'पायलट' के पद के लिए आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा में असफल मित्र को ढाढ़स बँधाते हुए पुनः प्रयास के लिए एक प्रेरणा-पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन,
क०ख०ग० विद्यालय
विलासपुर।

दिनांक : 22 मई, 20XX

प्रिय मित्र सुबोध,
सप्रेम नमस्ते।

आज सुबह कपिल से मुलाकात हुई थी। उससे यह जानकर बहुत दुःख हुआ कि भारतीय वायुसेना में पायलट पद के लिए संपन्न हुई प्रतियोगिता परीक्षा में तुम्हारा चयन नहीं हो सका। मुझे तो विश्वास ही नहीं हुआ। मैं जानता हूँ कि तुम जी-जान से इस परीक्षा की तैयारी में लगे थे और इसके लिए तुमने बहुत मेहनत भी की थी, किंतु तुम इससे बिलकुल भी निराश मत होना। जीवन में सफलता-असफलता तो लगी ही रहती है। इस परीक्षा के लिए पुनः दुगुने उत्साह से तैयारी करना। तुम एक दिन अपना लक्ष्य अवश्य प्राप्त करोगे। याद रखो, परिश्रम ही सफलता की कुंजी है। इस वर्ष के अनुभव से तुम अपनी कमी पर ध्यान देकर उसे पूरा करने का प्रयास करना। अगली बार तुम निश्चय ही सफलता प्राप्त करोगे।

तुम्हारा मित्र
अ०ब०स०

5. आप 321, केसरगंज, लखनऊ के विकास सक्सेना हैं। अपने छोटे भाई सौरभ को पत्र लिखकर मालूम कीजिए कि उसकी पढ़ाई कैसी चल रही है। उसे पढ़ाई के संबंध में कुछ उपयोगी बातें भी बताइए।

321, केसरगंज,
लखनऊ।

दिनांक : 5 अगस्त, 20XX

प्रिय सौरभ,
सस्नेह शुभाशीष।

तुम्हारा पत्र मिला। तुम मसूरी भ्रमण से लौट आए हो और सकुशल हो, पढ़कर खुशी हुई। तुम्हारी पढ़ाई कैसी चल रही है? आशा करता हूँ कि तुम अपनी पढ़ाई पर पूरा ध्यान दे रहे होंगे। मैं जानता हूँ कि विज्ञान तुम्हारा कमज़ोर विषय है। लिखकर बताना कि इस विषय की तैयारी के लिए तुमने क्या योजना बनाई है? यदि तुम्हें ट्यूशन की आवश्यकता महसूस हो तो झिझकना मत। मैं इसका प्रबंध करवा दूँगा। वैसे भी तुम ग्यारहवीं कक्षा में विज्ञान ही पढ़ना चाहते हो तो मेरे भाई पूरी एकाग्रता से कक्षा में पढ़ाई गई बातों को सुनो और घर लौटकर उनको दोहराओ, मगर अन्य विषयों पर ध्यान देना मत छोड़ देना। तुम्हें एक समय-सारणी बना लेनी चाहिए और उसी के अनुरूप आवश्यकतानुसार समय देकर प्रत्येक विषय का अध्ययन करना चाहिए।

सुबह के समय खुली हवा में टहला करो, इससे मन प्रसन्न रहता है और शरीर में चुस्ती-फुरती आती है। पढ़ने में भी मन लगता है। तुम तो जानते ही हो कि आजकल किसी अच्छे कॉलेज़ में प्रवेश के लिए अच्छे अंक लाना कितना आवश्यक है। तुम यदि पूरी मेहनत और लगन से पढ़ाई में जुट जाओगे तो कोई मुश्किल तुम्हारा रास्ता नहीं रोक सकेगी। कोई परेशानी या तकलीफ़ हो तो अवश्य लिखना। मुझे तुमसे बहुत उम्मीदें हैं।

तुम्हारा अग्रज
विकास सक्सेना

6. आपका नाम दिशा/दक्ष है। आप अपने आसपास अनेक अशिक्षित प्रौढ़ों को देखते हैं और उन्हें साक्षर बनाने हेतु कुछ प्रयास करते हैं। इस विषय में जानकारी देते हुए लगभग 100 शब्दों में अपने मित्र मानव को पत्र लिखिए। ***(CBSE SQP 2023-24)***

113, गांधीनगर,
पटना।

दिनांक : 16 जुलाई, 20XX

प्रिय मित्र मानव,
सप्रेम नमस्ते।

मैं कुशल हूँ और तुम्हारी कुशलता की कामना करता हूँ। आजकल मुझे विद्यालय के पश्चात् जो समय मिलता है, उसमें मैं प्रौढ़ों को शिक्षित करने का प्रयास करता हूँ। मेरे प्रयास से कई प्रौढ़ लिखना-पढ़ना सीख गए हैं। मुझे यह कार्य करके आत्म-संतुष्टि मिलती है। मैं चाहता हूँ कि तुम भी ऐसा प्रयास करो। किसी को साक्षर बनाना बहुत पुनीत कार्य है। आशा है तुम मेरे सुझाव पर अवश्य विचार करोगे।

मेरी ओर से तुम्हारे माता-पिता को चरण स्पर्श।

तुम्हारा मित्र
दक्ष।

7. 'सामाजिक सेवा कार्यक्रम' के अंतर्गत किसी ग्राम में सफ़ाई अभियान के अनुभवों का उल्लेख करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन,
क०ख०ग० विद्यालय,
अजमेर।

दिनांक : 20 दिसंबर, 20XX

प्रिय मीरा,
मधुर स्मृति।

आज ही तुम्हारा पत्र मिला, जिसमें तुमने अपने स्काउट एंड गाइड्स शिविर के अनुभव लिखे हैं। पढ़कर बहुत अच्छा लगा। काश! मैं भी तुम्हारे साथ होती। पिछले दिनों हमारे विद्यालय द्वारा भी सामाजिक जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसके अंतर्गत अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रत्येक छात्र को किसी एक कार्यक्रम में अनिवार्य रूप से भाग लेना था। मैंने 'सामाजिक सेवा कार्यक्रम' का विकल्प चुना था। इसी कार्यक्रम के अंतर्गत हमारे विद्यालय की छात्राओं का एक दल मंडोला गाँव में सफ़ाई अभियान चलाने गया था। हम तीन दिन तक गाँव में रहे और खूब काम किया।

हमारा पहला काम था गाँव वालों को स्वच्छता के महत्त्व के बारे में बताना। हमने घर-घर घूमकर स्त्रियों को अपने बच्चों, घर और आस-पास की सफ़ाई के महत्त्व को बताया। हमने उन्हें पानी, भोजन को स्वच्छ ढंग से पकाने, ढककर रखने, वस्त्रों को साफ़ रखने, नाखून काटने, आस-पास कूड़ा न फेंकने, गंदा पानी जमा न होने देने के लिए भी प्रेरित किया।

हमने तीन दिनों में ही गाँव वालों की मदद से गाँव को साफ़-सुथराकर चमका दिया। पानी के गड्ढे भर दिए, नालियों की सफ़ाई करवाई, चूना डलवाया। गाँव के बाहर एक बहुत बड़ा गड्ढा खुदवा दिया, जहाँ वे कचरा डाल सकते हैं।

हमने प्रतिदिन शाम के समय चौपाल पर गाँव वालों से बातचीत करके उन्हें गंदगी से फैलने वाली बीमारियों तथा उनकी रोकथाम के विषय में बताया। सफ़ाई से संबंधित एक लघु फ़िल्म दिखाकर उन्हें सफ़ाई के प्रति जागरूक किया। हमने गाँव में स्थान-स्थान पर कूड़ेदान रखवा दिए, ताकि गाँव वाले उनका उपयोगकर गाँव में सफ़ाई रख सकें।

हमने गाँव वालों की सहायता से वृक्षारोपण भी किया। उन्हें गाँव के तालाब, कुओं के आस-पास के स्थान को साफ़ रखने के तरीके बताए। गंदे पानी की निकासी के लिए नालियों के निर्माण और उनकी सफ़ाई के संबंध में बताया। पूरा गाँव बड़े जोश और उत्साह से हमारा साथ दे रहा था; क्योंकि वे हमारी बातों के महत्त्व को समझ चुके थे।

चलते समय गाँव वालों ने हमें ताज़ा गुड़ और गन्ने उपहार में दिए। सच! तीन दिन कैसे बीत गए, पता ही नहीं चला। आज मन में एक संतोष का भाव है। यदि हम गाँव-गाँव जाकर सफ़ाई अभियान चलाएँ तो माननीय प्रधानमंत्री जी का स्वच्छ भारत का सपना अवश्य पूरा हो जाएगा।

चाचा जी तथा चाची जी को मेरा प्रणाम कहना।

तुम्हारी सखी

अ०ब०स०

8. अपनी कॉलोनी में किसी सामाजिक संस्था द्वारा खोले गए पुस्तकालय की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन,

अ०ब०स० विद्यालय,

सुंदरनगर।

दिनांक : 11 फरवरी, 20XX

प्रिय शशांक,

सप्रेम नमस्ते।

मैं यहाँ कुशलतापूर्वक हूँ। पिछले बहुत दिनों से तुम्हारा कोई समाचार ही नहीं मिला, आशा है सकुशल होंगे। मुझे तुम्हें यह बताते हुए बड़ी खुशी हो रही है कि हमारी कॉलोनी में पिछले सप्ताह ही आकाशदीप सेवा संस्थान ने एक पुस्तकालय खोला है। तुम जानते ही हो कि मुझे पुस्तकें पढ़ने का बड़ा शौक है और प्रायः पुस्तकालय जाता रहता हूँ। अब तो कॉलोनी में ही पुस्तकालय खुल गया है, दूर जाने की भी आवश्यकता नहीं रही।

पुस्तकालय खुलने से कॉलोनी के लोगों के लिए मानो ज्ञान के मंदिर के कपाट खुल गए हैं। बच्चे-बूढ़े सभी अपना खाली समय पुस्तकें, पत्र-पत्रिकाएँ पढ़ने में लगा सकेंगे। इससे कॉलोनी के पार्क में ताश खेलने वाले बुजुर्गों का जमावड़ा भी कम हो जाएगा; क्योंकि उन्हें मनोरंजन और समय बिताने का एक नया विकल्प मिल गया है। पुस्तकों से अच्छा साथी कोई नहीं होता। पुस्तकें तो अमृतकोष हैं, प्रेरणा का भंडार हैं।

कॉलोनी के विद्यार्थियों के लिए तो पुस्तकालय बहुत ही उपयोगी सिद्ध होगा। विभिन्न विषयों की पुस्तकें उन्हें सरलता से उपलब्ध हो सकेंगी। देश-विदेश की जानकारी, प्रोजेक्ट कार्य आदि के लिए वे सरलता से सामग्री खोज सकेंगे। बाल-पत्रिकाओं और कहानियों की रंगीन पुस्तकें बच्चों में पठन-रुचि का विकास करने में सहायक होंगी। वास्तव में पुस्तकालय खुल जाने से हम सब कॉलोनीवासी उत्साहित हैं। तुम गरमियों की छुट्टियों में आओगे तो हम अपनी मनपसंद पुस्तकें लाकर पढ़ेंगे।

चाचा जी और चाची जी को मेरा प्रणाम कहना। मीनू को प्यार।

तुम्हारा अभिन्न मित्र

क०ख०ग०

9. अपनी गलत आदतों पर पश्चात्ताप करते हुए अपनी माता जी को पत्र लिखिए और उन्हें आश्वासन दीजिए कि फिर कभी ऐसा नहीं होगा। ***(CBSE 2015)***

परीक्षा भवन,

क०ख०ग० विद्यालय,

इंदौर।

दिनांक : 2 सितंबर, 20XX

आदरणीया माता जी,

सादर प्रणाम।

आशा है आप सभी वहाँ कुशलतापूर्वक होंगे। मैं जानता हूँ कि आप मुझसे बहुत नाराज़ होंगी और दुःखी भी। भैया ने आपको मेरे बारे में सब कुछ बता दिया है। माता जी मैं भटक गया था। मैं गलत लड़कों की संगत में पड़ गया था और सारा समय इधर-उधर घूमने, फ़िल्में देखने में गँवा रहा था। मैं अपनी कक्षाएँ भी छोड़ने लगा था और उसी का परिणाम मुझे भुगतना पड़ा। मैं इस बार की त्रैमासिक परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो गया। मैं अपने किए पर बहुत शर्मिंदा हूँ। मुझे क्षमा कर दीजिए। यह अच्छा ही हुआ कि सही समय पर भैया आ गए और उन्हें मेरे बारे में सब कुछ सही-सही पता चल गया। उन्होंने मेरी आँखें खोल दीं, नहीं तो मैं और भी अनेक गंदी आदतों का शिकार हो जाता।

माता जी, मुझे अपनी गलती का अहसास हो गया है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि भविष्य में ऐसी गलती फिर कभी नहीं करूँगा और आपको शिकायत का कोई मौका नहीं दूँगा। मैं मन लगाकर पढ़ाई करूँगा और वार्षिक परीक्षा में बहुत अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होऊँगा। आप कृपया पिता जी को भी समझा दीजिएगा। मैं उनसे भी हाथ जोड़कर क्षमा माँगता हूँ।

पिता जी को चरणस्पर्श, भैया-भाभी को सादर प्रणाम और विभु को प्यार।

आपका प्रिय पुत्र

अ०ब०स०

10. बुरे वक्त में मित्र द्वारा की गई सहायता के लिए धन्यवाद पत्र लिखिए। ***(CBSE 2015)***

532, देवनगर,

ग्वालियर।

दिनांक : 4 फरवरी, 20XX

प्रिय मित्र हर्षित,

सप्रेम नमस्ते।

मैं यहाँ कुशलपूर्वक हूँ और आशा करता हूँ कि आप भी परिवारसहित कुशलतापूर्वक होंगे। आपने बुरे वक्त में मेरी सहायता करके मुझ पर जो उपकार किया है, उसके लिए मैं आपका आभारी हूँ। मेरे पिता जी के दुर्घटनाग्रस्त होने पर यदि तुम पढ़ाई में मेरी सहायता न करते तो मेरी पढ़ाई छूट ही जाती; क्योंकि पिता जी के बिस्तर पर लेट जाने पर मुझे दो महीने तक दुकान का काम सँभालना पड़ा। ऐसे में तुम प्रतिदिन आकर मुझे स्कूल का काम समझाते और उसे पूरा करने में मेरी सहायता करते रहे। तुमने विपत्ति में मेरा साथ देकर सिद्ध कर दिया है कि तुम एक सच्चे मित्र हो।

अब पिता जी पूर्णतः स्वस्थ हैं। वे तुम्हारी बहुत प्रशंसा करते हैं और तुमसे मिलना चाहते हैं। आशा है तुम समय निकालकर शीघ्र उनसे मिलने आओगे। शेष बातें मिलने पर होंगी।

तुम्हारा मित्र

केशव

11. आपके मित्र का किसी से झगड़ा हो गया। आपको इसमें अपने मित्र की गलती लगती है। उसे समझाते हुए पत्र लिखिए। *(CBSE 2015)*

बी-31, ग्रीन सिटी,
कानपुर।

दिनांक : 22 फरवरी, 20XX

प्रिय मित्र कपिल,
सप्रेम नमस्ते।
मैं कुशलतापूर्वक हूँ और तुम्हारी कुशलता की कामना सदैव ईश्वर से करता रहता हूँ। पिछले दिनों कक्षा में सीट पर बैठने को लेकर कैलाश के साथ तुम्हारा झगड़ा हो गया था, लेकिन अब मुझे महसूस हो रहा है कि उसमें तुम्हारी ही गलती थी; क्योंकि वह तुमसे पहले आकर उस सीट पर बैठा था। तुमने उसे बलपूर्वक उठाने की कोशिश की थी, जिस कारण झगड़ा हो गया था। उस दिन से कैलाश के साथ तुम्हारी बोलचाल भी नहीं है।

एक सच्चा मित्र होने के नाते मेरी यह सलाह है कि तुम्हें उससे विनम्रतापूर्वक वह सीट छोड़ने के लिए कहना चाहिए था। तुम्हें उचित-अनुचित का ज्ञान कराना मेरा कर्तव्य है। मैं चाहता हूँ कि तुम इस गलती के लिए कैलाश से क्षमा माँग लो। इससे तुम्हारे और उसके बीच की कटुता समाप्त हो जाएगी। अपनी गलती स्वीकार करना अच्छे मनुष्य की पहचान है। आशा है तुम अपने मित्र की यह सलाह अवश्य मानोगे।
तुम्हारा मित्र
सुमित

12. अपने मित्र तेजस्विन को राष्ट्रीय स्तर पर ऊँची कूद में स्वर्ण-पदक प्राप्त करने पर बधाई-पत्र लिखिए। *(CBSE 2015)*
***अथवा* आप विभू/विभूति हैं। अपने मित्र तेजस्विन शंकर को राष्ट्रमंडल खेल में ऊँची कूद के लिए पदक जीतने पर लगभग 100 शब्दों में बधाई-पत्र लिखिए।** *(CBSE 2023)*

म०न०-1204, शिवपुरी,
हल्द्वानी।

दिनांक : 15 अक्टूबर, 20XX

प्रिय मित्र तेजस्विन,
नमस्ते।
आज अखबार में तुम्हारी फ़ोटो देखकर और यह जानकर कि तुमने राष्ट्रीय स्तर पर ऊँची कूद में स्वर्ण-पदक प्राप्त किया है, मन खुशी से गदगद हो गया। इस शानदार उपलब्धि पर तुम्हें मेरी ओर से हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ। तुम इस पुरस्कार के वास्तव में ही हकदार हो; क्योंकि तुमने इसके लिए बचपन से ही बहुत मेहनत की है। मुझे पूरा विश्वास है कि तुम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश का नाम रोशन करोगे। मेरे माता-पिता भी तुम्हें बधाई भेज रहे हैं। इस शानदार सफलता की मिठाई खाने मैं शीघ्र ही तुम्हारे पास आऊँगा।

तुम्हारा मित्र
विभू

13. अपनी बहन को पत्र लिखकर योगासन करने के लिए प्रेरित कीजिए। *(CBSE 2017)*

B-31, पश्चिम विहार,
नई दिल्ली।

दिनांक : 20 जून, 20XX

प्रिय नेहा
प्रसन्न रहो।
तुम्हारा पत्र मिला। यह जानकर बहुत चिंता हुई कि अभी भी तुम्हारा स्वास्थ्य पूरी तरह ठीक नहीं हुआ है। मुझे तुम्हारी सहेली सौम्या से पता चला कि तुम सुबह देर से उठती हो तथा तुमने योगासन करना भी छोड़ दिया है, जिसके कारण तुम्हारे स्वास्थ्य पर भी गलत असर पड़ रहा है और पढ़ाई के प्रति तुम्हारा मन भी एकाग्र नहीं हो पा रहा है।
प्रिय नेहा, योगासन से शरीर में रक्त का संचार बढ़ता है। मांस-पेशियाँ सुदृढ़ होती हैं तथा आलस्य दूर हो जाता है। योगासन तथा योग करने वाले छात्रों का मन पढ़ाई में भी खूब लगता है तथा उनकी स्मरण शक्ति भी बढ़ती है। तुमने पढ़ा ही होगा–'स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है।' अतः मेरी सलाह मानो और नियमित योग तथा व्यायाम करने का अभ्यास डालो।
मुझे पूर्ण विश्वास है कि तुम मेरी सलाह पर तुरंत अमल शुरू कर दोगी तथा पत्र द्वारा मुझे सूचित भी करोगी।
तुम्हारी बहन
ऋतु

14. पटाखों से होने वाले प्रदूषण के प्रति ध्यान आकर्षित करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए। *(CBSE 2018)*

सी-51, प्रताप विहार
रूड़की।

दिनांक : 12 अक्टूबर, 20XX

प्रियमित्र सुबोध,
नमस्कार।
मैं परिवारसहित कुशलतापूर्वक हूँ और आशा करता हूँ कि आप भी अपने परिवारसहित कुशलतापूर्वक होंगे। दीपावली आने वाली है। आशा है आप पटाखे खरीदने की तैयारी कर रहे होंगे। मैं जानता हूँ कि आपको पटाखे चलाने का बहुत शौक है। मित्र! मैं आपको बताना चाहता हूँ कि पटाखे पर्यावरण-प्रदूषण को सबसे अधिक बढ़ाते हैं। इनसे ध्वनि-प्रदूषण और वायु-प्रदूषण दोनों ही बढ़ते हैं। हृदय रोगियों को इनकी तेज़ ध्वनि से बहुत खतरा होता है। इनका धुआँ दमा रोगियों के लिए मौत बन जाता है। ये आँखों के लिए भी बहुत हानिकारक हैं। इन सब बातों को देखते हुए हमारे परिवार ने इस दीपावली पर पटाखे न चलाने का संकल्प किया है। मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आप भी पर्यावरण-रक्षण के लिए पटाखे नहीं चलाएँगे और दूसरों को भी इस बात के लिए प्रेरित करेंगे। मेरी ओर से आपके माता-पिता को चरणस्पर्श और नीलू को प्यार।
आपका मित्र
क०ख०ग०

15. आपका एक मित्र शिमला में रहता है। आप उसके आमंत्रण पर ग्रीष्मावकाश में वहाँ गए थे और प्राकृतिक सौंदर्य का खूब आनंद उठाया था। घर वापस लौटने पर कृतज्ञता व्यक्त करते हुए मित्र को पत्र लिखिए। *(CBSE 2019)*

125, देवनगर,
कानपुर,

दिनांक : 25 जून, 20XX

प्रिय राहुल जोशी,
सप्रेम नमस्ते।
मैं सकुशल घर पहुँच गया हूँ। तुमने ग्रीमष्मावकाश में मुझे शिमला अपने घर बुलाया और वहाँ के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कराया। इस भ्रमण से मुझे जो आनंद मिला उसका वर्णन मैं शब्दों में नहीं कर सकता। इसके लिए मैं सदैव तुम्हारा कृतज्ञ रहूँगा। तुम्हारे परिवार ने

मुझे बहुत स्नेह और अपनत्व दिया। छोटे भाई रौनक की प्यारी-प्यारी बातें मुझे अब भी गुदगुदा रही हैं। तुम्हारी माता जी के बनाए राजमा और चावल का स्वाद मैं कभी नहीं भुला पाऊँगा।

मित्र, अब मैं तुम्हें सपरिवार, कानपुर आने के लिए आमंत्रित करता हूँ। कानपुर आओ, ताकि मैं तुम्हें इस क्षेत्र के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण करा सकूँ। मेरी ओर से तुम्हारे माता-पिता को चरण स्पर्श और रौनक को प्यार।

तुम्हारा मित्र
देवेश

16. आपके छोटे भाई/ बहन ने एक आवासीय विद्यालय में एक मास पूर्व ही प्रवेश लिया है। उसको मित्रों के चुनाव में सावधानी बरतने के लिए समझाते हुए एक पत्र 80-100 शब्दों में लिखिए। ***(CBSE 2020)***

बी-31, कल्याणपुरी,
लखनऊ।

दिनांक : 07-04-20XX

प्रिय दिनेश,
शुभाषीश।
कल दोपहर तुम्हारा पत्र मिला। यह जानकर बड़ी खुशी हुई कि प्रथम आवधिक परीक्षा में तुमने कक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त किए हैं। छात्रावास में अब तक तुम्हारे कई मित्र बन गए होंगे। मैं तुम्हें बताना चाहता हूँ कि जीवन में मित्र का बहुत महत्त्व है। लेकिन मित्र का चुनाव बहुत सोच-समझकर करना चाहिए; क्योंकि एक सन्मित्र जितना लाभदायक होता है, कुमित्र उतना ही हानिकारक भी होता है। मैं तुम्हें सावधान करना चाहता हूँ कि मित्रों का चुनाव करते समय उसके आचार, व्यवहार और आदतों को अच्छी प्रकार परख लेना चाहिए। तुम्हें सदैव कुमित्रों से बचना चाहिए। एक लेखक ने कहा है– 'कुसंगति पैरों में बँधी चक्की के समान होती है, जो मनुष्य को दिनोदिन अवनति के गर्त में गिराती जाती है।'
आशा है तुम मेरी बातों पर ध्यान दोगे ओर मित्रों के चुनाव में विशेष सावधानी रखोगे। माता-पिता की ओर से तुम्हें बहुत-बहुत आशीर्वाद। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना।
तुम्हारा बड़ा भाई
रमेश

17. छात्रावास में रहने वाले अपने छोटे भाई को एक पत्र 80-100 शब्दों में लिखकर प्रातःकाल नियमित रूप से योग एवं प्राणायाम का अभ्यास करने के लिए प्रेरित कीजिए। ***(CBSE 2022 Term-2)***

नित्य योगाभ्यास करने की प्रेरणा देते हुए छोटे भाई को पत्र–
15/3 क्वींस रोड,
अमृतसर।

दिनांक : 10 फरवरी, 20XX

प्रिय सुखविंदर,
खुश रहो।
कल पिता जी का पत्र मिला। पढ़कर ज्ञात हुआ कि तुम्हारा स्वास्थ्य ठीक नहीं है। तुम हर समय पुस्तकों में डूबे रहते हो। न अपने खाने-पीने का ध्यान रखते हो, न सेहत का। पता है पिता जी को तुम्हारी कितनी चिंता हो रही है। लगता है कि तुमने व्यायाम करना छोड़ दिया है।

मेरे भाई, पढ़ना-लिखना जितना आवश्यक है, उतना ही खेल-कूद और व्यायाम करना भी। खेल-कूद और व्यायाम से शरीर में चुस्ती-फुरती आती है, मांसपेशियाँ मज़बूत होती हैं, पाचन शक्ति बढ़ती है, भूख लगती है। स्वास्थ्य है तो सबकुछ है। तुमने तो सुना-पढ़ा ही होगा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। तुम प्रातः खुली हवा में आधा घंटा सैर किया करो। सुबह के शांत वातावरण में शुद्ध ताज़ी हवा में सैर करने से मन प्रसन्न होता है, पढ़ाई में भी खूब मन लगता है। शरीर में रक्त-संचार भली प्रकार होता है। तुम देखना कि पंद्रह-बीस दिनों में ही तुम्हें अपने स्वास्थ्य में सुधार नज़र आएगा। शाम को अपने मित्रों के साथ फुटबॉल, हॉकी या कोई और खेल खेला करो। योगासन और प्राणायाम भी एक प्रकार का व्यायाम ही है। इनसे ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बढ़ती है। तुम प्रातः उठकर प्राणायाम या योगासन भी कर सकते हो।

मुझे पूरा विश्वास है कि तुम मेरी सलाह मानकर नियमित व्यायाम करना प्रारंभ कर दोगे। अगले पत्र में पिता जी प्रसन्नतापूर्वक तुम्हारे स्वस्थ होने की खबर देंगे।
तुम्हारा अग्रज
दविंदर सिंह

18. इंटरनेट के बढ़ते उपयोग के साथ ही ऑनलाइन धोखाधड़ी और साइबर क्राइम में भी बहुत वृद्धि हुई है। इस बारे में छोटी बहन/ छोटे भाई को सतर्क करने के लिए लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए। ***(CBSE 2022 Term-2)***

सी-272, कमलानगर,
अलीगढ़।

दिनांक : 22 जनवरी, 20XX

प्रिय शुभम,
मधुर स्नेह।
मैं यहाँ कुशल हूँ और आशा करता हूँ कि तुम भी सपरिवार कुशल होगे। यह पत्र मैं तुम्हें ऑनलाइन धोखाधड़ी से सावधान करने के लिए लिख रहा हूँ। आजकल साइबर क्राइम में बहुत वृद्धि हो रही है। मोबाइल पर झूठे संदेशों द्वारा लोगों को ठग लिया जाता है। तुम्हें बैंक या दुकान से लेन-देन करते समय सावधान रहना चाहिए। अपने डेबिट कार्ड, आधार कार्ड और बैंक के खाते की जानकारी किसी को नहीं देनी चाहिए। इस प्रकार थोड़ी-सी सावधानी रखने से तुम ऑनलाइन धोखाधड़ी से बच सकते हो।

आशा है तुम मेरी बातों को ध्यान में रखोगे। मेरी ओर से माता-पिता को चरणस्पर्श और चिंकी को प्यार।
तुम्हारा बड़ा भाई
हर्ष

19. आपका मित्र पढ़ाई में बहुत अच्छा है, लेकिन किताबी कीड़ा बनकर रह गया है। उसे अन्य गतिविधियों में भी सक्रिय होने की आवश्यकता और लाभों के विषय में बताते हुए लगभग 120 शब्दों में एक पत्र लिखिए। ***(CBSE 2022 Term-2)***

डी-72, प्रताप विहार,
नोएडा।

दिनांक : 10 अक्टूबर, 20XX

प्रिय मित्र कमल,
सप्रेम नमस्ते।
मैं यहाँ कुशल हूँ और आशा करता हूँ कि आप भी सपरिवार कुशल होंगे। मित्र, तुम पढ़ाई में बहुत होशियार हो। विद्यालय के शीर्ष छात्रों में तुम्हारा नाम है। तुम हमेशा कक्षा में प्रथम आते हो, लेकिन शिक्षेतर गतिविधियों में कहीं तुम्हारा नाम नहीं है। मैं चाहता हूँ कि तुम किताबों से बाहर निकलकर खेल और अन्य गतिविधियों में भी भाग लो। यह भविष्य में तुम्हारे लिए बहुत लाभदायक होगा। इससे तुम्हारा तन-मन भी स्वस्थ रहेगा और शिक्षा पूर्ण करने पर जब तुम किसी नौकरी के लिए आवेदन करोगे, वहाँ भी यह लाभकारी सिद्ध होगा।

आशा है तुम मेरी सलाह अवश्य मानोगे। मेरी ओर से तुम्हारे माता-पिता को चरणस्पर्श।
तुम्हारा मित्र
नरेश।

20. आपकी चचेरी दीदी कॉलेज़ में दाखिला लेना चाहती हैं, किंतु आपके चाचा जी आगे की पढ़ाई न करवाकर उनकी शादी करवाना चाहते हैं। इस बारे में अपने चाचा जी को समझाते हुए लगभग 120 शब्दों में एक पत्र लिखिए। ***(CBSE प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 2021)***

परीक्षा भवन,
क०ख०ग० विद्यालय,
नारंगपुर।

दिनांक : 22 मई, 20XX

आदरणीय चाचा जी,
चरणस्पर्श।
कल नेहा दीदी का पत्र मिला। उन्होंने लिखा है कि आप उनकी आगे की पढ़ाई न करवाकर उनकी शादी करना चाहते हैं। चाचा जी शिक्षा से व्यक्ति का सर्वांगीण विकास होता है। लड़कियों के लिए तो शिक्षा और भी अधिक ज़रूरी है। पढ़-लिखकर जब वे अपने पैरों पर खड़ी हो जाती हैं तो माता-पिता उनकी तरफ़ से जीवनभर के लिए निश्चिंत हो जाते हैं। नेहा दीदी तो पढ़ाई में बहुत होशियार हैं। वे अवश्य ही पढ़-लिखकर कुछ-न-कुछ बनेंगी।
आप तो हमेशा नारी-शिक्षा के समर्थक रहें हैं। मेरी आपसे प्रार्थना है कि दीदी की पढ़ाई पूर्ण कराएँ। आशा है आप मेरी प्रार्थना अवश्य स्वीकार करेंगे। मेरी ओर से चाची जी को चरणस्पर्श और दीपू को प्यार
आपका भतीजा
क०ख०ग०

औपचारिक पत्र

21. आप वन-महोत्सव के अवसर पर अपने क्षेत्र में वृक्षारोपण करना चाहते हैं। नगर के उद्यान विभाग के अधिकारी को पत्र लिखकर पौधों की व्यवस्था करने के लिए अनुरोध कीजिए।

जी-113, रामनगर,
समस्तीपुर,
बिहार।

दिनांक : 3 जुलाई, 20XX

सेवा में,
उद्यान अधीक्षक,
उद्यान विभाग,
समस्तीपुर।
विषय : पौधों की व्यवस्था कराने हेतु अनुरोध-पत्र।
महोदय,
निवेदन है कि मैं रामनगर कल्याण समिति का सचिव हूँ। हमारे क्षेत्र में हरियाली और पेड़-पौधों की बहुत कमी है। पार्कों में भी बहुत कम पेड़ दिखाई देते हैं। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि पेड़ हमारे लिए बहुत उपयोगी हैं। इनसे हमें प्राणवायु मिलती है तथा ये प्रदूषण को कम करने में भी सहायक हैं; अतः हमने वन-महोत्सव पर वृक्षारोपण करने का निश्चय किया है। इसके लिए हम लोगों ने घूम-घूमकर क्षेत्र के निवासियों को वृक्षों की उपयोगिता, उनकी देखभाल तथा संरक्षण के लिए जागरूक किया है; अतः आपसे अनुरोध है कि वन-महोत्सव के अवसर पर हमारे क्षेत्र में वृक्षारोपण हेतु पौधे उपलब्ध करवाने की उचित व्यवस्था करवाएँ। यदि आप अपनी उपस्थिति में यह कार्य संपन्न करवाएँगे तो बड़ी कृपा होगी।
सधन्यवाद।
भवदीय
अखिलेश त्रिपाठी
(सचिव, रामनगर कल्याण समिति)

22. अपना नाम दिशा/दक्ष है। आपकी आयु मतदान करने योग्य हो गई है। आपने मतदाता पहचान-पत्र बनवाने के लिए गरुण ऐप के द्वारा आवेदन कर दिया है। किंतु काफी समय के बाद भी आपका मतदाता पहचान-पत्र आपको नहीं मिला। मतदाता पहचान-पत्र के वितरण में देरी की शिकायत करते हुए अपने क्षेत्र के बी०एल०ओ० (ब्लॉक लेवल ऑफिसर) को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए।
(CBSE SQP 2023-24)

मुहल्ला-कानूनगोयान
थानाभवन।

दिनांक : 15-8-20XX

सेवा में,
बी०एल०ओ०,
थानाभवन, शामली।
विषय : मतदाता पहचान-पत्र के वितरण में देरी।
महोदय,
मेरी आयु 18 वर्ष हो चुकी है। मैंने मतदान पहचान-पत्र बनवाने के लिए 'गरुण ऐप' के द्वारा आवेदन कर दिया है। एक महीना बाद भी मुझे मेरा मतदान पहचान-पत्र नहीं मिला है। आपसे प्रार्थना है कि उचित कार्यवाही करके मेरा मतदान पहचान-पत्र दिलाने की कृपा करें।
धन्यवाद।
भवदीय
दक्ष

23. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली के प्रकाशन विभाग में प्रबंधक को पत्र लिखकर उनके द्वारा प्रकाशित पुस्तकों की बाज़ार में अनुपलब्धता के प्रति उनका ध्यान आकृष्ट कीजिए।

8, दरियागंज,
दिल्ली।

दिनांक : 20 अप्रैल, 20XX

सेवा में,
प्रबंधक,
प्रकाशन विभाग,
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्,
अरविंद मार्ग, दिल्ली।
विषय : पाठ्यपुस्तकों की अनुपलब्धता के संबंध में ध्यानाकर्षण हेतु पत्र।
महोदय,
मैं आपका ध्यान आपके प्रकाशन से प्रकाशित पाठ्यपुस्तकों की बाज़ार में अनुपलब्धता की ओर आकृष्ट करना चाहता हूँ। आज विद्यालयों में नया सत्र प्रारंभ हुए बीस दिन हो गए हैं, किंतु दुकानों पर एन०सी०ई०आर०टी० की पुस्तकें उपलब्ध नहीं हैं। हम विद्यार्थी प्रतिदिन दुकानों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन पूरी दिल्ली में यही स्थिति है। पुस्तकों के अभाव में हमारी पढ़ाई बाधित हो रही है।
महोदय, नया सत्र आरंभ होने से पहले ही पुस्तकें बाज़ार में आ जानी चाहिए थीं। दुकानदारों का कहना है कि हमें प्रकाशन विभाग से पुस्तकें नहीं मिल रही हैं। एन०सी०ई०आर०टी० की पुस्तकों के स्थान पर किन्हीं अन्य प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित उसी रंग-रूप और सामग्री की पुस्तकें (हलसहित) देने के लिए दुकानदार तत्पर रहते हैं।
आप से अनुरोध है कि इस संबंध में तत्काल आवश्यक कार्यवाही करने तथा पाठ्यपुस्तकें शीघ्र ही उपलब्ध करवाने की कृपा करें।
सधन्यवाद।
भवदीय
अंशुमान मलिक

24. आप तनुज/तनुजा हैं। विद्यालय के पुस्तकालय में छात्रों को समसामयिक विषयों पर पुस्तकों का अभाव खटकता है। प्रधानाचार्य जी को लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखकर इस विषय से संबंधित पुस्तकें मँगवाने के लिए निवेदन कीजिए। *(CBSE 2023)*

परीक्षा भवन,
क०ख०ग० विद्यालय,
ऊधमसिंहनगर।

दिनांक : 10 फरवरी, 20XX

सेवा में,
प्रधानाचार्य,
डी०ए०वी० विद्यालय,
ऊधमसिंहनगर।
विषय : पुस्तकालय में पुस्तकों की अनुपलब्धता के विषय में।

महोदय,
सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय की कक्षा 10 अ का छात्र हूँ। हमारे विद्यालय के पुस्तकालय में सभी प्रकार की पुस्तकें हैं, लेकिन समसामयिक विषयों पर पुस्तकों का अभाव है। इस कारण बच्चे विषय की नवीनतम जानकारी प्राप्त नहीं कर पाते।
आपसे अनुरोध है कि पुस्तकालय में समसामयिक विषयों पर पुस्तकें उपलब्ध कराने की व्यवस्था करने की कृपा करें।
धन्यवाद।
आपका आज्ञाकारी शिष्य
तनुज
दसवीं 'अ'

25. अपने क्षेत्र के विधायक को क्षेत्र के एकमात्र सरकारी अस्पताल की अव्यवस्था को सुधारने के लिए पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन,
क०ख०ग० विद्यालय,
नागपुर।

दिनांक : 16 मई, 20XX

सेवा में,
माननीय विधायक,
नागपुर देहात,
नागपुर।
विषय : सरकारी अस्पताल की अव्यवस्था के विषय में पत्र।

महोदय,
मैं आपके क्षेत्र का एक जागरूक नागरिक हूँ और इस पत्र के द्वारा आपका ध्यान अपने क्षेत्र के एकमात्र सरकारी अस्पताल की अव्यवस्था की ओर दिलाना चाहता हूँ। अस्पताल में चिकित्सक सप्ताह में केवल एक या दो बार ही आते हैं। जाँच के लिए अस्पताल में सभी उपकरण हैं, लेकिन मरीजों को बाहर से जाँच कराने के लिए कहा जाता है। जो दवाइयाँ अस्पताल से मिलनी चाहिए, वे भी मरीजों को बाहर से खरीदनी पड़ती हैं। चिकित्सक सारी दवाइयाँ बाहर के मेडिकल स्टोर पर बेच देते हैं। अस्पताल में साफ़-सफ़ाई की भी कोई व्यवस्था नहीं है।
आपसे अनुरोध है कि अपने प्रभाव का प्रयोग करके अस्पताल की व्यवस्था ठीक कराएँ, जिससे क्षेत्रवासियों को चिकित्सा सुविधा मिल सके।
धन्यवाद।
भवदीय
अ०ब०स०

26. समस्त औपचारिकताएँ पूर्ण करने पर भी आधार कार्ड न मिलने की शिकायत करते हुए संबद्ध अधिकारी को पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन,
क०ख०ग० विद्यालय,
शिमला।

दिनांक : 26 मार्च, 20XX

सेवा में,
जिला परियोजना अधिकारी,
भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण,
शिमला।
विषय : आधार कार्ड न मिलने की शिकायत हेतु पत्र।
महोदय,
मैं शिमला के सिरधूर क्षेत्र का निवासी हूँ। मैंने अपना आधार पहचान-पत्र बनवाने के लिए 'भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण' के क्षेत्रीय कार्यालय में दो माह पूर्व आवेदन किया था। समस्त औपचारिकताएँ पूर्ण करने के उपरांत भी मुझे आज तक मेरा आधार पहचान-पत्र (कार्ड) प्राप्त नहीं हुआ है। यह एक महत्त्वपूर्ण दस्तावेज़ है। इसके बिना मेरे कई कार्य अधूरे पड़े हैं। मैंने संबंधित अधिकारियों से कई बार पूछा, लेकिन कोई संतोषजनक उत्तर नहीं मिला।
आपसे अनुरोध है कि इस विषय में उचित कार्यवाही करके मुझे मेरा आधार पहचान-पत्र शीघ्र उपलब्ध कराकर अनुगृहीत करें।
धन्यवाद।
भवदीय
अ०ब०स०

27. अपने नगर के शिक्षा अधिकारी को पत्र लिखकर विद्यालयों में दोपहर के समय वितरित किए जाने वाले भोजन के गिरते स्तर की ओर उनका ध्यान आकृष्ट कीजिए।

परीक्षा भवन,
क०ख०ग० विद्यालय,
पटियाला।

दिनांक : 15 जुलाई, 20XX

सेवा में,
शिक्षा-अधिकारी,
शिक्षा निदेशालय,
पटियाला।
विषय : विद्यालयों में वितरित भोजन के गिरते स्तर के विषय में पत्र।
महोदय,
मैं आपका ध्यान विद्यालयों में दोपहर के समय वितरित किए जाने वाले भोजन के गिरते स्तर की ओर आकृष्ट कराना चाहती हूँ। विद्यालयों में मिल रहे 'मिड-डे मील' की गुणवत्ता में दिन-प्रतिदिन गिरावट आती जा रही है। मिड-डे मील खाने से बच्चों के बीमार पड़ जाने के समाचार अकसर समाचार-पत्रों में छपते रहते हैं। सफ़ाई का ध्यान रखे बिना लापरवाही से बना अधपका खाना खाने से बच्चों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। कई बार खाने में कीड़े, कॉकरोच, मक्खी, मच्छर यहाँ तक कि मेंढक तक पाए गए हैं।
भोजन में प्रायः चावल कच्चे और दाल पानी-सी पतली होती है। कभी-कभी तो भोजन बदबूदार होता है। स्वाद की बात तो दूर, भोजन खाने से जी मिचलाने और पेट-दर्द जैसी शिकायतें अकसर बच्चों को हो जाती हैं। रोटी या पूड़ी इतनी कड़ी होती हैं कि बच्चे उन्हें खाते ही नहीं। सप्ताह में एक बार खीर आती है। उसे सफ़ेद पानी में घुले चावल कहना ही ठीक होगा। यह तो बच्चों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है। यही कारण है कि विद्यालयों में वितरित किए जाने वाले भोजन को खाने वाले विद्यार्थियों की संख्या निरंतर कम होती जा रही है।

आपसे अनुरोध है कि कृपया इस ओर शीघ्र ही ध्यान दें तथा आवश्यक कार्यवाही करें।

धन्यवादसहित।

प्रार्थी

अ०ब०स०

28. अपने नगर के चिड़ियाघर को देखने पर वहाँ की अव्यवस्था से आपको बहुत दुख हुआ। इस अव्यवस्था के प्रति चिड़ियाघर के निदेशक का ध्यान आकृष्ट कराते हुए एक पत्र लिखिए। *(CBSE 2015)*

परीक्षा भवन,
क०ख०ग० विद्यालय,
दिल्ली।

दिनांक : 21 अक्टूबर, 20XX

सेवा में,
निदेशक,
राष्ट्रीय प्राणी-उद्यान,
दिल्ली।

विषय : चिड़ियाघर की अव्यवस्था की ओर ध्यान आकृष्ट करने हेतु पत्र।

महोदय,

निवेदन यह है कि मैं दिल्ली का निवासी हूँ और आपका ध्यान चिड़ियाघर की अव्यवस्था की ओर आकृष्ट कराना चाहता हूँ। भारत की राजधानी होने के कारण देशी और विदेशी पर्यटक यहाँ आते ही रहते हैं। कल मैं अपने कुछ अतिथि मित्रों के साथ चिड़ियाघर गया, किंतु वहाँ की अव्यवस्था देखकर मुझे बहुत दुख हुआ। जगह-जगह गंदगी का साम्राज्य था। लगता था कि कई दिनों से सफ़ाई नहीं हुई। जानवरों के पिंजरे भी अंदर से गंदे थे। सुरक्षा की दृष्टि से कहीं कोई कर्मचारी तैनात नज़र नहीं आया। पिछले वर्ष ही सफ़ेद बाघ द्वारा एक युवक की दर्दनाक मौत की घटना घटी थी, फिर भी शायद अधिकारियों की आँखें नहीं खुली हैं। बंदरों के पिंजरे के पास तख्ती तो लगी हुई थी कि बंदरों को चने, मूँगफली आदि खाद्य पदार्थ खिलाना मना है, लेकिन कितने ही लोग पिंजरे में खाने की चीज़ें फेंक रहे थे। उन्हें रोकने के लिए आस-पास कोई कर्मचारी नहीं था। बच्चे पिंजरों में पत्थर फेंककर सोए हुए जानवरों को परेशान करने की कोशिश कर रहे थे।

जल-पक्षियों के तालाब का पानी बहुत गंदा था, उससे दुर्गंध आ रही थी, पानी पर काई जमी हुई थी। चिड़ियाघर में पेयजल की भी समुचित व्यवस्था नहीं है। दर्शकों के लिए छायादार स्थान पर बनाई गई बेंचें भी टूटी-फूटी हैं। दर्शकों के लिए कहीं थोड़ी देर रुककर बैठने की समुचित व्यवस्था का पूर्णतया अभाव दिखाई दिया।

महोदय, आपसे अनुरोध है कि चिड़ियाघर की समुचित व्यवस्था के लिए शीघ्र ही आवश्यक कदम उठाएँ, ताकि दर्शकों की सुरक्षा तथा पशु-पक्षियों की दशा में आवश्यक सुधार लाया जा सके।

सधन्यवाद।

भवदीय

अ०ब०स०

29. आए दिन चोरी और झपटमारी के समाचारों को पढ़कर जो विचार आपके मन में आते हैं, उन्हें किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र के रूप में लिखिए। *(CBSE 2016)*

परीक्षा भवन,
अ०ब०स० विद्यालय,
दिल्ली।

दिनांक : 13 मार्च, 20XX

सेवा में,
संपादक,
दैनिक हिंदुस्तान,
कस्तूरबा गांधी मार्ग,
नई दिल्ली।

विषय : चोरी और झपटमारी की बढ़ती घटनाओं के विषय में पत्र।

महोदय,

आए दिन समाचार-पत्रों में चोरी और झपटमारी के समाचार पढ़कर मन को बड़ा आघात लगता है। आपके इस प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के माध्यम से मैं इस संबंध में अपने विचार सबके साथ साझा करना चाहता हूँ।

समाज में तेज़ी से बढ़ती अपराधवृत्ति देश के नाम पर कलंक है। यह सोचकर चिंता होती है कि आज हमारा समाज भला किस दिशा में जा रहा है। मनुष्य की स्वार्थपरता, उसकी इच्छाएँ व लालसाएँ इतनी बढ़ गई हैं कि उन्हें पूरा करने के लिए वह सही या गलत कोई भी मार्ग अपनाने को तैयार है। सामान्यतः लगता है; कि समाज में फैला भ्रष्टाचार, बढ़ती महँगाई, बेरोज़गारी ही इसके कारण हैं; लेकिन देखा तो यह जा रहा है कि पढ़े-लिखे और पैसे वाले घरों के युवा भी ऐसे आपराधिक कार्यों में संलग्न हैं। सत्य तो यह है कि मनुष्य का अतिभौतिकवादी दृष्टिकोण ही इसकी जड़ में है। आज मनुष्य आध्यात्मिकता से दूर भौतिक सुखों की ओर भाग रहा है। समाज से नैतिक और आध्यात्मिक मूल्य समाप्त हो गए हैं। चरित्र की बात तो आजकल कोई करता ही नहीं। जो जितना धनी और प्रभावशाली है, वह समाज में उतना ही सम्मानित और प्रतिष्ठित है। सच्चाई, ईमानदारी, सहृदयता, दया, करुणा, कर्मठता, परिश्रम आदि जैसे गुणों का तो कोई मूल्य ही नहीं रह गया है। समाज का नैतिक पतन हो रहा है। पश्चिमी सभ्यता से आक्रांत युवावर्ग दिशाहीन हो अपराध की दुनिया में प्रवेश कर रहा है।

जब तक हम स्वार्थी प्रवृत्ति पर अंकुश नहीं लगाएँगे, इस प्रकार की घटनाएँ होती ही रहेंगी। कानून और पुलिस कुछ सीमा तक ही इन्हें रोक सकते हैं, किंतु वास्तविक परिवर्तन तो मनुष्य को स्वयं अपने भीतर लाना होगा।

धन्यवाद।

भवदीय

क०ख०ग०

30. निकट के थाना प्रभारी को रात्रि में पुलिस गश्त बढ़ाने के लिए पत्र लिखिए। *(CBSE 2016)*

परीक्षा भवन,
क०ख०ग० विद्यालय,
हल्द्वानी।

दिनांक : 12 दिसंबर, 20XX

सेवा में,
थाना प्रभारी,
हल्द्वानी।

विषय : रात्रि में गश्त बढ़ाने हेतु पत्र।

महोदय,

मैं आपके थाना क्षेत्र के अंतर्गत विवेक विहार में रहता हूँ। हमारे क्षेत्र में चोरी की कई घटनाएँ हो चुकी हैं। ऐसा लगता है कि चोरों के मन से पुलिस का भय बिलकुल ही समाप्त हो गया है। रात्रि में दुकानों के ताले तोड़कर सारा माल साफ़ कर दिया जाता है। कई घरों में भी चोरी हो चुकी है। लोगों में अपनी जान-माल की सुरक्षा को लेकर बहुत चिंता है।

आपसे अनुरोध है कि चोरी की इन घटनाओं को रोकने के लिए रात्रि में पुलिस की गश्त बढ़ा दी जाए, जिससे लोग रात्रि में निश्चिंत होकर सो सकेंगे।

धन्यवाद।

भवदीय

अ०ब०स०

31. ग्रीष्मावकाश में विद्यालय में नाट्य-प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने का अनुरोध करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए। ***(CBSE 2017)***

परीक्षा भवन,

क०ख०ग० विद्यालय,

वाराणसी।

दिनांक : 22 अप्रैल, 20XX

सेवा में,
प्रधानाचार्य,
सनातन धर्म विद्यालय,
वाराणसी।

विषय : विद्यालय में नाट्य-प्रशिक्षण शिविर के आयोजन हेतु पत्र।

मान्यवर,

मैं आपके विद्यालय की कक्षा दसवीं का छात्र हूँ। 1 जून से विद्यालय में ग्रीष्मावकाश प्रारंभ हो रहा है। इस अवकाश में विद्यालय ने 'समर कैंप' के अंतर्गत अनेक गतिविधियों का आयोजन किया है। अनेक छात्र इन गतिविधियों में सम्मिलित हो रहे हैं। मेरा आपसे अनुरोध है कि ग्रीष्मावकाश में नाट्य-प्रशिक्षण शिविर का भी आयोजन किया जाए। विद्यालय के बहुत-से छात्र इस कला को सीखना चाहते हैं। सी०बी०एस०ई० ने भी नाटक को भाषा की मुख्य गतिविधि में सम्मिलित किया है; अतः ग्रीष्मावकाश में नाट्य प्रशिक्षण शिविर का आयोजन कराने की कृपा करें।

धन्यवाद।

आपका आज्ञाकारी शिष्य

अ०ब०स०

दसवीं 'ब'

32. आपके क्षेत्र के पार्क को कूड़ेदान बना दिया गया था। अब पुलिस की पहल और मदद से पुनः बच्चों के लिए खेल का मैदान बन गया है। अतः आप पुलिस आयुक्त को धन्यवाद-पत्र लिखिए। ***(CBSE 2018)***

बी-33,

अंबेडकरनगर,

सहारनपुर।

दिनांक : 11 मार्च, 20XX

सेवा में,

पुलिस आयुक्त,

सहारनपुर।

विषय : पार्क का संरक्षण करने के लिए धन्यवाद पत्र।

महोदय,

मैं अंबेडकर नगर का निवासी हूँ। हमारे क्षेत्र का पार्क कूड़ेदान बन गया था। आस-पास के लोग उसमें घर का कूड़ा-कचरा फेंक देते थे। कुछ खोमचे वालों ने भी उसमें डेरा डाल लिया था। क्षेत्र के बच्चे खेलने-कूदने से तरस गए थे। हमने इसकी शिकायत एक समाचार-पत्र के माध्यम से आप तक पहुँचाई थी। आपने तुरंत कार्यवाही की और पार्क को खोमचे वालों से मुक्त कराया तथा उसमें कूड़ा-कचरा फेंकने वालों को कानूनी कार्यवाही की चेतावनी दी। आपके कारण आज यह पार्क साफ़-सुथरा है और बच्चों के खेलने योग्य हो गया है। आपकी इस अनुकंपा के लिए क्षेत्रवासियों की ओर से आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

भवदीय

क०ख०ग० एवं

समस्त क्षेत्रवासी

33. गत कुछ दिनों से आपके क्षेत्र में अपराध बढ़ने लगे हैं, जिससे आप चिंतित हैं। इन अपराधों की रोकथाम के लिए थानाध्यक्ष को पत्र लिखिए। ***(CBSE 2019)***

36, मटका टोला,

नया बाज़ार,

मुगलसराय।

दिनांक : 11 जून, 20XX

सेवा में,

थानाध्यक्ष,

थाना, नया बाज़ार

मुगलसराय।

विषय : बढ़ते अपराधों की रोकथाम।

मान्यवर,

मैं रूपचंद मटका टोला, नया बाज़ार का निवासी तथा इस क्षेत्र की 'कल्याण समिति' का सचिव हूँ। मैं आपका ध्यान इस क्षेत्र में बढ़ती आपराधिक घटनाओं तथा चोरी और छीना-झपटी की वारदातों की ओर आकृष्ट करना चाहता हूँ। पिछले तीन सप्ताह में आस-पास के चार घरों में दिनदहाड़े चोरी हो चुकी है, लेकिन चोरों का कोई सुराग नहीं मिला है। महिलाओं का दिन में भी घर से निकलना दूभर हो गया है। बाइक सवार तेज़ी से आकर चेन झपट ले जाते हैं। एक महिला का तो गला ही बुरी तरह कटते-कटते बचा। रात को कारों के स्टीरियों और सैल्फ निकालकर ले जाने वाला गिरोह भी इस क्षेत्र में सक्रिय है। हर घटना की थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई जाती है, लेकिन नतीज़ा कुछ नहीं निकलता। आपकी पुलिस कोई कार्यवाही क्यों नहीं करती! लोगों के मन में भय बैठ गया है। वे अब दिन में दरवाज़ा खोलने से घबराते हैं। आपसे अनुरोध है कि लोगों को भय से मुक्ति दिलाने और इन आपराधिक वारदातों को रोकने के लिए तुरंत आवश्यक कार्यवाही करें।

आशा है, आप शीघ्र ही इस दिशा में कदम उठाएँगे।

भवदीय

रूपचंद

(सचिव, 'कल्याण समिति' मटका टोला)

34. सार्वजनिक स्थलों पर बढ़ते हुए धूम्रपान तथा उसके कारण संभावित रोगों की ओर संकेत करते हुए किसी दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को 80-100 शब्दों में पत्र लिखिए। ***(CBSE 2020)***

परीक्षा भवन,

अ०ब०स० विद्यालय,

दिल्ली।

दिनांक : 13 मार्च, 20XX

सेवा में,

संपादक,

दैनिक हिंदुस्तान,

कस्तूरबा गांधी मार्ग,

नई दिल्ली।

विषय : सार्वजनिक स्थलों पर बढ़ते धूम्रपान के विषय में।

महोदय,

आपके प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के माध्यम से मैं लोगों का ध्यान सार्वजनिक स्थलों पर बढ़ते धूम्रपान और इसके कारण होने वाले संभावित रोगों की ओर दिलाना चाहता हूँ। धूम्रपान से कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी हो जाती है। यह केवल उनके लिए ही घातक नहीं, जो धूम्रपान करते हैं, बल्कि इसके धुँए के संपर्क में आने वाले व्यक्ति के लिए भी यह उतना ही घातक है। यही कारण है कि सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान वर्जित है और ऐसी जगह धूम्रपान करने वालों के लिए दंड का प्रावधान है, लेकिन फिर भी बहुत-से लोग सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान करते हैं। वे अपने साथ-साथ दूसरों को भी जोखिम में डालते हैं।

आपसे अनुरोध है कि आप अपने समाचार-पत्र में धूम्रपान के दुष्परिणामों पर लेख प्रकाशित करें ताकि लोगों में जागरूकता आए।

धन्यवाद।

भवदीय

क०ख०ग०

35. **चुनाव के दिनों में कार्यकर्ता घरों, विद्यालयों और मार्गदर्शक पटों (बोर्डों) आदि पर चुनावी पोस्टर लगा जाते हैं। इससे लोगों को होने वाली असुविधा पर अपने विचार व्यक्त करते हुए किसी दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।**

परीक्षा भवन,
क०ख०ग० विद्यालय,
दिल्ली।

दिनांक : 24 मई, 20XX

सेवा में,

संपादक,

नवभारत टाइम्स,

बहादुरशाहज़फर मार्ग,

नई दिल्ली।

विषय : पोस्टरों से होने वाली असुविधा के संबंध में पत्र।

महोदय,

मैं आपके लोकप्रिय समाचार-पत्र के माध्यम से सरकार तथा संबद्ध अधिकारियों का ध्यान चुनाव के दिनों में विभिन्न राजनैतिक दलों के कार्यकर्ताओं द्वारा स्थान-स्थान पर लगाए जाने वाले पोस्टरों से उत्पन्न असुविधाओं की ओर आकृष्ट कराना चाहता हूँ।

भारत एक लोकतांत्रिक देश है; अतः देश में समय-समय पर किसी-न-किसी राज्य में चुनाव होते ही रहते हैं। चुनाव के दिनों में जनमत को अपने पक्ष में करने और अपने-अपने दलों की नीतियाँ जनता तक पहुँचाने के लिए राजनैतिक दल पोस्टरों और नारों का सहारा लेते हैं। राजनैतिक दलों के कार्यकर्ता बिना सोचे-विचारे जहाँ स्थान मिलता है, वहीं नारे लिख देते हैं या पोस्टर चिपका देते हैं। स्थिति यह हो जाती है कि घरों, स्कूलों, अस्पतालों की दीवारों और यहाँ तक कि मार्गदर्शक पटों (बोर्डों) पर भी पोस्टर चिपका दिए जाते हैं। इन पोस्टरों से गंदगी फैलती है और मार्गदर्शक पटों (बोर्डों) पर पोस्टर चिपक जाने से जनसामान्य को बहुत कठिनाई का सामना करना पड़ता है।

कष्टपूर्ण बात यह है कि चुनाव समाप्त हो जाने के बाद भी पोस्टरों को उतारा नहीं जाता। अधचिपके, फटे और गंदे पोस्टर देखने में भद्दे तो लगते ही हैं, साथ ही मार्गदर्शक पटों से मिलने वाली जानकारी से भी लोग वंचित रह जाते हैं। सभी राजनैतिक दलों को चुनाव समाप्त होते ही पोस्टरों को साफ़ करवा देना चाहिए। उन्हें अपने कार्यकर्ताओं को ऐसे स्थानों पर पोस्टर लगाने से मना करना चाहिए, जिससे लोगों को असुविधा होती हो। चुनाव आयोग को आचारसंहिता में इससे संबंधित नियमों का न केवल उल्लेख करना चाहिए, वरन् उनका सख्ती से पालन कराना भी सुनिश्चित करना चाहिए।

पुलिस, प्रशासन के सहयोग और जनता को जागरूक करके इस असुविधा से बचा जा सकता है। मैं इस पत्र के माध्यम से सभी से इस दिशा में सार्थक प्रयास करने की अपील करता हूँ।

धन्यवाद।

भवदीय

अ०ब०स०

36. **पंजाब नेशनल बैंक, सोनीपत द्वारा एक खाताधारी के रूप में आपको दी गई चैक-बुक आपसे खो गई है। बैंक प्रबंधक को सूचित करते हुए अनुरोध करें कि आपके खाते से चैकों का भुगतान रोक दिया जाए।**

325 ए, आदर्शनगर,
सोनीपत (हरियाणा)।

दिनांक : 20 जुलाई, 20XX

सेवा में,

प्रबंधक,

पंजाब नेशनल बैंक,

सोनीपत (हरियाणा)।

विषय : चैक-बुक खो जाने के संबंध में प्रार्थना-पत्र।

महोदय,

आपकी शाखा में मेरा एक बचत खाता सं० ए-576248 है। असावधानीवश मेरी चैक-बुक मुझसे खो गई है। उसमें 10410 से 10415 तक के छह चैक खाली थे। आपसे अनुरोध है कि इन चैकों का भुगतान रोक दिया जाए। साथ ही मुझे एक नई चैक-बुक जारी करने का कष्ट करें। आपकी अतिकृपा होगी।

सधन्यवाद।

भवदीया

मालती देवी

37. **आपने किसी प्रकाशक से कुछ पुस्तकें वी०पी०पी० द्वारा मँगवाई थीं, किंतु जो पुस्तकें आपको मिलीं, वे उनसे भिन्न थीं, जिनका ऑर्डर आपने दिया था। पुस्तकें बदलवाने के संबंध में एक पत्र लिखिए।**

15/7, विवेकनगर,
सिकंदराबाद।

दिनांक : 5 अगस्त, 20XX

सेवा में,
व्यवस्थापक,
क०ख०ग० प्रकाशन,
मेरठ (उत्तर प्रदेश)।

विषय : गलत पुस्तकें भिजवाने के संबंध में पत्र।

महोदय,

मैं अपने पत्र दिनांक 1-7-20XX के सदर्भ में यह कहना चाहता हूँ कि इस पत्र द्वारा मैंने आपसे कुछ पुस्तकें वी०पी०पी० द्वारा भिजवाने

का आग्रह किया था और 500 रुपये का डिमांड ड्राफ़्ट भी अग्रिम धनराशि के रूप में संलग्न किया था। मुझे दिनांक 1-8- 20XX को वी०पी०पी० से आपके द्वारा भेजी गई पुस्तकों का बंडल मिला, जो मैंने शेष धनराशि का भुगतान करके प्राप्त कर लिया। पुस्तकों का बंडल खोलने पर मैं यह देखकर हैरान रह गया कि ये तो वे पुस्तकें हैं ही नहीं, जिनका मैंने ऑर्डर दिया था। आपसे अनुरोध है कि आप ऑर्डर दी गई पुस्तकें भिजवाने का कष्ट करें। ये पुस्तकें मैं आपको डाक द्वारा वापस भिजवा रहा हूँ।

पुस्तकें भिजवाने से पहले कृपया मेरे पत्र दिनांक 1-7-20XX में दी गई पुस्तक-सूची से उनका मिलान अवश्य करवा लीजिए।

सधन्यवाद।

भवदीय

प्रकाश चतुर्वेदी

38. एक दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को अपनी कविता प्रकाशित करवाने का अनुरोध करते हुए एक पत्र 80-100 शब्दों में लिखिए।

अपनी कविता छपवाने के लिए किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र–

बी-378, राम नगर

दिल्ली

दिनांक : 20 सितंबर, 20XX

संपादक महोदय

नवभारत टाइम्स

बहादुरशाह ज़फ़र मार्ग

नई दिल्ली

मान्यवर,

मैं दसवीं कक्षा का छात्र हूँ। हिंदी भाषा से मुझे विशेष लगाव है। मैं नियमित रूप से आपका समाचार-पत्र पढ़ता हूँ। समाचार-पत्र के रविवारीय संस्करण से तो मुझे विशेष लगाव है। इसी रविवारीय संस्करण 'बाल पृष्ठ' पर छपी रचनाएँ पढ़कर मुझमें भी उत्साह जगा। मुझे भी लिखने की प्रेरणा मिली और इच्छा हुई कि कुछ लिखूँ। इसलिए मैंने भी एक छोटी-सी कविता लिखी है। मैं अपनी कविता आपके रविवारीय अंक के 'बाल पृष्ठ' पर छपने के लिए भेज रहा हूँ। आशा है कि आप इसे छापकर मेरा उत्साहवर्धन करेंगे।

धन्यवाद सहित

भवदीय

सुमित गुप्ता

39. आपके क्षेत्र में सरकारी राशन की दुकान का संचालक गरीबों के लिए आए अनाज की कालाबाज़ारी करता है और कुछ कहने पर उन्हें धमकाता है। उसकी शिकायत करने हेतु लगभग 120 शब्दों में जिलाधिकारी को पत्र लिखिए। ***(CBSE प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 2021)***

परीक्षा भवन,

क०ख०ग० विद्यालय।

सहारनपुर

दिनांक : 10 फरवरी, 20XX

सेवा में,

जिलाधिकारी

सहारनपुर।

विषय : राशन के अनाज की कालाबाज़ारी के विषय में।

महोदय,

मैं सहारनपुर की चंदन नगर कॉलोनी का निवासी हूँ। हमारे क्षेत्र में सरकारी राशन की दुकान है। इस दुकान का संचालक गरीबों को मिलने वाले अनाज की कालाबाज़ारी कर लेता है। यदि कोई इस विषय मे उसे कुछ कहता है तो वह उसे धमकाता है। वह एक दबंग व्यक्ति है।

आपसे अनुरोध है कि संबंधित अधिकारियों से इसकी जाँच करवाएँ और दोषी पाए जाने पर उसके विरुद्ध कार्यवाही करें ताकि गरीबों को उनका हक मिल सके।

धन्यवाद।

भवदीय

अ०ब०स०

40. आपके क्षेत्र की सड़कें बदहाल अवस्था में हैं जिसके कारण आए दिन दुर्घटनाएँ होती रहती हैं। उसकी जानकारी देते हुए उपयुक्त कार्रवाई हेतु शहरी/ग्रामीण विकास मंत्री को लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए। ***(CBSE 2022 Term-2)***

परीक्षा भवन,

क०ख०ग० विद्यालय।

कानपुर देहात।

दिनांक : 10 मार्च, 20XX

सेवा में,

माननीय ग्रामीण विकास मंत्री,

उत्तर प्रदेश सरकार,

लखनऊ-75।

विषय : सड़कों की बदहाल अवस्था के विषय में।

मान्यवर,

मैं कानपुर के देहात क्षेत्र का निवासी हूँ। हमारे क्षेत्र में सभी सड़कें टूट चुकी हैं और बुरी अवस्था में हैं। इनमें गहरे गड्ढे बन गए हैं, जिनके कारण हर दिन कोई-न-कोई दुर्घटना होती रहती है। इन सड़कों से किसान अपनी-फ़सल मंडी में नहीं ले जा सकते। क्षेत्र की जनता को अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

आपसे अनुरोध है कि अपने प्रभाव का प्रयोग कर इन सड़कों का पुनर्निर्माण कराने की कृपा करें। इसके लिए क्षेत्र की जनता सदैव आपकी आभारी रहेगी।

धन्यवाद।

भवदीय

अ०ब०स०

स्ववृत्त-लेखन

स्ववृत्त का अर्थ

शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात् प्रत्येक विद्यार्थी अपने भविष्य को सँवारने के लिए प्रयासरत हो जाता है। भविष्य को लेकर उसके मन में तरह-तरह की कल्पनाएँ होती हैं। कुछ विद्यार्थी अपना स्वतंत्र व्यवसाय करना चाहते हैं, तो कुछ मनचाही नौकरी पाने का स्वप्न देखते हैं। नौकरी प्राप्त करने के लिए उन्हें विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों, विभागों और कार्यालयों में अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत करना पड़ता है। आवेदन-पत्र के साथ अभ्यर्थी को अपना संपूर्ण विवरण प्रस्तुत करना होता है। इस आत्म-विवरण को ही 'स्ववृत्त' कहते हैं।

स्ववृत्त-लेखन

''स्ववृत्त-लेखन एक विशेष प्रकार का लेखन है, जिसमें व्यक्ति विशेष के बारे में किसी विशेष प्रयोजन को ध्यान में रखकर सिलसिलेवार ढंग से सूचनाएँ संकलित की जाती हैं।'' इसे अंग्रेज़ी में Bio-data, Resume या Curriculum-Vitae कहते हैं।

स्ववृत्त के पक्ष

स्ववृत्त के दो पक्ष होते हैं–

पहला पक्ष – पहले पक्ष में वह व्यक्ति है, जिसको केंद्र में रखकर सूचनाएँ संकलित की गई होती हैं, अर्थात् पहला पक्ष है–उम्मीदवार या अभ्यर्थी।

दूसरा पक्ष – दूसरे पक्ष में वह व्यक्ति या संस्था है, जिसके लिए या जिसके प्रयोजन को ध्यान में रखकर सूचनाएँ जुटाई जाती हैं, अर्थात् दूसरा पक्ष है–नियोक्ता।

स्ववृत्त का महत्त्व

आवेदन-पत्र में स्ववृत्त का अत्यधिक महत्त्व है। एक स्ववृत्त को हम उम्मीदवार का दूत या प्रतिनिधि भी कह सकते हैं। जिस प्रकार एक अच्छा दूत या प्रतिनिधि अपने स्वामी का एक सुंदर और आकर्षक चित्र प्रस्तुत करता है, उसी प्रकार एक अच्छा स्ववृत्त नियोक्ता के मन में उम्मीदवार के प्रति अच्छी और सकारात्मक धारणा उत्पन्न करता है। एक अच्छा स्ववृत्त किसी चुंबक की भाँति होता है, जो नियुक्तिकर्ता को आकर्षित कर लेता है।

स्ववृत्त की विशेषताएँ

एक अच्छे स्ववृत्त में निम्नलिखित विशेषताएँ होनी चाहिए–

- स्ववृत्त साफ़-सुथरे ढंग से टंकित या कंप्यूटर मुद्रित होना चाहिए।
- स्ववृत्त-लेखन में व्याकरण संबंधी त्रुटियाँ नहीं होनी चाहिए।
- इसमें सूचनाओं का क्रमानुसार संकलन होना चाहिए।
- स्ववृत्त में दी गई सभी सूचनाएँ पूर्णतः सत्य होनी चाहिए।
- झूठे दावे या अतिशयोक्ति से बचना चाहिए।
- अपनी खूबियाँ और अच्छाइयाँ बताने में कंजूसी नहीं करनी चाहिए।
- अपने व्यक्तित्व, ज्ञान और अनुभव के सबल पहलुओं पर पूरा ज़ोर देना चाहिए।
- स्ववृत्त-लेखन अलंकारिक भाषा में नहीं होना चाहिए।
- स्ववृत्त-लेखन की शैली-सरल, सीधी, सटीक और साफ़ होनी चाहिए।

स्ववृत्त का रूप-आकार

स्ववृत्त के रूप-आकार का कोई निश्चित नियम नहीं है, लेकिन यह ध्यान रखना चाहिए कि स्ववृत्त न तो आवश्यकता से अधिक लंबा हो, न ही अधिक छोटा। मैनेजिंग डायरेक्टर आदि बड़े पदों के लिए स्ववृत्त नौ-दस पृष्ठों का भी हो सकता है, क्योंकि इनके लिए अच्छी योग्यता वाले अनुभवी व्यक्ति आवेदन करते हैं। सामान्य पदों के लिए स्ववृत्त-लेखन दो-तीन पृष्ठों से अधिक लंबा नहीं होना चाहिए, क्योंकि ऐसे पदों के लिए कॉलेज से तुरंत निकले (फ्रेशर) अभ्यर्थी आवेदन करते हैं। उनके पास स्ववृत्त में लिखने के लिए अधिक अनुभव और उपलब्धियाँ नहीं होती हैं।

स्ववृत्त की प्रस्तुति

स्ववृत्त में सूचनाओं की प्रस्तुति सिलसिलेवार होनी चाहिए। यह सूचनाओं का एक अनुशासित प्रवाह है, जो व्यक्ति परिचय से प्रारंभ होता है और शैक्षणिक योग्यता, अनुभव, प्रशिक्षण, कार्येतर गतिविधियों, उपलब्धियों इत्यादि पड़ावों को पार करता हुआ अपनी पूर्णता को प्राप्त करता है। नौकरी के लिए दिए जाने वाले स्ववृत्त में सूचनाओं का क्रम निम्नलिखित होता है–

- व्यक्ति परिचय (नाम, पिता का नाम, माता का नाम, जन्मतिथि, पत्र-व्यवहार का पता, टेलीफोन नंबर, मोबाइल नंबर, ई-मेल पता आदि।)
- शैक्षणिक योग्यताओं का विस्तृत विवरण।
- प्रशिक्षण एवं अनुभव।
- उपलब्धियाँ।
- कार्येतर गतिविधियाँ।
- दो-तीन ऐसे प्रतिष्ठित लोगों के पते जो उम्मीदवार के संबंधी न हों, लेकिन उसकी योग्यता एवं क्षमता से परिचित हों।
- हस्ताक्षर।
- दिनांक।
- स्थान।

स्ववृत्त और आवेदन-पत्र

स्ववृत्त और आवेदन-पत्र एक-दूसरे के पूरक हैं। केवल स्ववृत्त देने भर से काम नहीं चलता। स्ववृत्त के साथ एक आवेदन पत्र भी लिखना होता है। इसका कारण यह है कि स्ववृत्त तो बना-बनाया रखा होता है। विज्ञापन देखा और भेज दिया, जबकि आवेदन-पत्र विज्ञापन के लिए विशेष रूप से लिखे जाते हैं। ये उम्मीदवार के भाषा-ज्ञान और अभिव्यक्ति की क्षमता की तो जानकारी देते ही हैं, साथ ही यह भी प्रदर्शित करते हैं कि वह पद और संस्थान को लेकर गंभीर है या नहीं। अतः स्ववृत्त को आवेदन-पत्र के साथ लगाकर नियोक्ता के पास विचार के लिए भेजा जाता है।

स्ववृत्त का प्रारूप

नाम : ....

पिता का नाम : ....

माता का नाम : ....

जन्मतिथि : ....

वर्तमान पता : ....

स्थायी पता : ....

टेलीफोन नं० : ....

मोबाइल नं० : ....

ई-मेल पता : ....

शैक्षणिक योग्यताएँ : ....

क्रम संख्या	परीक्षा/ डिग्री/ डिप्लोमा	वर्ष	संस्था	बोर्ड/ विश्वविद्यालय	विषय	श्रेणी	प्राप्तांक प्रतिशत
1.							
2.							
3.							
4.							

अन्य संबंधित योग्यताएँ

- ....
- ....

उपलब्धियाँ

- ....
- ....

कार्येतर गतिविधियाँ

- ....
- ....

वैसे प्रतिष्ठित व्यक्तियों का विवरण जो उम्मीदवार की योग्यताओं एवं क्षमताओं से परिचित हों

- ....
- ....

उद्घोषणा

मैं प्रमाणित करता/करती हूँ कि उपर्युक्त सभी सूचनाएँ सत्य हैं।

दिनांक ....

स्थान ....

हस्ताक्षर ....

स्ववृत्त-लेखन के कुछ उदाहरण

निर्देश–*निम्नलिखित प्रत्येक विषय पर लगभग 80 शब्दों में स्ववृत्त-लेखन कीजिए–*

1. **शिक्षा निदेशालय, दिल्ली में शिक्षा अधिकारी को प्राथमिक शिक्षक-पद के लिए आवेदन-पत्र प्रेषित करते हुए स्ववृत्त-लेखन कीजिए।**

सेवा में,
शिक्षा अधिकारी,
शिक्षा निदेशालय,
दिल्ली।

विषय : प्राथमिक शिक्षक-पद हेतु आवेदन।

महोदय,

दिनांक 20 जून, 20XX के रोजगार समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापन संख्या प्रा०शि० 29 के संदर्भ में मैं प्राथमिक शिक्षक-पद हेतु अपना आवेदन-पत्र आपकी सेवा में प्रेषित कर रही हूँ। मेरा स्ववृत्त इस प्रकार है–

स्ववृत्त

नाम	:	कुमारी अनन्या चौपड़ा
पिता का नाम	:	श्री विकास चौपड़ा
माता का नाम	:	श्रीमती विमला चौपड़ा
जन्मतिथि	:	1-11-1990
वर्तमान पता	:	203, संतनगर, नई दिल्ली
स्थायी पता	:	उपर्युक्त
दूरभाष नं०	:	011-2432XXXX
मोबाइल नं०	:	989622XXXX
ई-मेल	:	ananyachopra@gmail.com

शैक्षणिक योग्यताएँ

क्रम संख्या	परीक्षा/डिग्री/डिप्लोमा	वर्ष	संस्था	बोर्ड/विश्वविद्यालय	विषय	श्रेणी	प्राप्तांक प्रतिशत
1.	दसवीं	2006	सर्वोदय बालिका विद्यालय	सी०बी०एस०ई०	हिंदी, अंग्रेज़ी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान	प्रथम	92%
2.	बारहवीं	2008	सर्वोदय बालिका विद्यालय	सी०बी०एस०ई०	हिंदी, गणित, इतिहास, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र	प्रथम	93%
3.	बी०ए०	2011	भारती कॉलेज जनकपुरी	दिल्ली वि०वि०	अंग्रेज़ी, हिंदी, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान	प्रथम	85%
4.	बी०एड०	2013	मेरठ कॉलेज, मेरठ	चौ० चरणसिंह वि०वि०	हिंदी, राजनीति विज्ञान (शिक्षण विषय)	प्रथम	87%
5.	सी०टैट०	2014	–	सी०बी०एस०ई०	–	–	80%

अन्य संबंधित योग्यताएँ

- कंप्यूटर का अच्छा ज्ञान
- दो वर्ष का शिक्षण अनुभव

उपलब्धियाँ

- वाद-विवाद प्रतियोगिता में अनेक पुरस्कार
- विद्यालय की बास्केटबॉल टीम की कैप्टन

कार्येतर गतिविधियाँ

- कहानी, कविता-लेखन
- पर्यटन का शौक

वैसे प्रतिष्ठित व्यक्तियों का विवरण जो मेरी योग्यताओं और क्षमताओं से परिचित हैं–

- श्री आ० एस० नौटियाल, जिला विद्यालय निरीक्षक, हरिद्वार
- श्री गोविंद वर्मा, प्रोफ़ेसर, दिल्ली वि०वि०, दिल्ली

उद्घोषणा

मैं प्रमाणित करती हूँ कि उपर्युक्त सभी सूचनाएँ सत्य हैं।

दिनाँक – 5-7-20XX

स्थान – दिल्ली

हस्ताक्षर

(अनन्या)

2. आप मृणालिनी/मृणाल हैं। आपने बी०लिब० और एम०लिब० की परीक्षा पास कर ली है। अपनी योग्यता और रुचि का वर्णन करते हुए केंद्रीय विद्यालय में पुस्तकालयाध्यक्ष के रिक्त पद के लिए लगभग 80 शब्दों में अपना स्ववृत्त तैयार कीजिए। *(CBSE 2023)*

सेवा में,

अध्यक्ष,

केंद्रीय विद्यालय संगठन,

शहीद जीतसिंह मार्ग,

नई दिल्ली-110016।

विषय : पुस्तकालयाध्यक्ष पद हेतु आवेदन।

महोदय,

विश्वस्त सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि केंद्रीय विद्यालयों में पुस्तकालयाध्यक्ष के पद रिक्त हैं। मैं उक्त पद हेतु अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत करता हूँ। मेरा स्ववृत्त इस प्रकार है–

स्ववृत्त

नाम	:	मृणाल
पिता का नाम	:	श्री कमल कुमार
माता का नाम	:	श्रीमती सुनयना
जन्मतिथि	:	1-10-19XX
वर्तमान पता	:	124, ईशा अपार्टमेंट, मेरठ।
स्थायी पता	:	उपर्युक्त
दूरभाष नं०	:	—
मोबाइल नं०	:	98963342XX
ई-मेल	:	mrinal@gmail.com

शैक्षणिक योग्यताएँ :

क्रम संख्या	परीक्षा/डिग्री/डिप्लोमा	वर्ष	संस्था	बोर्ड/ विश्वविद्यालय	विषय	श्रेणी	प्राप्तांक प्रतिशत
1.	दसवीं	2006	एस०डी० इंटर कॉलेज	यू०पी० बोर्ड	हिंदी, अंग्रेज़ी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान	प्रथम	83%
2.	बारहवीं	2008	एस०डी० इंटर कॉलेज	यू०पी० बोर्ड	हिंदी, अंग्रेज़ी, इतिहास, अर्थशास्त्र, नागरिकशास्त्र	प्रथम	85%
3.	बी०ए०	2011	मेरठ कॉलेज, मेरठ	चौ० चरण सिंह वि०वि०	हिंदी, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, राजनीति शास्त्र	प्रथम	86%
4.	बी०लिब०	2012	मेरठ कॉलेज, मेरठ	चौ० चरण सिंह वि०वि०	–	प्रथम	82%
5.	एम०लिब०	2013	मेरठ कॉलेज, मेरठ	चौ० चरण सिंह वि०वि०	–	प्रथम	84%

अन्य संबंधित योग्यताएँ

- कंप्यूटर का ज्ञान
- अंग्रेज़ी का अच्छा ज्ञान

उपलब्धियाँ

- भाषण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार
- विद्यालय की कबड्डी टीम का सदस्य

कार्येतर गतिविधियाँ

- पत्र-पत्रिकाएँ पढ़ना
- पेंटिंग बनाना

वैसे प्रतिष्ठित व्यक्ति जो मेरी योग्यताओं एवं क्षमताओं से परिचित हैं–

- नहीं
- नहीं

उद्घोषणा

मैं प्रमाणित करता हूँ कि उपर्युक्त सभी सूचनाएँ सत्य हैं।

दिनांक : 25-7-20XX

स्थान – मेरठ

हस्ताक्षर

(मृणाल)

3. **इंडिया केमिकल्स लिमिटेड, मुंबई में मार्केटिंग एक्ज़क्यूटिव पद के लिए अपना आवेदन-पत्र प्रेषित करते हुए स्ववृत्त-लेखन कीजिए।**

सेवा में,

महाप्रबंधक,

इंडिया केमिकल्स लिमिटेड,

36, न्यू लिंक रोड, मुंबई।

विषय : मार्केटिंग एक्जक्यूटिव पद हेतु आवेदन।

महोदय,

दिनांक 26 अप्रैल, 20XX को दिल्ली से प्रकाशित नवभारत टाइम्स में प्रकाशित आपके विज्ञापन से ज्ञात हुआ है कि आपकी कंपनी को मार्केटिंग एक्ज़क्यूटिव की आवश्यकता है। मैं इस पद के लिए अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर रहा हूँ। मेरा स्ववृत्त इस प्रकार है–

स्ववृत्त

नाम	:	देवेंद्र कुमार
पिता का नाम	:	श्री सुरेंद्र कुमार
माता का नाम	:	श्रीमती शोभना
जन्मतिथि	:	10-11-1983
वर्तमान पता	:	बी-31, स्वर्ण कमल कॉलोनी, मेरठ
स्थायी पता	:	उपर्युक्त
दूरभाष नं०	:	0121-223605XX
मोबाइल नं०	:	941255XXXX
ई-मेल पता	:	devendra@gmail.com

शैक्षणिक योग्यताएँ :

क्रम संख्या	परीक्षा/डिग्री डिप्लोमा	वर्ष	संस्था	बोर्ड/ विश्वविद्यालय	विषय	श्रेणी	प्राप्तांक प्रतिशत
1.	दसवीं	1998	राजकीय विद्यालय	सी०बी०एस०ई०	अंग्रेज़ी, हिंदी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान	प्रथम	92%
2.	बारहवीं	2000	राजकीय विद्यालय	सी०बी०एस०ई०	अंग्रेज़ी, हिंदी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान	प्रथम	93%
3.	बी०एससी० (आनर्स)	2003	मेरठ कॉलेज, मेरठ	चौ० चरणसिंह वि०वि०	कंप्यूटर साइंस	प्रथम	85%
4.	एम०बी०ए०	2005	–	शोभित वि०वि०, मेरठ	मार्केटिंग	प्रथम	87%

अन्य संबंधित योग्यताएँ

- कंप्यूटर का अच्छा ज्ञान
- जर्मन भाषा का ज्ञान

उपलब्धियाँ

- भाषण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार
- विज्ञान प्रदर्शनी में प्रथम पुरस्कार

कार्येतर गतिविधियाँ

- उद्योग संबंधी पत्र-पत्रिकाओं का पाठन
- पर्यटन का शौक

वैसे सम्मानित व्यक्तियों का विवरण जो मेरी योग्यताओं एवं क्षमताओं से परिचित हैं–

- श्री डी०पी० शर्मा, प्राचार्य शोभित विश्वविद्यालय, मेरठ

उद्घोषणा

मैं प्रमाणित करता हूँ कि उपर्युक्त सभी सूचनाएँ सत्य हैं।

दिनांक – 25-7-20XX

स्थान – मेरठ

हस्ताक्षर

(देवेंद्र कुमार)

4. **'सर्वशिक्षा अभियान' के अंतर्गत चल रहे रात्रिकालीन शिक्षण केंद्रों में प्रौढ़ों को पढ़ाने के लिए अंशकालिक शिक्षकों की आवश्यकता है, जो कम-से-कम सैकेंडरी तक पढ़े हों। इस कार्य के लिए निदेशक प्रौढ़ शिक्षा, कानपुर, उत्तर प्रदेश को आवेदन-पत्र प्रेषित करते हुए स्ववृत्त-लेखन कीजिए।**

सेवा में,
निदेशक,
प्रौढ़ शिक्षा,
कानपुर।

विषय : अंशकालिक शिक्षक-पद हेतु आवेदन।

महोदय,

आपके कार्यालय द्वारा 1 अप्रैल, 20XX के 'रोजगार समाचार' में प्रकाशित विज्ञापन क्रमांक 268 (क) के संदर्भ में उपर्युक्त पद के लिए मैं अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत करता हूँ। मेरा स्ववृत्त इस प्रकार है–

स्ववृत्त

नाम	:	हरिशंकर तिवारी
पिता का नाम	:	श्री मेवाराम तिवारी
माता का नाम	:	श्रीमती यशोदा तिवारी
जन्मतिथि	:	10-10-1993
वर्तमान पता	:	272, साकेत नगर, कानपुर
स्थायी पता	:	उपर्युक्त
दूरभाष नं०	:	–
मोबाइल नं०	:	98971772XX
ई-मेल पता	:	ntiwari@gmail.com

शैक्षणिक योग्यताएँ :

क्रम संख्या	परीक्षा/डिग्री/डिप्लोमा	वर्ष	संस्था	बोर्ड/ विश्वविद्यालय	विषय	श्रेणी	प्राप्तांक प्रतिशत
1.	दसवीं	2008	राजकीय विद्यालय, कानपुर	मा०शि० परिषद उत्तर प्रदेश	हिंदी, अंग्रेज़ी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान	प्रथम	82%
2.	बारहवीं	2010	राजकीय विद्यालय, कानपुर	मा०शि० परिषद उत्तर प्रदेश	हिंदी, अंग्रेज़ी, इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र	प्रथम	80%
3.	बी०ए०	2013	आगरा कॉलेज, आगरा	आगरा वि०वि०	हिंदी, अंग्रेज़ी, इतिहास, अर्थशास्त्र	प्रथम	79%

अन्य संबंधित योग्यताएँ

- कामकाजी महिलाओं की सायंकालीन कक्षा में अध्यापन का 1 वर्ष का अनुभव
- स्कूल में समाज-सेवा कार्यक्रम में भागीदारी

उपलब्धियाँ

- जिला अधिकारी द्वारा समाज-सेवा के लिए प्रशस्ति-पत्र
- विद्यालय में कविता-गायन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार

कार्येतर गतिविधियाँ

- कविता-लेखन
- पर्यटन का शौक

वैसे सम्मानित व्यक्तियों का विवरण, जो मेरी योग्यताओं और क्षमताओं से परिचित हैं–

- श्री ओ०पी० पांडे, प्राफ़ेसर, आगरा कॉलेज, आगरा

उद्घोषणा

मैं प्रमाणित करता हूँ कि उपर्युक्त सभी सूचनाएँ सत्य हैं।

दिनांक – 25-4-20XX
स्थान – कानपुर
हस्ताक्षर
(हरिशंकर तिवारी)

5. **उदयपुर स्थित 'सहेली' संस्था को घर-घर जाकर आँकड़े एकत्रित करने के लिए सहायकों की आवश्यकता है। संस्था के अध्यक्ष को आवेदन-पत्र प्रेषित करते हुए स्ववृत्त-लेखन कीजिए।**

सेवा में,
अध्यक्ष,
सहेली संस्था,
उदयपुर।

विषय : आँकड़ा सहायक पद के लिए आवेदन।

महोदय,

विश्वस्त सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि आपकी संस्था में आँकड़ा-सहायकों की आवश्यकता है। मैं उक्त पद हेतु अपना आवेदन-पत्र प्रेषित कर रहा हूँ। मेरा स्ववृत्त इस प्रकार है–

स्ववृत्त

नाम	:	देवेंद्र कुमार
पिता का नाम	:	श्री सुरेश कुमार
माता का नाम	:	श्रीमती राजबाला
जन्मतिथि	:	22-1-19XX
वर्तमान पता	:	317, देवनगर, चित्तौड़
स्थायी पता	:	उपर्युक्त
दूरभाष नं०	:	–
मोबाइल नं०	:	84541327XX
ई-मेल पता	:	devendra@gmall.com

शैक्षणिक योग्यताएँ :

क्रम संख्या	परीक्षा/डिग्री/डिप्लोमा	वर्ष	संस्था	बोर्ड/ विश्वविद्यालय	विषय	श्रेणी	प्राप्तांक प्रतिशत
1.	दसवीं	2009	राजकीय उ०मा० विद्यालय चित्तौड़गढ़	राजस्थान शिक्षा बोर्ड	हिंदी, अंग्रेज़ी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान	प्रथम	85%
2.	बारहवीं	2011	राजकीय उ०मा० विद्यालय चित्तौड़गढ़	राजस्थान शिक्षा बोर्ड	हिंदी, अंग्रेज़ी, इतिहास, अर्थशास्त्र, भूगोल	प्रथम	82%
3.	बी०ए०	2014	–	मेवाड़ वि०वि०	हिंदी, अंग्रेज़ी, इतिहास, भूगोल	प्रथम	80%

अन्य संबंधित योग्यताएँ

- अख़बार वितरण का दो वर्ष का अनुभव
- स्टेशनरी का सामान बेचने का 1 वर्ष का अनुभव

उपलब्धियाँ

- विद्यालय में नाटक प्रतियोगिता में श्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार
- दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार

कार्येतर गतिविधियाँ

- पर्यटन का शौक
- मार्केटिंग में रुचि

वैसे प्रतिष्ठित व्यक्तियों का विवरण, जो मेरी योग्यताओं और क्षमताओं से परिचित हैं–

- श्री प्रताप सिंह मीणा, प्रधानाचार्य, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चित्तौड़।

उद्घोषणा

मैं प्रमाणित करता हूँ कि उपर्युक्त सभी सूचनाएँ सत्य हैं।

दिनांक – 15-5-20XX

स्थान – चित्तौड़गढ़

हस्ताक्षर

(देवेंद्र कुमार)

6. **'ब्लू प्रिंट एजुकेशन' प्रकाशन, मेरठ को प्रूफरीडर्स की आवश्यकता है। इसके लिए अपना आवेदन-पत्र प्रेषित करते हुए स्ववृत्त-लेखन कीजिए।**

सेवा में,

महाप्रबंधक,

ब्लूप्रिंट एजुकेशन,

513, मोहकमपुर, दिल्ली रोड़,

मेरठ।

विषय : प्रूफरीडर्स के पद हेतु आवेदन।

महोदय,

विश्वस्त सूत्रों से ज्ञात हुआ है कि आपके प्रतिष्ठित संस्थान में प्रूफरीडर्स की आवश्यकता है। मैं उक्त पद हेतु अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर रहा हूँ। मेरा स्ववृत्त इस प्रकार है–

स्ववृत्त

नाम	:	रजत कुमार जैन
पिता का नाम	:	श्री शोभित जैन
माता का नाम	:	श्रीमती लता जैन
जन्मतिथि	:	1-1-1996
वर्तमान पता	:	सी०-78, देवनगर, मोदीपुरम, मेरठ।
स्थायी पता	:	उपर्युक्त
दूरभाष नं०	:	–
मोबाइल नं०	:	989773XXXX
ई-मेल पता	:	rajat312@gmail.com

शैक्षणिक योग्यताएँ :

क्रम संख्या	परीक्षा/डिग्री/डिप्लोमा	वर्ष	संस्था	बोर्ड/ विश्वविद्यालय	विषय	श्रेणी	प्राप्तांक प्रतिशत
1.	दसवीं	2011	देवनागरी इंटर कॉलेज, मेरठ	यू० पी० बोर्ड	हिंदी, अंग्रेज़ी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान	प्रथम	83%
2.	बारहवीं	2013	देवनागरी इंटर कॉलेज, मेरठ	यू० पी० बोर्ड	हिंदी, अंग्रेज़ी, इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र	प्रथम	81%
3.	स्नातक	2016	मेरठ कॉलेज, मेरठ	चौ० चरणसिंह वि०वि०	हिंदी, अंग्रेज़ी, इतिहास, अर्थशास्त्र	प्रथम	79%

अन्य संबंधित योग्यताएँ

- प्रूफरीडिंग का दो वर्ष का अनुभव
- कंप्यूटर का ज्ञान

उपलब्धियाँ

- भाषण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार
- विद्यालय की बॉस्केट बॉल टीम का सदस्य

कार्येतर गतिविधियाँ

- पत्र-पत्रिकाओं का पाठन
- संगीत का शौक

वैसे प्रतिष्ठित व्यक्तियों का विवरण, जो मेरी योग्यताओं एवं क्षमताओं से परिचित हैं।

- श्री एम०एस० रावत, प्रबंधक, अरिहंत पब्लिकेशन, मेरठ।
- श्री ओ०पी० वर्मा, प्रोफेसर, मेरठ कॉलेज, मेरठ।

उद्घोषणा

मैं प्रमाणित करता हूँ कि उपर्युक्त सभी सूचनाएँ सत्य हैं।

दिनांक – 7-10-20XX

स्थान – मेरठ

हस्ताक्षर

(रजत)

7. **बैंकिंग सेवा भर्ती बोर्ड, दिल्ली के सचिव को लिपिक पद हेतु आवेदन करते हुए स्ववृत्त-लेखन कीजिए।**

सेवा में,

सचिव,

बैंकिंग सेवा भर्ती बोर्ड,

दिल्ली।

विषय : लिपिक पद हेतु आवेदन।

महोदय,

10 जनवरी, 20XX के दैनिक समाचार-पत्र 'अमर उजाला' में आपके द्वारा विज्ञापित विज्ञापन क्रमांक 271 के अनुसार, लिपिक पद हेतु आवेदन वांछित हैं। तद्नुसार उक्त पद हेतु मैं अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत करता हूँ। मेरा स्ववृत्त इस प्रकार है–

स्ववृत्त

नाम	:	महेश्वर प्रसाद
पिता का नाम	:	श्री राजेश्वर प्रसाद
माता का नाम	:	श्रीमती सरस्वती देवी
जन्मतिथि	:	13-9-1994
वर्तमान पता	:	डी-72, मयूर विहार, फेज-I, दिल्ली-110092
स्थायी पता	:	उपर्युक्त
दूरभाष नं०	:	011-323722XX
मोबाइल नं०	:	97559963XX
ई-मेल पता	:	35mprasad@yahoo.com

शैक्षणिक योग्यताएँ :

क्रम संख्या	परीक्षा/डिग्री/डिप्लोमा	वर्ष	संस्था	बोर्ड/ विश्वविद्यालय	विषय	श्रेणी	प्राप्तांक प्रतिशत
1.	दसवीं	2010	राजकीय विद्यालय	सी०बी०एस०ई०	हिंदी, अंग्रेज़ी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान	प्रथम	92%
2.	बारहवीं	2012	राजकीय विद्यालय	सी०बी०एस०ई०	हिंदी, अंग्रेज़ी, गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान	प्रथम	90%

अन्य संबंधित योग्यताएँ

- हिंदी, अंग्रेज़ी टंकण का ज्ञान
- कंप्यूटर का एक वर्ष का डिप्लोमा कोर्स

उपलब्धियाँ

- निबंध-लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार
- वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार

कार्येतर गतिविधियाँ

- क्रिकेट में अभिरुचि
- पर्यटन का शौक

वैसे प्रतिष्ठित व्यक्तियों का विवरण, जो मेरी योग्यताओं और क्षमताओं से परिचित हैं–

- श्री जे०एस० पाठक, प्रधानाचार्य, राजकीय विद्यालय, दिल्ली।

उद्घोषणा

मैं प्रमाणित करता हूँ कि उपर्युक्त सभी सूचनाएँ सत्य हैं।

दिनांक – 15-1-20XX

स्थान – दिल्ली

हस्ताक्षर

(महेश्वर प्रसाद)

8. **टाटा मोटर्स, लखनऊ को मैकेनिकल इंजीनियरों की आवश्यकता है। उसके लिए अपना आवेदन-पत्र प्रेषित करते हुए स्ववृत्त-लेखन कीजिए।**

सेवा में,

प्रबंधक,

टाटा मोटर्स,

एस-153, ट्रांसपोर्ट नगर,

लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

विषय : मैकेनिकल इंजीनियर के पद हेतु आवेदन।

महोदय,

15 जनवरी, 20XX के 'रोजगार समाचार' में आपके द्वारा विज्ञापित विज्ञापन क्रमांक 208 के संदर्भ में उक्त पद के लिए मैं अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत करता हूँ। मेरा स्ववृत्त इस प्रकार है–

स्ववृत्त

नाम	:	राजेश कुमार
पिता का नाम	:	श्री देवेंद्र कुमार
माता का नाम	:	श्रीमती कोमल देवी
जन्मतिथि	:	5-1-1994
वर्तमान पता	:	सी-99, सेक्टर-14, सोनीपत, हरियाणा।
स्थायी पता	:	उपर्युक्त
दूरभाष नं०	:	–
मोबाइल नं०	:	98977533XX
ई-मेल पता	:	135rajesh@yahoo.com

शैक्षणिक योग्यताएँ :

क्रम संख्या	परीक्षा/डिग्री/डिप्लोमा	वर्ष	संस्था	बोर्ड/ विश्वविद्यालय	विषय	श्रेणी	प्राप्तांक प्रतिशत
1.	दसवीं	2010	डी०ए०वी० स्कूल, सोनीपत	सी०बी०एस०ई०	हिंदी, अंग्रेज़ी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान	प्रथम	91%
2.	बारहवीं	2012	डी०ए०वी० स्कूल, सोनिपत	सी०बी०एस०ई०	हिंदी, अंग्रेज़ी, गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान	प्रथम	92%
3.	बी०टेक	2016	हिंदू कॉलेज सोनीपत	दीनबंधु छोटूराम यूनिवर्सिटी, मुरथल	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	प्रथम	85%

अन्य संबंधित योग्यताएँ

- कंप्यूटर का अच्छा ज्ञान
- मारुति शोरूम के सर्विस सेंटर में दो वर्ष का कार्यानुभव

उपलब्धियाँ

- विद्यालय की विज्ञान प्रदर्शनी में प्रथम पुरस्कार
- अखिल भारतीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार

कार्येतर गतिविधियाँ

- इंटरनेट सर्फिंग
- पर्यटन का शौक

वैसे प्रतिष्ठित व्यक्तियों का विवरण, जो मेरी योग्यताओं और क्षमताओं से परिचित हैं—

- श्री ध्रुव शर्मा, प्रोफ़ेसर, हिंदू कॉलेज, सोनीपत।

उद्घोषणा

मैं प्रमाणित करता हूँ कि उपर्युक्त सभी सूचनाएँ सत्य हैं।

दिनांक - 28-1-20XX

स्थान - सोनीपत

हस्ताक्षर

(राजेश कुमार)

9. एन०सी०ई०आर०टी०, नई दिल्ली में लिपिक पदों के रिक्त स्थानों को भरने के लिए समाचार-पत्र में विज्ञापन आया है। उस संदर्भ में सचिव के नाम अपना आवेदन प्रेषित करते हुए स्ववृत्त-लेखन कीजिए।

सेवा में,

सचिव,

एन०सी०ई०आर०टी०,

नई दिल्ली।

विषय : लिपिक पद हेतु आवेदन।

महोदय,

12 जनवरी, 20XX के 'रोजगार समाचार' में प्रकाशित विज्ञापन क्रमांक 313 के अनुसार, मैं उक्त पद के लिए अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर रहा हूँ। मेरा स्ववृत्त इस प्रकार है—

स्ववृत्त

नाम	:	सौरभ कुमार
पिता का नाम	:	श्री देव कुमार
माता का नाम	:	श्रीमती नीलम
जन्मतिथि	:	12-2-1995
वर्तमान पता	:	डी-44, विराट नगर, अंबाला, हरियाणा।
स्थायी पता	:	उपर्युक्त
दूरभाष नं०	:	–
मोबाइल नं०	:	84374153XX
ई-मेल पता	:	75skumar@gmail.com

शैक्षणिक योग्यताएँ :

क्रम संख्या	परीक्षा/डिग्री/डिप्लोमा	वर्ष	संस्था	बोर्ड/ विश्वविद्यालय	विषय	श्रेणी	प्राप्तांक प्रतिशत
1.	दसवीं	2010	डी०पी०एस० अंबाला	सी०बी०एस०ई०	हिंदी, अंग्रेज़ी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान	प्रथम	93%
2.	बारहवीं	2012	डी०पी०एस० अंबाला	सी०बी०एस०ई०	अंग्रेज़ी, कंप्यूटर, गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान	प्रथम	92%

अन्य संबंधित योग्यताएँ

- हिंदी, अंग्रेज़ी टंकण का ज्ञान
- कंप्यूटर का ज्ञान

उपलब्धियाँ

- विद्यालय की क्रिकेट टीम का कैप्टन
- अंतरजनपदीय भाषण प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार

कार्येतर गतिविधियाँ

- क्रिकेट का शौक
- पत्र-पत्रिकाओं का पाठन

वैसे प्रतिष्ठित व्यक्तियों का विवरण, जो मेरी योग्यताओं और क्षमताओं से परिचित हैं

- श्री डी०एस० तोमर, प्रधानाचार्य डी०पी०एस०, अंबाला।

उद्घोषणा

मैं प्रमाणित करता हूँ कि उपर्युक्त सभी सूचनाएँ सत्य हैं।

दिनांक – 22-1-20XX

स्थान – अंबाला

हस्ताक्षर

(सौरभ)

10. **'सुशीला गारमेंट प्रा०लि०' को सहायक प्रबंधक की आवश्यकता है। उक्त पद हेतु आवेदन-पत्र प्रेषित करते हुए स्ववृत्त-लेखन कीजिए।**

सेवा में,

निदेशक,

सुशीला गारमेंट प्रा० लि०

सेक्टर 62, नोएडा।

विषय : सहायक प्रबंधक हेतु आवेदन।

महोदय,

आज दिनांक 15-4-20XX को नवभारत टाइम्स के प्रातः संस्करण में प्रकाशित विज्ञापन से ज्ञात हुआ है कि आपकी प्रतिष्ठित कंपनी को सहायक प्रबंधक की आवश्यकता है। मैं इस पद के लिए अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत करता हूँ। मेरा स्ववृत्त इस प्रकार है–

स्ववृत्त

नाम	:	नीरज गुप्ता
पिता का नाम	:	श्री रमेश गुप्ता
माता का नाम	:	श्रीमती मिथलेश गुप्ता
जन्मतिथि	:	15-11-19XX
वर्तमान पता	:	सी-63, सेक्टर-8, रोहिणी, दिल्ली-110085।
स्थायी पता	:	उपर्युक्त
दूरभाष नं०	:	011-221782XX
मोबाइल नं०	:	9412517XXX
ई-मेल पता	:	115neeraj@yahoo.com

शैक्षणिक योग्यताएँ :

क्रम संख्या	परीक्षा/डिग्री/डिप्लोमा	वर्ष	संस्था	बोर्ड/ विश्वविद्यालय	विषय	श्रेणी	प्राप्तांक प्रतिशत
1.	दसवीं	1996	राजकीय उ० मा० विद्यालय	सी०बी०एस०ई०	हिंदी, अंग्रेज़ी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान	प्रथम	93%
2.	बारहवीं	1998	राजकीय उ० मा० विद्यालय	सी०बी०एस०ई०	अंग्रेज़ी, कंप्यूटर, गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान	प्रथम	91%
3.	बी०एससी० (आनर्स)	2001	रामजस कॉलेज	दिल्ली विश्वविद्यालय	कंप्यूटर साइंस	प्रथम	85%
4.	एम०बी०ए०	2003	आदर्श इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट	–	मार्केटिंग	प्रथम	86%

अन्य संबंधित योग्यताएँ

- वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड में तीन वर्ष का कार्यानुभव
- मार्केटिंग के विभिन्न सैद्धांतिक और व्यावहारिक पहलुओं का पूरा ज्ञान
- कंप्यूटर का अच्छा ज्ञान

उपलब्धियाँ

- गांधी स्मारक वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार
- विद्यालय की फुटबॉल टीम का कैप्टन
- कॉलेज के वार्षिकोत्सव में प्रस्तुत हिंदी नाटक में श्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार

कार्येतर गतिविधियाँ

- व्यापार और उद्योग संबंधी पत्र-पत्रिकाओं का नियमित पाठन
- वस्त्र डिज़ाइनिंग में अभिरुचि
- इंटरनेट सर्फिंग

वैसे प्रतिष्ठित व्यक्तियों का विवरण, जो मेरी योग्यताओं और क्षमताओं से परिचित हैं–

- श्री आर०के० तनेजा, प्रोफ़ेसर, रामजस कॉलेज, दिल्ली।
- श्री डी०के० गुप्ता, प्रबंधक, वर्धमान टेक्सटाइल प्रा०लि० लुधियाना।

उद्घोषणा

मैं प्रमाणित करता हूँ कि उपर्युक्त सभी सूचनाएँ सत्य हैं।

दिनांक – 20-4-20XX

स्थान – दिल्ली

हस्ताक्षर

(नीरज)

नोट–परीक्षा में स्ववृत्त-लेखन करते समय नाम, पता, दूरभाष आदि की गोपनीयता का निर्वाह अपेक्षित है।

ई-मेल-लेखन

पत्रों से हम सभी भली-भाँति परिचित हैं। अभी तक हम जो पत्र लिखते रहे हैं, वे डाकघर के माध्यम से हमें प्राप्त होते हैं। पत्र लिखने के बाद हम पत्र-पेटिका (Letter Box) में पत्र डालते हैं। वहाँ से डाकिया उन्हें एकत्र करके डाकघर लाता है। वहाँ उन पर लिखे पतों के अनुसार उनकी छँटाई होती है और फिर उन्हें स्थान के अनुसार अलग-अलग बोरों में भरकर संबंधित डाकघर तक भेजा जाता है। वहाँ से डाकिया पत्रों को लेकर संबंधित व्यक्ति तक उन्हें पहुँचाता है। इस सारी प्रक्रिया में कई दिन लग जाते हैं। कभी-कभी तो पत्र रास्ते में खो भी जाते हैं। पत्रों को क्षणभर में ही संबंधित व्यक्ति तक निश्चित रूप से पहुँचाने के लिए **ई-मेल** (E-mail) का जन्म हुआ।

ई-मेल का अर्थ

ई-मेल (E-mail) शब्द इलेक्ट्रॉनिक मेल शब्दों का संक्षिप्त रूप है। यह पत्र भेजने का सबसे आधुनिक और तीव्र (तेज़) माध्यम है। इसलिए हम इसे **तीव्रगामी** या **द्रुतगामी पत्र** भी कहते हैं। इसे डाकघर के माध्यम से नहीं, बल्कि कंप्यूटर या आधुनिक स्मार्ट मोबाइल फ़ोन के माध्यम से भेजा जाता है। यह सब सूचना और संप्रेषण तकनीक (Information and Communication Technology—ICT) के द्वारा संभव हुआ है। कंप्यूटर और मोबाइल फ़ोन ने इस क्षेत्र में क्रांति ला दी है।

ई-मेल
(E-mail)

आज घरों से लेकर सरकारी दफ़्तरों तक में इसका खूब प्रयोग किया जाता है। अब सभी कार्यालयों, न्यायालयों, स्कूल-कॉलेज़ों आदि में ई-मेल को सूचना भेजने तथा प्राप्त करने का आधिकारिक तरीका मान लिया गया है।

ई-मेल का इतिहास

अमेरिका के रे टॉमलिंसन को ई-मेल का आविष्कारक माना जाता है। इन्होंने सन् 1972 में पहला ई-मेल संदेश भेजा। यह संदेश रे टॉमलिंसन ने किसी अन्य को नहीं, बल्कि स्वयं को ही भेजा था।

सन् 1978 में भारतीय मूल के अमेरिकी वी०ए० शिवा अय्यदुरई ने एक कंप्यूटर कार्यक्रम (प्रोग्राम) तैयार किया, जिसे 'ई-मेल' कहा गया। इसमें इनबॉक्स, आउटबॉक्स, फोल्डर्स, मेमो, अटैचमेंट्स आदि विकल्प (ऑप्शंस) थे। 30 अगस्त, 1982 को अमेरिकी सरकार ने इन्हें आधिकारिक रूप से ई-मेल का आविष्कार करने वाले के रूप में मान्यता दे दी। इस प्रकार औपचारिक रूप से वी०ए० शिवा अय्यदुरई को 'ई-मेल' का आविष्कारक माना गया है।

ई-मेल के प्रकार

ई-मेल दो प्रकार का होता है–

1. वेब आधारित ई-मेल, 2. पॉप आधारित ई-मेल।

1. **वेब आधारित ई-मेल**–यह एक ऐसी ई-मेल सेवा है, जिसे कुछ व्यावसायिक कंपनियाँ अपनी वेबसाइट पर उपयोगकर्ता को निःशुल्क उपलब्ध कराती हैं। इनमें हॉटमेल, याहू मेल, आउटलुक, जीमेल, रेडिफ़मेल आदि मुख्य हैं। इसके लिए पहले आपको उस वेबसाइट पर अपना ई-मेल खाता बनाना पड़ता है। तब वह वेबसाइट आपको एक लॉगिन नेम (Login Name) और पासवर्ड (Password) देती है। इनका उपयोग करके आप अपने ई-मेल खाते को खोल सकते हैं और वहाँ से ई-मेल भेज सकते हैं तथा प्राप्त कर सकते हैं।
2. **पॉप आधारित ई-मेल**–पॉप (POP) का अर्थ है–पोस्ट ऑफिस प्रोटोकॉल। यह एक ऐसा नियमबद्ध शिष्टाचार (प्रोटोकॉल) है, जो वेब सर्वरों द्वारा अपनाया जाता है। जब आप किसी इंटरनेट सेवा प्रदाता कंपनी से कनेक्शन लेते हैं, तो लॉगिन यूज़रनेम और पासवर्ड के साथ ही आपको एक ई-मेल खाता भी दिया जाता है। यह खाता एक प्रकार का मेल-बॉक्स (Mail Box) है, जिसमें आपके नाम आई सभी ई-मेल को रखा जाता है। दिए गए पासवर्ड का उपयोग करके आप इस ई-मेल बॉक्स को खोल सकते हैं और अपने नाम आई सभी ई-मेल को इंटरनेट सेवा प्रदाता कंपनी के सर्वर से अपने कंप्यूटर में डाउनलोड कर सकते हैं। बाद में आप कभी भी उस ई-मेल को पढ़ सकते हैं। डाउनलोड की हुई ई-मेल को पढ़ने के लिए कंप्यूटर को इंटरनेट से जोड़े रखना आवश्यक नहीं होता, बल्कि उसे ऑफ़लाइन भी पढ़ा जा सकता है। इस ई-मेल खाते से आप ई-मेल भेज भी सकते हैं।

ई-मेल के मुख्य उद्देश्य और विशेषताएँ

ई-मेल के मुख्य उद्देश्य और विशेषताएँ इस प्रकार हैं–

- तेज़ गति से संदेश भेजना
- कम खर्च और कम समय में निश्चित रूप से संदेश भेजना।
- निजता को बनाए रखते हुए सुरक्षित रूप से संदेश भेजना।
- कागज़ एवं श्रम की बचत करना।
- कागज़ की बचत के कारण पर्यावरण का संरक्षण करना।
- असीमित पत्रों अथवा संदेशों को सर्वत्र वहन करने (लाने-ले-जाने) की सुविधा।
- कंप्यूटर के अलावा मोबाइल, लैपटॉप, टैब आदि के द्वारा संदेश भेजना आसान।

ई-मेल के लिए ज़रूरी साधन

ई-मेल के लिए निम्नलिखित साधनों की आवश्यकता पड़ती है–

1. **कंप्यूटर या मोबाइल**–ई-मेल के लिए कंप्यूटर या आधुनिक स्मार्ट मोबाइल की आवश्यकता होती है। लैपटॉप या टैबलेट में भी इसे आसानी से चलाया जा सकता है।

2. **इंटरनेट कनेक्शन**–ई-मेल के लिए इंटरनेट कनेक्शन की आवश्यकता होती है। यह कनेक्शन हमारे कंप्यूटर या मोबाइल आदि से अवश्य जुड़ा होना चाहिए। कनेक्शन के साथ इंटरनेट की उचित गति भी इसके लिए ज़रूरी है।
3. **ई-मेल अकाउंट**–ई-मेल भेजने और प्राप्त करने के लिए ई-मेल भेजने वाले और ई-मेल प्राप्त करने वाले का ई-मेल अकाउंट होना आवश्यक है। एक तरह से यह ई-मेल अकाउंट ही हमारा ई-मेल का पता (E-mail ID) होता है।

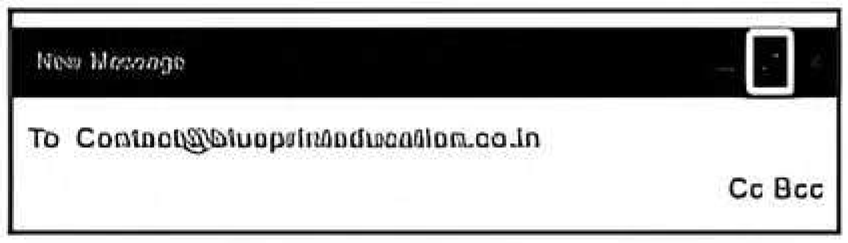

ई-मेल और पत्र में अंतर

उद्देश्य और विषयवस्तु की दृष्टि से पत्र और ई-मेल में कोई विशेष अंतर नहीं है। इन दोनों में सबसे मुख्य अंतर केवल माध्यम का है। पत्र को हम कागज़ पर लिखते हैं और ई-मेल को कंप्यूटर या मोबाइल पर लिखते हैं। जिस प्रकार एक साधारण पत्र में पहले पाने वाले (Receiver) का नाम, पता (Address) लिखना होता है, उसके पश्चात् संदेश (Message) और फिर उसके नीचे भेजने वाले (Sender) का नाम लिखते हैं। उसी प्रकार ई-मेल में भी प्राप्त करने वाले का नाम, पता (E-mail ID) और संदेश लिखना पड़ता है। इसमें ई-मेल भेजने वाले का पता अपने आप ही पाने वाले के पास पहुँच जाता है।

ई-मेल अकाउंट का आशय और ई-मेल अकाउंट बनाना

ई-मेल अकाउंट

हम एक-दूसरे को भौतिक रूप से उसके नाम और उसके रहने के स्थान यानि पते (Address) से जानते हैं। हमें जब किसी व्यक्ति विशेष से कोई काम पड़ता है तो हम उस व्यक्ति विशेष से उसके रहने के स्थान पर संपर्क करते हैं या फिर उसके पते पर पत्र लिखते हैं। ठीक इसी तरह से ई-मेल भेजने तथा प्राप्त करने के लिए भी एक पते (Address) की ज़रूरत होती है, जिस पर मेल (संदेश/पत्र) आएँ और यहाँ से चले जाएँ। इस पते को ही इंटरनेट की दुनिया में E-mail ID कहते हैं। यह ई-मेल पता ही हमारा ई-मेल अकाउंट होता है।

ई-मेल अकाउंट बनाना

ई-मेल अकाउंट बनाने के लिए हमें सबसे पहले अपने कंप्यूटर या मोबाइल में ब्राउज़र (क्रोम, मोज़िला आदि) में जाना पड़ता है। जीमेल, आउटलुक, याहू, हॉटमेल, रेडिफ़मेल आदि कुछ मुख्य मेल साइटें हैं। इनमें से किसी भी साइट का प्रयोग करते हुए, हम अपना ई-मेल अकाउंट बना सकते हैं। ई-मेल अकाउंट बनाने के लिए हम इन साइटों में से किसी एक का पता डालते हैं। यदि हम जीमेल पर अपना ई-मेल अकाउंट बनाना चाहते हैं तो गूगल को खोलकर उस पर (http://www.new-google-account/) लिखकर क्लिक करते या एंटर दबा देते हैं तो हमारे सामने दिखाए गए पेज़ की तरह एक पेज़ खुलता है–इस पेज़ पर माँगी गई सभी सूचनाओं को भरकर लगातार आगे बढ़ते हैं। आखिर में हमें एक ई-मेल आई०डी० (ई-मेल पता) मिलती है। जो कुछ इस तरह होती है–dr.avneeshkumarakela@gmail.com एक तरह से यह ई-मेल पता ही हमारा ई-मेल अकाउंट होता है।

ई-मेल अकाउंट बनाने की इस प्रक्रिया को बिंदुवार क्रमशः इस प्रकार समझ सकते हैं–

- Internet Explorer, Google Chrome, Mozilla Firefox आदि में से किसी एक को खोलें।
- वेब ब्राउज़र के पते पर www.gmail.com या yahoo.com आदि लिखें।

- Create Account बटन को दबाएँ।
- सामने आपकी जानकारी माँगता एक पृष्ठ खुलेगा।
- उसमें सारी जानकारी भरें। Next पर Click करते जाएँ।
- एक स्थान पर आपका फ़ोन नंबर माँगा जाएगा। उसी नंबर पर Code भेजा जाएगा।
- उस Code को लिखकर Continue पर Click करें।
- आपका Account आपके सामने होगा; जैसे– dr.avneeshkumarakela@gmail.com

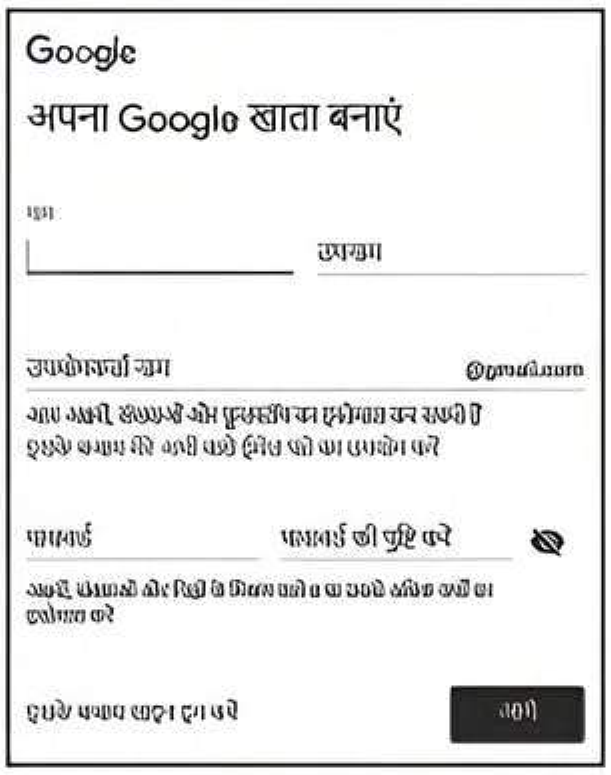

ई-मेल भेजना

ई-मेल पर संदेश भेजने के लिए हमें निम्नलिखित क्रियाएँ करनी होती हैं–

पहली क्रिया – सबसे पहले हम अपना मेल (जीमेल, याहू, आउटलुक, हॉटमेल, रेडिफ़मेल आदि) अकाउंट खोलते हैं।

दूसरी क्रिया – दूसरी क्रिया में हमें निम्नलिखित को समझना और भरना पड़ता है–

(i) **To**–यहाँ पर हमें उस व्यक्ति का ई-मेल पता लिखना होता है, जिसको हम ई-मेल भेजते हैं।

(ii) **Cc (Carbon copy)**–मुख्य ई-मेल प्राप्तकर्त्ता के अलावा हम जिन-जिन लोगों को वह मेल भेजना चाहते हैं, उनके ई-मेल पते यहाँ लिखते हैं। इसके द्वारा हम अधिक-से-अधिक लोगों को एक बार में ही ई-मेल भेज सकते हैं।

(iii) **Bcc (Blind carbon copy)**–यहाँ पर हम उन लोगों के ई-मेल का पता लिखते हैं, जिन्हें हम कोई मेल भेजना तो चाहते हैं, किंतु ई-मेल के मुख्य प्राप्तकर्त्ता को यह नहीं बताना चाहते कि वह ई-मेल उसके अलावा और किन-किन लोगों को भेजी गई है। इसके द्वारा भी हम एक ही बार में अधिक-से-अधिक लोगों को ई-मेल भेज सकते हैं।

(iv) **Subject (विषय)**–इसमें हम ई-मेल द्वारा भेजे जाने वाले संदेश का विषय लिखते हैं।

तीसरी क्रिया – विषय के रूप में अपना ई-मेल लिखने के लिए हम Compose का चयन करते हैं। ऐसा करने पर एक नई विंडो खुलती है, जिसमें हम ई-मेल लिखना आरंभ करते हैं।

चौथी क्रिया – ई-मेल के द्वारा भेजा जाने वाला संदेश लिखकर पूर्ण करते हैं।

पाँचवीं क्रिया – संदेश लिख चुकने के पश्चात् Send का चयन करते हैं। Send पर क्लिक करते ही हमारा ई-मेल द्वारा भेजा गया संदेश To, Cc तथा Bcc में लिखे पतों पर चला जाता है। हमारे द्वारा भेजे गए सभी संदेशों की कॉपी Sent फोल्डर में जमा होती रहती है।

ई-मेल के द्वारा हम लिखित संदेश के अलावा कोई फ़ोटो, चित्र ऑडियो और वीडियो आदि भी भेज सकते हैं। ये चीज़ें हम Attachment के द्वारा अपने कंप्यूटर में स्थित संबंधित फाइल को Attach करके भेजते हैं।

ई-मेल-लेखन के प्रकार

पत्र-लेखन की तरह ई-मेल-लेखन भी दो प्रकार का होता है–

(क) **औपचारिक ई-मेल-लेखन**–अधिकारियों, कंपनियों, प्रकाशकों, विक्रेताओं आदि को किया जाने वाला ई-मेल-लेखन औपचारिक ई-मेल-लेखन कहलाता है।

(ख) **अनौपचारिक ई-मेल-लेखन**–सगे-संबंधियों और मित्रों आदि को किया जाने वाला ई-मेल-लेखन अनौपचारिक ई-मेल-लेखन कहलाता है।

ई-मेल-लेखन का प्रारूप

प्रेषक (From)	....	← भेजने वाले का ई-मेल पता
प्राप्तकर्त्ता (To)	I	← मुख्य प्राप्तकर्त्ता का ई-मेल पता
	Cc	← कार्बन कॉपी प्राप्तकर्ता
	Bcc	← ब्लाइंड कार्बन कॉपी प्राप्तकर्ता
विषय (Subject)	....	← संदेश का विषय
संदेश (E-mail)	....	← संदेश की विषयवस्तु

ई-मेल-लेखन में ई-मेल भेजने वाले का ई-मेल पता और दिनांक स्वतः प्राप्तकर्ता के पास पहुँच जाता है; अतः उसे लिखने की आवश्यकता नहीं होती है।

ई-मेल-लेखन के कुछ उदाहरण

निर्देश–*निम्नलिखित प्रत्येक विषय पर लगभग 80 शब्दों में ई-मेल-लेखन कीजिए–*

1. ग्रीष्मावकाश में विद्यालय में नाट्य-प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने का अनुरोध करते हुए प्रधानाचार्य को ई-मेल लिखिए।

From	abc@gmail.com
To	sdschool@gmail.com Cc Bcc
Subject	विद्यालय में नाट्य – प्रशिक्षण शिविर के आयोजन हेतु।

मान्यवर,
मैं आपके विद्यालय की कक्षा दसवीं का छात्र हूँ। 1 जून से विद्यालय में ग्रीष्मावकाश प्रारंभ हो रहा है। इस अवकाश में विद्यालय ने 'समर कैंप' के अंतर्गत अनेक गतिविधियों का आयोजन किया है। अनेक छात्र इन गतिविधियों में सम्मिलित हो रहे हैं। मेरा आपसे अनुरोध है कि ग्रीष्मावकाश में नाट्य-प्रशिक्षण शिविर का भी आयोजन किया जाए। विद्यालय के बहुत-से छात्र इस कला को सीखना चाहते हैं। सी०बी०एस०ई० ने भी नाटक को भाषा की मुख्य गतिविधि में सम्मिलित किया है; अतः ग्रीष्मावकाश में नाट्य प्रशिक्षण शिविर का आयोजन कराने की कृपा करें।
धन्यवाद।
आपका आज्ञाकारी शिष्य
अ०ब०स०

2. अपने बड़े भाई के विवाह में सम्मिलित होने के लिए चार दिन के अवकाश हेतु प्रधानाचार्य को ई-मेल लिखिए।

From	abc@gmail.com
To	sjschool@gmail.com Cc Bcc
Subject	चार दिन अवकाश हेतु।

महोदय,
मैं आपके विद्यालय की कक्षा दसवीं 'ब' का छात्र हूँ। मेरे बड़े भाई का विवाह 3 दिसंबर, 20XX को होना निश्चित हुआ है। इसमें सम्मिलित होने के कारण मैं चार दिन तक विद्यालय नहीं आ सकूँगा; अतः आप मुझे दिनांक 1-12-20XX से 4-12-20XX तक का अवकाश प्रदान करें। आपकी अति कृपा होगी।
धन्यवाद।
भवदीय
अ० ब० स०

3. **भ्रामक विज्ञापन से परिवार को हुई आर्थिक हानि की शिकायत करते हुए समाचार-पत्र के संपादक को ई-मेल लिखिए।**

From	abc@gmail.com	
To	jagran@gmail.com	Cc Bcc
Subject	भ्रामक विज्ञापन से हुई आर्थिक हानि के विषय में।	

महोदय,

आपके प्रतिष्ठित समाचार-पत्र में जोड़ों के दर्द के लिए 'संधि पीड़ांतक हर्बल तेल' का विज्ञापन छपा था। उसमें बताई गई विशेषताओं से प्रभावित होकर हमने अपनी दादी जी के लिए वह तेल मँगवा लिया। उसकी कीमत '₹ 4,000 थी। प्रयोग करने पर पता चला कि वह केवल सरसों का तेल है, जिसमें कोई सुगंधित वस्तु और तीव्र जलन पैदा करने वाला कोई रसायन मिलाया गया है। उसके प्रयोग से दर्द में तो कोई राहत मिली नहीं उल्टा उनके हाथ-पैरों में फफोले और पड़ गए। इस भ्रामक विज्ञापन के कारण हमारे परिवार को, जहाँ आर्थिक नुकसान हुआ, वहीं दादी जी को हुई पीड़ा के कारण हमारे सारे परिवार को मानसिक पीड़ा भी झेलनी पड़ी। आपसे निवेदन है कि आप अपने प्रतिष्ठित समाचार-पत्र में ऐसे भ्रामक विज्ञापन न छापें और इनकी धोखाधड़ी के विषय में विस्तार से छापकर इनका भँडाफोड़ अवश्य करें, इससे समाचार-पत्र की विश्वसनीयता और दृढ़ होगी।

धन्यवाद।

भवदीय

अ०ब०स०

4. **पाठ्यक्रम का बोझ कम करने के लिए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष को ई-मेल लिखिए।**

From	abc@gmail.com	
To	xyzcbse@gmail.com	Cc Bcc
Subject	पाठ्यक्रम का बोझ कम करने हेतु।	

महोदय,

मैं आपके बोर्ड से संबद्ध एक विद्यालय का दसवीं कक्षा का छात्र हूँ। इस ई-मेल के द्वारा मैं आपका ध्यान दसवीं कक्षा के बोझिल पाठ्यक्रम की ओर दिलाना चाहता हूँ। दसवीं कक्षा के सभी विषयों की तीन-तीन पुस्तकें हैं, जिनमें पाठों की संख्या बहुत अधिक है। प्रत्येक विषय का परियोजना-कार्य और शिक्षेतर गतिविधियाँ इससे अलग हैं। यह पाठ्यक्रम इतना विस्तृत है कि पूरा वर्ष मारा-मारी करने पर भी पूरा नहीं होता। इस पाठ्यक्रम के बोझ से छात्र और शिक्षक दोनों ही तनाव में रहते हैं।

आपसे निवेदन है कि पाठ्यक्रम का यह बोझ कुछ कम किया जाए और इसे अधिक रुचिकर और उपयोगी बनाया जाए। इससे हम छात्रों का तनाव कम होगा और हम इसका रुचिपूर्ण अध्ययन कर सकेंगे।

धन्यवाद।

भवदीय

अ०ब०स०

5. **किसी दैनिक समाचार-पत्र में प्रकाशित लेख पर 'आपकी चिट्ठी' स्तंभ में छापने के लिए अपने विचार लगभग 80 शब्दों में संपादक को ई-मेल द्वारा भेजिए।** ***(CBSE 2023)***

From	abc@gmail.com	
To	jagran@gmail.com	Cc Bcc
Subject	विचार छापने के विषय में।	

महोदय,

22 नवंबर, 20XX को आपके लोकप्रिय समाचार-पत्र दैनिक जागरण में प्रकाशित लेख 'नारी शक्ति' पढ़ा। पढ़कर हृदय गद्‌गद् हो गया। इस लेख में लेखक ने भारतीय नारी की बदलती स्थिति का बहुत प्रभावशाली वर्णन किया है। लेख भारतीय बालिकाओं के लिए अत्यंत प्रेरणाप्रद है। इसके लिए लेखक प्रशंसा के पात्र हैं। आप मेरे ये विचार 'आपकी चिट्ठी' स्तंभ में छापने का कष्ट करें, ताकि लेखक को प्रोत्साहन मिले।

धन्यवाद।

भवदीय

अ०ब०स०

6. **अपने क्षेत्र के विधायक को क्षेत्र के एकमात्र सरकारी अस्पताल की अव्यवस्था को सुधारने के लिए ई-मेल लिखिए।**

From	abc@gmail.com	
To	abcmla@gmail.com	Cc Bcc
Subject	सरकारी अस्पताल की अव्यवस्था के विषय में।	

महोदय,

मैं आपके क्षेत्र का एक जागरूक नागरिक हूँ और इस ई-मेल के द्वारा आपका ध्यान अपने क्षेत्र के एकमात्र सरकारी अस्पताल की अव्यवस्था की ओर दिलाना चाहता हूँ। अस्पताल में चिकित्सक सप्ताह में केवल एक या दो बार ही आते हैं। जाँच के लिए अस्पताल में सभी उपकरण हैं, लेकिन मरीज़ों को बाहर से जाँच कराने के लिए कहा जाता है। जो दवाइयाँ अस्पताल से मिलनी चाहिए, वे भी मरीज़ों को बाहर से खरीदनी पड़ती हैं। चिकित्सक सारी दवाइयाँ बाहर के मेडिकल स्टोर पर बेच देते हैं। अस्पताल में साफ-सफाई की भी कोई व्यवस्था नहीं है। आपसे अनुरोध है कि अपने प्रभाव का प्रयोग करके अस्पताल की व्यवस्था ठीक कराएँ, जिससे क्षेत्रवासियों को चिकित्सा सुविधा मिल सके।

धन्यवाद।

भवदीय

अ०ब०स०

7. **आपका नाम सुनीता/सुरेश है। आप राजेंद्र नगर के निवासी हैं। पिछले कुछ दिनों से आपके क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति अव्यवस्थित है। अपने क्षेत्र में अनियमित विद्युत आपूर्ति की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए राज्य विद्युत आपूर्ति निगम के महानिदेशक के नाम लगभग 80 शब्दों में एक शिकायती ई-मेल लिखिए।** ***(CBSE SQP 2023-24)***

From	suresh@gmail.com	
To	director@gmail.com	Cc Bcc
Subject	विद्युत आपूर्ति में अव्यवस्था।	

महोदय,

हमारे क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति सुचारू रूप में नहीं हो रही है। कई-कई घंटों की कटौती की जा रही है। भीषण गरमी से लोगों का बुरा हाल है। रात में अँधेरा होने के कारण। चोरी की कई घटनाएँ हो चुकी हैं। इन दिनों विद्यार्थियों की परीक्षाएँ भी चल रही हैं। बिजली के बिना वे परीक्षा की तैयारी नहीं कर पा रहे हैं। आपसे प्रार्थना है कि उचित कार्यवाही करके विद्युत आपूर्ति को सुचारू करने की कृपा करें।

धन्यवाद।

भवदीय।

सुरेश

8. **आप बरेली क्षेत्र के निवासी हैं। अपने क्षेत्र में पेड़ों के अनियंत्रित कटान को रोकने के लिए जिलाधिकारी को ई-मेल लिखिए।**

From	abc@gmail.com	
To	abcdm@gmail.com	Cc Bcc
Subject	पेड़ों के अनियंत्रित कटान को रोकने हेतु।	

महोदय,
मैं बरेली क्षेत्र का निवासी हूँ। इस ई-मेल के द्वारा आपका ध्यान अपने क्षेत्र में हो रहे वृक्षों के अनियंत्रित कटान की ओर दिलाना चाहता हूँ। यहाँ बिना अनुमति के वृक्षों की अंधाधुंध कटाई की जा रही है। इससे क्षेत्र की हरियाली समाप्त हो रही है और पर्यावरण प्रदूषण बढ़ रहा है। आपसे अनुरोध है कि क्षेत्र की हरियाली की रक्षा के लिए वृक्षों की कटाई पर शीघ्र कड़ा प्रतिबंध लगाएँ। आपकी अति कृपा होगी।
धन्यवाद।
भवदीय
अ०ब०स०

9. आप दीपक/दीपिका हैं। आपके बड़े भाई/बहिन का विवाह जून माह की 10 तारीख को होना निश्चित हुआ है। विदेश में रहने वाले अपने मित्र के लिए लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल निमंत्रण-पत्र तैयार कीजिए। *(CBSE 2023)*

From	deepak@gmail.com	
To	rahul@gmail.com	Cc Bcc
Subject	बड़े भाई के विवाह का निमंत्रण।	

प्रिय राहुल,
आपको यह जानकर हर्ष होगा कि मेरे बड़े भाई का विवाह 10 जून, 20XX को होना निश्चित हुआ है। इस अवसर पर आप परिवार सहित आमंत्रित हैं। आप दो दिन पूर्व आ जाना। मुझे अपने आने की सूचना अवश्य देना। मैं हवाई अड्डे पर आपको लेने आ जाऊँगा।
आपका मित्र
दीपक

10. विद्यालय में दसवीं कक्षा की परीक्षा से पूर्व अध्यापन की अच्छी व्यवस्था कराने के लिए प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों को कृतज्ञता व्यक्त करते हुए ई-मेल लिखिए।

From	abc@gmail.com	
To	davprincipal@gmail.com	Bcc
Cc	xyz@gmail.com	
Subject	पढ़ाई की अच्छी व्यवस्था के लिए कृतज्ञता-ज्ञापन।	

मान्यवर,
अगले महीने बोर्ड की परीक्षाएँ आरंभ होने वाली हैं। आपने परीक्षा से पूर्व सभी विषयों के अध्यापन की जो विशेष व्यवस्था की है, उसके लिए मैं आपका और सभी अध्यापकों का आभार व्यक्त करता हूँ। सभी अध्यापकगण हमें अतिरिक्त समय में महत्त्वपूर्ण प्रश्नों का अभ्यास करा रहे हैं और हमारी विषय संबंधी समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। इस अतिरिक्त तैयारी से हमें विश्वास हो गया है कि हम सभी विद्यार्थी परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करेंगे। इस अनुकंपा के लिए मैं सभी विद्यार्थियों की ओर से एक बार पुनः आपका आभार प्रकट करता हूँ।
धन्यवाद सहित।
आपका आज्ञाकारी शिष्य
अ०ब०स०
दसवीं 'ब'

11. चैक बुक खो जाने की सूचना देते हुए बैंक प्रबंधक को ई-मेल लिखिए।

From	abc@gmail.com	
To	pnb@gmail.com	Cc Bcc
Subject	चैक बुक खो जाने की सूचना देने हेतु।	

महोदय,
आपकी बैंक शाखा में मेरा बचत खाता संख्या एम-5275XXXXXXX है। मेरी चैक बुक कहीं खो गई है। उसमें चैक संख्या 627XX से 627XX तक आठ चैक बचे हैं। कृपया इन चैकों के भुगतान पर प्रतिबंध लगाने का कष्ट करें, जिससे कोई इनका दुरुपयोग न कर सके।
धन्यवाद।
भवदीय
अ०ब०स०

12. नगर में बढ़ रही कोरोना रोगियों की संख्या के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी को ई-मेल लिखिए।

From	abc@gmail.com	
To	cmo@gmail.com	Cc Bcc
Subject	नगर में बढ़ रही कोरोना रोगियों की संख्या के विषय में।	

महोदय,
हमारे नगर से कोरोना पूर्णतः समाप्त हो गया था, लेकिन विगत चार दिनों से पुनः कोरोना रोगियों की संख्या बढ़ रही है। यह चिंता का विषय है। इसका कारण यह है कि लोगों ने मास्क पहना, दो गज की दूरी रखना, सेनिटाइज़र का प्रयोग करना आदि कोरोना से बचाव के नियमों को ताक पर रख दिया है।
आपसे अनुरोध है कि लोगों से कोरोना बचाव के नियमों का कड़ाई से पालन कराया जाए और टीकाकरण की गति को तेज़ किया जाए; ताकि इस भयानक बीमारी पर नियंत्रण हो सके।
धन्यवाद।
भवदीय
अ०ब०स०

13. आप कुछ दिनों के लिए विदेश जा रहे हैं। इस दौरान आने वाली अपनी डाक को डाकघर में ही सँभालकर रखने के लिए प्रार्थना करते हुए डाकपाल को ई-मेल लिखिए।

From	abc@gmail.com	
To	Postmaster@gmail.com	Cc Bcc
Subject	डाक सँभालकर रखने के विषय में।	

महोदय,
मैं अतुल गोयल, 225, शारदा नगर, प्रयाग का निवासी हूँ। मुझे मेरे सभी पत्र आपके डाकघर के द्वारा ही प्राप्त होते हैं। मैं 1 जून से 30 जून तक विदेश यात्रा पर जा रहा हूँ। आपसे निवेदन है कि इस समय के बीच मेरी जो भी डाक आए, उसे डाकघर में ही सँभालकर रखा जाए। यात्रा से वापस आने पर मैं स्वयं आकर अपनी डाक ले लूँगा।
धन्यवाद।
भवदीय
अ०ब०स०

14. नव प्रकाशित पुस्तकें मँगवाने के लिए नेशनल बुक ट्रस्ट को ई-मेल लिखिए।

From	abc@gmail.com	
To	nationalbook@gmail.com	Cc Bcc
Subject	नव प्रकाशित पुस्तकें मँगवाने हेतु।	

महोदय,
आपके प्रशासन से कुछ नई पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं। मैं इन नई पुस्तकों में से कुछ पुस्तकें मँगवाना चाहता हूँ। उचित कमीशन काटकर पुस्तकें वी०पी०पी० द्वारा मेरे पते पर भेजने की कृपा करें। मैं पाँच सौ रुपये अग्रिम भेज रहा हूँ। पुस्तकों की सूची निम्नलिखित है–

1. सफलता के सूत्र – देवधर -1 प्रति
2. उभरता भारत – ए०के० पाटिल -1 प्रति
3. फूल और काँटे – सुरेंद्र -1 प्रति

भवदीय
अ०ब०स०

विज्ञापन-लेखन

विज्ञापन के प्रकार

जिन आधारों पर विज्ञापनों के भेद किए जाते हैं, उनमें से प्रमुख आधार इस प्रकार हैं–

माध्यम के आधार पर
- प्रिंट मीडिया के विज्ञापन
- डिस्प्ले विज्ञापन
- वर्गीकृत विज्ञापन
- वर्गीकृत डिस्प्ले विज्ञापन
- समाचार विज्ञापन
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के विज्ञापन
- प्रायोजित विज्ञापन
- समय विज्ञापन
- चलचित्र विज्ञापन
- अन्य विज्ञापन

प्रस्तुतीकरण के आधार पर
- मौखिक विज्ञापन
- लिखित विज्ञापन

उद्देश्य के आधार पर
- सूचनाप्रद विज्ञापन
- अनुनेय विज्ञापन
- वित्तीय विज्ञापन
- संस्थानिक विज्ञापन
- वर्गीकृत विज्ञापन
- औद्योगिक विज्ञापन
- सरकारी विज्ञापन

विज्ञापन के अंग

- कॉपी (Body Text) - शीर्ष पंक्ति (Headline) - उपशीर्ष पंक्ति (Sub-headline) - विज्ञापन पाठ (Body copy) - चित्र (Illustration) - व्यापारिक चिह्न (Trademark) - सफेद जगह (White sheet) - बॉर्डर (Border) - भाषा (Language)।

निर्देश–*निम्नलिखित प्रत्येक विषय पर लगभग 60 शब्दों में विज्ञापन-लेखन कीजिए–*

1. **'अतिवृष्टि के कारण कुछ शहर बाढ़ ग्रस्त हैं। वहाँ के निवासियों की सहायतार्थ सामग्री एकत्र करने हेतु एक विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए।** *(CBSE 2019)*

   उत्तर :

आओ,
बाढ़ पीड़ितों की सहायता करें!

अतिवृष्टि के कारण बिहार के कुछ शहर बाढ़ ग्रस्त हो गए हैं। जन-धन की बहुत हानि हुई हैं। बाढ़ पीड़ितों की सहायतार्थ सामग्री एकत्र की जा रही हैं। सहायता हेतु दान देने के इच्छुक व्यक्ति निम्नलिखित पते पर संपर्क करें—

जन सेवा समिति, यमुना नगर
फ़ोन नं० 94125XXXXX , 989618XXXX

2. **'उमंग' नाम से लड़कियों के एक एन०जी०ओ० (NGO) का विज्ञापन तैयार कीजिए।**

   उत्तर :

3. पर्यावरण-विभाग की ओर से 'जल-संरक्षण' का आग्रह करते हुए विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर :

4. 'गंगोत्री' बोतल-बंद पानी का विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर :

5. 'पोलियो-उन्मूलन' का विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर :

6. 'ए-1 शहद' का विज्ञापन तैयार कीजिए। *(CBSE 2015)*

उत्तर :

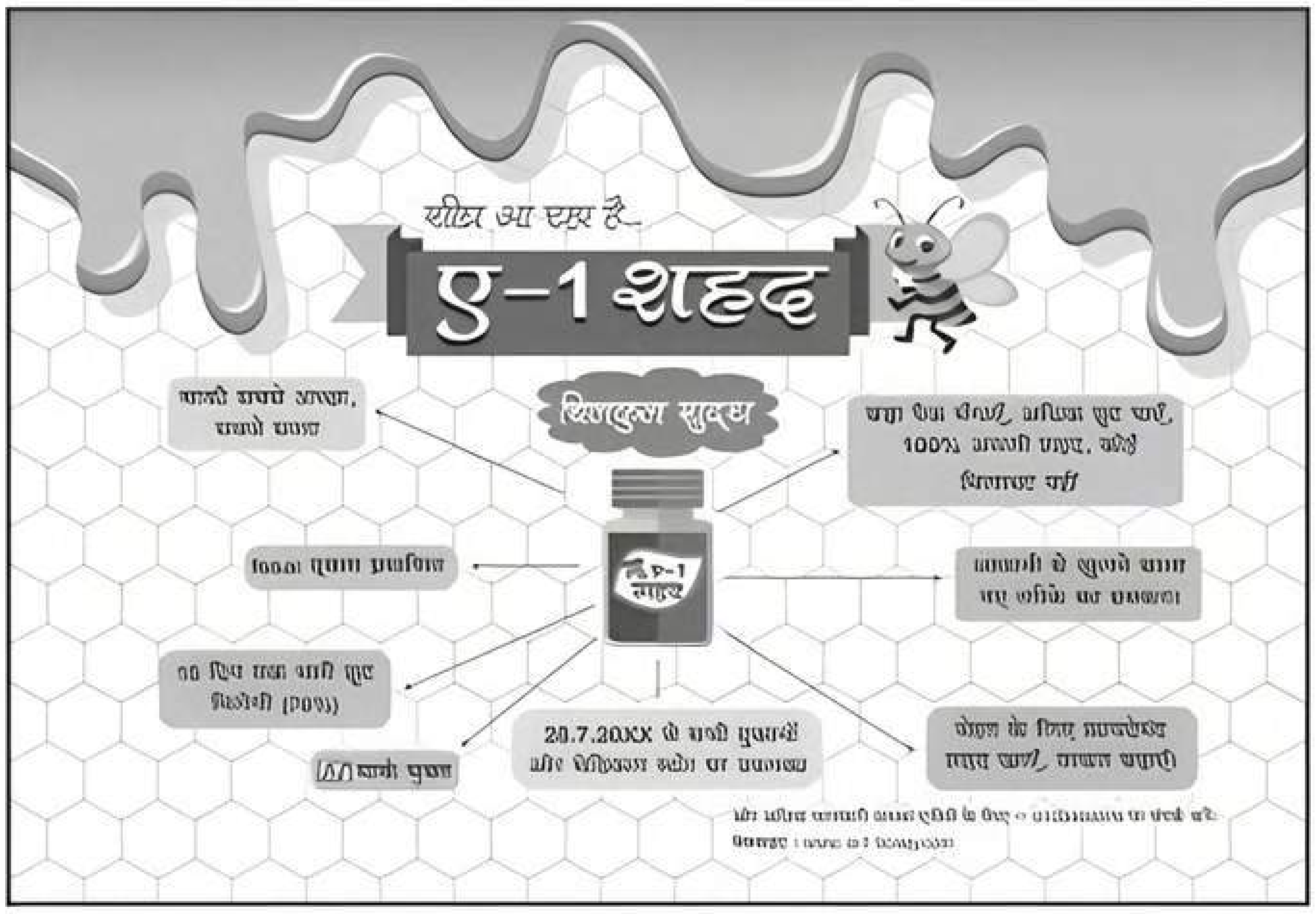

7. 'ऊर्जा संरक्षण' का विज्ञापन तैयार कीजिए। *(CBSE 2016)*

उत्तर :

8. भोजन से पहले तथा शौच के बाद हाथ धोने की जागरूकता फैलाने के लिए विज्ञापन तैयार कीजिए। *(CBSE 2017)*

उत्तर :

9. 'स्वच्छ भारत अभियान' का विज्ञापन तैयार कीजिए। *(CBSE 2017)*

उत्तर :

10. विद्यालय के वार्षिकोत्सव के अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा निर्मित हस्तकला की वस्तुओं की प्रदर्शनी के प्रचार हेतु लगभग 50 शब्दों में एक विज्ञापन लिखिए। *(CBSE 2018)*

उत्तर :

11. पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए लगभग 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। *(CBSE 2018, 20)*

उत्तर :

12. बॉल पेनों की एक कंपनी 'सफल' नाम से बाज़ार में आई है। उसके लिए एक विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए। *(CBSE 2019)*

उत्तर :

सफल बॉल पेन

'सफल' हो पास, तो मन में जागे विश्वास!

- आकर्षक रंग
- वाटरप्रूफ़ स्याही
- अविरल प्रवाह

खरीदने के लिए संपर्क करें—

सफल प्रा० लि०, दूरभाष नं० : 999615XXXX

13. नगर में आयोजित होने वाली भारत की सांस्कृतिक एकता प्रदर्शनी को देखने के लिए लोगों को आमंत्रित करते हुए 25-50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। *(CBSE 2020)*

उत्तर :

भारत की

सांस्कृतिक एकता प्रदर्शनी

अनेकता में एकता, भारत की विशेषता।

सपरिवार आइए,
प्रदर्शनी का आनंद उठाइए।

विशेष आकर्षण—
- सभी राज्यों की झाँकियाँ
- लोकनृत्यों का प्रदर्शन
- कवि सम्मेलन

दिनांक : 12 सितंबर, 20XX

समय : प्रातः 10.00 बजे

स्थान : कलाभवन, सेक्टर-25, नोएडा।

14. आपको अपना फ़्लैट किराए पर देना है। इसके लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। *(CBSE SQP 2021)*

उत्तर :

मकान किराए पर उपलब्ध

120 गज क्षेत्रफल का
दो मंजिला मकान किराए पर उपलब्ध है।
प्रत्येक तल में दो बेडरूम, एक ड्राइंग
रूम, एक रसोईघर तथा शौचालय भी है।
किराया मात्र ₹ 10,000 मासिक।
वर्धमान प्लाजा के निकट
कमला नगर, दिल्ली।

संपर्क सूत्र-989715XXXX

15. आपकी दीदी ने संगीत कला केंद्र खोला है। इसके प्रचार-प्रसार के लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। *(CBSE SQP 2021)*

उत्तर :

संगीत सीखने के इच्छुक स्त्री-पुरुषों के लिए

खुशखबरी !!

संगीत सिखाने के लिए आपके शहर में खुल गई है।

सरगम एकेडमी

तबला, सितार, हारमोनियम एवं गिटार सिखाने की विशेष सुविधा।

कक्षाएँ-सुबह 9:00 से 12:00 तक
एवं
सायं 4:00 से 7:00 तक
स्थान-86, प्रीत विहार, कानपुर।
संपर्क सूत्र-091234567XX

भरतनाट्यम् और कत्थक सिखाने की सुविधा।

16. सामाजिक संस्था 'सवेरा' के नशा-मुक्ति जागरूकता अभियान के लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। *(CBSE SQP 2021)*

उत्तर :

SAVERA
NASHA MUKTI KENDRA

सवेरा

नशा-मुक्ति संस्थान

नशा है जीवन का अंत।
इससे मुक्ति पाओ तुरंत।।

हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि जो भी हमारे पास आएगा, उसके जीवन में नया सवेरा आएगा।

हमारे पास आइए। नशा-मुक्त हो जाइए।

संपर्क सूत्र-999817XXXX

17. आप अपना पुराना स्मार्ट फ़ोन बेचना चाहते हैं उससे संबंधित आकर्षक विज्ञापन लगभग 40 शब्दों में लिखिए। *(CBSE SQP 2021)*

उत्तर :

बिकाऊ है!

सैमसंग कंपनी का एक पुराना स्मार्ट फ़ोन

विशेषताएँ

- नया मॉडल
- शक्तिशाली कैमरा
- अधिकतम सुविधाएँ
- 8 GB में उपलब्ध

संपर्क सूत्र-98963132XX

18. महिलाओं की सहायता हेतु स्थापित संस्था 'सहयोगिनी' के प्रचार-प्रसार के लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।
(CBSE 2021)

उत्तर :

सहयोगिनी

महिला-सहयोगी संस्था

महिलाओं की सभी समस्याओं के समाधान
में सहयोग हेतु सदैव तत्पर!

सहयोगिनी के हाथ।
महिलाओं के साथ।

हमारे पास आइए, सुरक्षित हो जाइए।

संपर्क सूत्र-989763XXXX

19. 'नेत्रदान' के लिए प्रोत्साहित करने हेतु स्वास्थ्य मंत्रालय के लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।
(CBSE 2022 Term-2)

उत्तर :

नेत्रदान! महादान!

आप भी किसी के अंधकारमय जीवन में
उजाला कर सकते हैं।
जीवन का अमूल्य वरदान,
नेत्रहीन को नेत्रदान।

आओ नेत्रदान करें।
स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जनहित में जारी।

20. योग प्रशिक्षण केंद्र 'आरोग्य' के प्रचार-प्रसार के लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।
(CBSE 2022 Term-2)

उत्तर :

आरोग्य

योग प्रशिक्षण केंद्र

योग को अपनाइए, स्वस्थ जीवन बिताइए।

हमारे यहाँ प्रशिक्षित योग शिक्षकों
द्वारा योग का प्रशिक्षण
दिया जाता है।

समय : प्रातः 5:00 बजे से 7:00 बजे तक
सायं: 6:00 बजे से 7:00 बजे तक

संपर्क सूत्र-969815XXXX

21. आपके मित्र को स्टेशनरी की दुकान खोलनी है। उसके प्रचार के लिए लगभग 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए। *(CBSE 2023)*

उत्तर :

कोमल स्टेशनरी

हमारे यहाँ स्टेशनरी का सभी सामान
उचित मूल्य पर उपलब्ध है

कोमल स्टेशनरी है जिनके पास।
उनको रहता है खुद पर विश्वास।

आकर्षक उपहार

संपर्क सूत्र-9896332XXX

22. कोई कंपनी बाज़ार में नया क्रिकेट बैट लाना चाहती है। उसके प्रचार के लिए लगभग 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए। *(CBSE 2023)*

उत्तर :

राघव बैट

क्रिकेट की दुनिया का बादशाह

• आकर्षक • हल्का • मज़बूत • विश्वसनीय

राघव बैट जो लेकर आए।
रनों का अंबार लगाए।

एक बार अवश्य आजमाएँ

संपर्क सूत्र-राघव प्रा० लि० कंपनी। मो०-999666XXXX

संदेश-लेखन

संदेश का अर्थ

'संदेश' शब्द का अर्थ है–समाचार, सूचना, ख़बर, वृत्तांत आदि। वह कथन, जो लिखित या मौखिक रूप से एक व्यक्ति के द्वारा दूसरे व्यक्ति को भेजा जाता है, 'संदेश' कहलाता है। किसी महापुरुष, कथा या कविता के प्रेरणादायी विचार को भी संदेश कहते हैं। 'संदेश' संचार की एक विधि है, जो प्राचीनकाल से प्रचलित है।

संदेश के विविध माध्यम

संदेश भेजने की प्रथा बहुत प्राचीन है। प्राचीनकाल में लोग कबूतरों, दूतों और दूतिकाओं के द्वारा संदेश भेजते थे। एक राजा दूसरे राजा को त्वरित संदेश भेजने के लिए अपने निजी धावक (रनर) और अश्वारोही संदेश-वाहक रखता था। सन् 1753 ई० में वैज्ञानिक डॉ० माडीसन ने तार द्वारा संदेश भेजने की क्रिया का प्रतिपादन किया। अमेरिकी वैज्ञानिक सैमुएल एफ० बी० मार्स ने सन् 1844 ई० में इसे व्यावहारिक रूप प्रदान किया। इसके पश्चात् सन् 1876 ई० में ऐलेक्जेंडर ग्राहमबेल ने संदेश भेजने के लिए डॉट फ़ोन का आविष्कार किया। सन् 1947 ई० में यू० एस० में पहला मोबाइल फ़ोन बना। आम आदमी को सन् 1973 ई० में मोबाइल फ़ोन की सुविधा मिली। आज मोबाइल फ़ोन संदेश का सबसे अधिक प्रचलित और सर्वसुलभ साधन है।

संदेश-लेखन

किसी विशेष समय या अवसर पर किसी विशेष व्यक्ति या समूह के लिए लिखकर भेजी जाने वाली संक्षिप्त सूचना 'संदेश-लेखन' कहलाती है।
यहाँ संदेश-लेखन से तात्पर्य उन संदेशों को लिखने से है, जो उत्सवों, पर्वों और जन्मदिन आदि शुभ अवसरों पर मित्रों और संबंधियों को शुभकामनाएँ देने के लिए भेजे जाते हैं। पत्र-लेखन, सूचना-लेखन, डायरी-लेखन आदि की तरह संदेश-लेखन भी एक कला है। यह एक भावनात्मक लेखन है। इसके द्वारा संबंधों को मज़बूती, मधुरता, ऊर्जा और जीवंतता प्रदान की जाती है।

संदेश-लेखन में ध्यान रखने योग्य प्रमुख बातें

- संदेश-लेखन भावपूर्ण होना चाहिए।
- संदेश बहुत बड़ा नहीं होना चाहिए।
- संदेश पूर्णतः विषयानुकूल होना चाहिए।
- शब्दों का चयन प्रभावशाली होना चाहिए।
- यह संचार माध्यम के अनुरूप होना चाहिए।
- संदेश उद्देश्य को पूर्ण करने वाला होना चाहिए।
- संदेश की भाषा सरल और बोधगम्य होनी चाहिए।

संदेश का प्रारूप

.... दिनांक
.... समय
.... प्रेषिती (पाने वाला)

.... संदेश
....
....
.... प्रेषक

निर्देश–निम्नलिखित प्रत्येक विषय पर लगभग 60 शब्दों में संदेश-लेखन कीजिए–

पर्वों-त्योहारों से संबंधित शुभकामना संदेश

1. दीपावली की शुभकामनाएँ

12–10–20XX
8:00 प्रात:
प्रिय रमेश

श्री गणेश खुशियाँ बाँटें,
लक्ष्मी जी खुशहाली।
मंगलमय हो बंधुवर,
आपकी यह दीवाली।
दीपावली का यह पर्व आपके लिए सुख-समृद्धि लेकर आए।
आप और आपका परिवार खुश और खुशहाल रहे।
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ!

दीपेंद्र

15-10-20XX
10:00 प्रात:
प्रिय सोमेंद्र

दीप यूँ जलते और जगमगाते रहें,
आप हमें और हम आपको याद आते रहें।
ईश्वर से करते हैं हम यही प्रार्थना,
अमरदीप बन आप सदा जगमगाते रहें।
आपको दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ!

आदित्य

2. विजयदशमी की शुभकामनाएँ

4-10-20XX
5:00 सायं
प्रिय सौम्या

धर्म का ध्वज कभी झुकता नहीं,
सत्य का रथ कभी रुकता नहीं।
कितना भी बलवान हो रावण कोई,
श्रीराम के सामने वह टिकता नहीं।
विजयदशमी की शुभकामनाएँ!

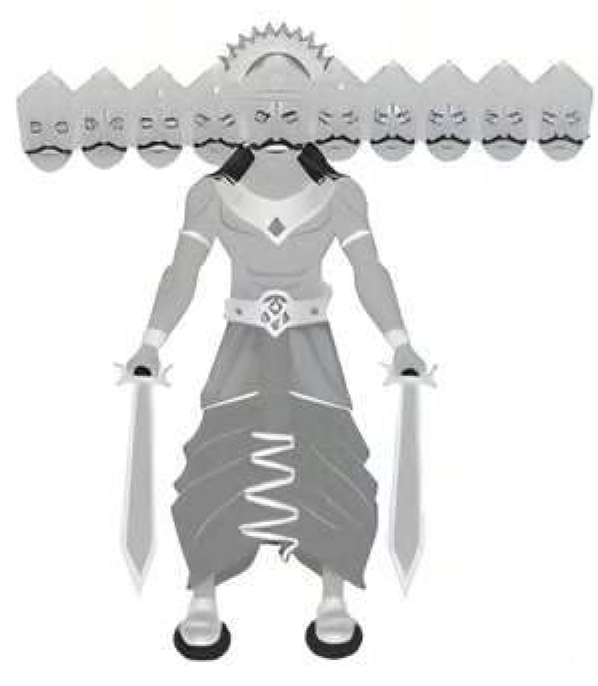

नीति

5-10-20XX

5:00 सायं

प्रिय अरुण

भविष्य हो आपका सुखद और सुनहरा,
घर में हो हर पल खुशियों का पहरा।
नेकी की राह पर चट्टान बन खड़े रहना,
बहुत-बहुत मुबारक हो आपको दशहरा।
दशहरे की बहुत-बहुत शुभकामनाएँ!

रौनक

3. होली की शुभकामनाएँ

(CBSE 2023)

10-3-20XX

10:00 प्रात:

नमन

प्रेम रंग बरसाने वाला,
सबका मन हरसाने वाला।
वैर भाव को दूर भगाए,
होली का त्योहार निराला।
होली का यह पर्व आपके जीवन में खुशियों के रंग
भर दे और आपके तन-मन को पावन कर दे।
इस कामना के साथ
होली की हार्दिक शुभकामनाएँ!

हार्दिक

4. रक्षाबंधन की शुभकामनाएँ

5-8-20XX

10:00 प्रात:

प्रिय अनुज

रक्षाबंधन का त्योहार,
भाई-बहन का पावन प्यार।
केवल कच्चा धागा नहीं है राखी,
बाँध सकती है सारा संसार।
रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएँ!

गार्गी

10-8-20XX

11:00 प्रात:

आदरणीया दीदी

बहना का सम्मान है राखी,
भाई का अरमान है राखी।
प्राणों से भी बढ़कर है जो,
ऐसा स्वाभिमान है राखी।
रक्षाबंधन की बहुत-बहुत शुभकामनाएँ!

आलोक

5. **महाशिवरात्रि की शुभकामनाएँ**

2-3-20XX
4:00 सायं
प्रिय देवेंद्र

महादेव जी आपके सदा रहें अनुकूल
खुशियों का वरदान दें काटें संकट-शूल।
सभी मनोरथ आपके पूर्ण करेंगे बाबा,
अर्पित करते रहो निज श्रद्धा के फूल।
महाशिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएँ!

रजत

6. **श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएँ**

17-8-20XX
1:00 अपराह्न
प्रिय देवेश

जग का पालनहार नंद का लाला आया है,
मनमोहन गिरिधारी वंशीवाला आया है।
हरने धरती का भार करने भक्तों का उद्धार,
देवकीनंदन वासुदेव गोपाला आया है।
भगवान वासुदेव की कृपा आप और आपके
परिवार पर सदैव बनी रहे। इस कामना के साथ—
श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएँ!

मयंक

7. **ईद की मुबारकबाद**

18-4-20XX
10:00 प्रात:
प्रिय महताब

ऐ चाँद, तू उनको मेरा पैग़ाम यह देना,
खुशी के दिन, हँसी की शाम का ईनाम यह देना।
बाहर आकर जब करें चंदा, तेरा दीदार वो,
मेरी तरफ से उनको ईद मुबारक कह देना।
आपको ईद की बहुत-बहुत मुबारकबाद!

सुहेल

8. **क्रिसमस की शुभकामनाएँ**

25-12-20XX
10:00 प्रात:
प्रिय जूली

आपका जीवन क्रिसमस-ट्री की तरह,
हरा-भरा और भविष्य तारों की तरह
जगमगाता रहे। आपके ऊपर प्रभु
ईसा मसीह की कृपा सदा बनी रहे।
क्रिसमस आपके लिए खुशियों से भरा हो।
हैप्पी क्रिसमस! मेरी क्रिसमस!

दिव्या

9. बैसाखी की शुभकामनाएँ

14-4-20XX

8:00 प्रात:

प्रिय हरदीप

खेतों ने उगला है सोना,
बैसाखी की मच गई धूम।
भँगड़ा पाए खुशी मनाए,
गबरू नाचे झूम-झूम।
बैसाखी की हार्दिक शुभकामनाएँ!

गोविंद

10. पोंगल की शुभकामनाएँ

14-1-20XX

12:00 मध्याह्न

प्रिय मीनम्मा

गुड़, दूध, चावल प्रेम से पकाओ,
इंद्र, सूर्य, गाय को सादर भोग लगाओ।
स्वयं खाओ औरों को भी खिलाओ,
खुशी से पोंगल पर्व मनाओ।
पोंगल की हार्दिक शुभकामनाएँ!

देविका

11. स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ

15-8-20XX

8:00 प्रात:

प्रिय बंधुवर

पराधीनता से बड़ा, नहीं है कोई पाप,
मानव होकर पराधीन रहना है, एक अभिशाप।
स्वाधीनता से बड़ा, नहीं कोई वरदान,
प्राणों के बदले मिले, तो भी सस्ती जान।
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ!

ब्लूप्रिंट एजुकेशन प्रा०लि०

12. गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ

26-1-20XX

7:00 प्रात:

प्रिय बंधुवर

अनेकता में एकता ही जिसकी पहचान है,
सर्वविध समानता ही जहाँ का विधान है।
सर्वोपरि जहाँ स्वदेश का संविधान है,
भारत जिसका नाम वह मेरा देश महान है।
गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ!

चित्रा प्रकाशन (इंडिया) प्रा०लि०

13. गांधी जयंती की शुभकामनाएँ

2-10-20XX
9:00 प्रात:
प्रिय गौरव

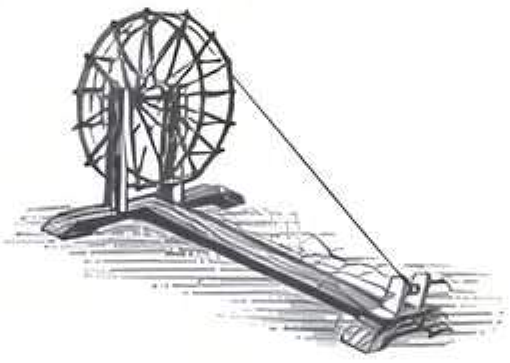

सत्य-अहिंसा ही था जिनके जीवन का आधार,
जिनके पास नहीं था कोई तीर या तलवार।
उनके चरणों में श्रद्धानत हम सब भारतवासी,
जिनके कारण मिला हमें स्वतंत्रता का उपहार।
गांधी जयंती की हार्दिक शुभकामनाएँ!

श्रवण

14. राम नवमी की शुभकामनाएँ

10-4-20XX
8:00 प्रात:
प्रिय अजय

राम नवमी एक पावन त्योहार है,
श्रीराम का धरा पर अवतार है।
दुष्टों का अंत, संतों का उद्धार है,
अधर्म की पराजय, धर्म का जयकार है।
आप अपने जीवन में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों को अपनाएँ और खूब यश-प्रतिष्ठा पाएँ। भगवान श्रीराम की कृपा आप पर सदैव बनी रहे। इसी कामना के साथ—
राम नवमी की हार्दिक शुभकामनाएँ!

संत कुमार

15. मकर संक्रांति की शुभकामनाएँ

14-1-20XX
10:00 प्रात:
प्रिय शुभांगी

सूर्यदेव का हुआ मकर राशि में प्रवेश,
जग-जीवन के सारे मिट गए क्लेश।
पावन नदियों में लोग कर रहे स्नान,
गुड़-तिल का श्रद्धा से हो रहा दान।
कष्टकारी शीत की हो गई अब शांति,
आ गई पुण्यदा पावन मकर संक्रांति।
मकर संक्रांति की आपको हार्दिक शुभकामनाएँ!

अनन्या

16. गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएँ

30-8-20XX
8:00 प्रात:
प्रिय रोहित

सबका मंगल करते हैं,
सब विघ्नों को हरते हैं।
गौरी सुत गणनायक हैं,
विद्या-बुद्धि दायक हैं।
नाम लेते सब कटें क्लेश,
प्रथम पूज्य जय श्रीगणेश।
गणेश चतुर्थी पर आपको हार्दिक शुभकामनाएँ!

रवींद्र

17. महावीर जयंती की शुभकामनाएँ

14-4-20XX
10:00 प्रात:
प्रिय दीपक

महावीर के द्वारे जाकर सभी चरण बन जाते हैं,
महावीर के चरणों में स्वयं इंद्र झुक जाते हैं।
महावीर की यशगाथा को सूर्य-रश्मियाँ गाती हैं,
महावीर को सभी दिशाएँ स्वयं अंबर पहनाती हैं।
महावीर के श्रीचरणों में कोटि-कोटि नमन करें,
'अहिंसा परमो धर्म:' नित्य उस पर गमन करें।
आपको महावीर जयंती की हार्दिक शुभकामनाएँ!

हिमांशु

18. गुरुपर्व की शुभकामनाएँ

8-11-20XX
11:00 प्रात:
प्रिय सुखविंदर

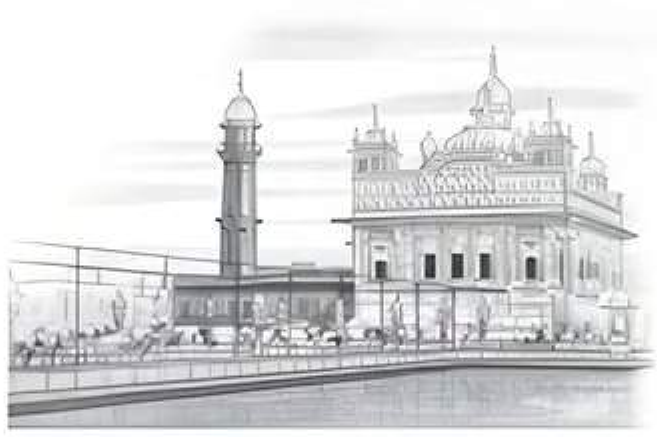

सतगुरु की महिमा अनँत; अनँत किया उपगार।
लोचन अनँत उघारिया, अनँत दिखावन हार।।
तीन लोक नौ खंड में, गुरु तै बड़ा न और।
हरि रूठे गुरु ठौर है, गुरु रूठे नहिं ठौर।।
आपको वाहेगुरु का आशीर्वाद सदा मिलता रहे।
इस कामना के साथ—
गुरुपर्व की लख-लख बधाइयाँ!

शोभित

19. वसंत पंचमी की शुभकामनाएँ

5-2-20XX
7:00 प्रात:
प्रिय अनुपम

वसंत आया है करो अभिनंदन,
माँ सरस्वती का करो पूजन-वंदन।
मिलेगा ज्ञान का तब वरदान,
होगा जीवन में सुखद विहान।
भर लो मन में मीठी उमंग,
उड़ जाओ नभ में बन पतंग।
वसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएँ!

धीरज

20. वाल्मीकि जयंती की शुभकामनाएँ

9-10-20XX
10:00 प्रात:
प्रिय हरेंद्र

जिनका हृदय पिघल गया, एक पक्षी की देख व्यथा।
रची जिन्होंने जग-कल्याणी, लोकपावनी राम कथा।
जिनके मन में ज्ञान-भक्ति की, बहती है निर्मल धारा।
आदि कवि श्री वाल्मीकि का, वंदन करता जग सारा।
वाल्मीकि जयंती की हार्दिक शुभकामनाएँ!

सौरभ

21. लोहड़ी की शुभकामनाएँ

13-1-20XX
5:00 सायं
प्रिय सुनयना

लोहड़ी आई, खुशियाँ लाई,
नाचो गाओ धूम मचाओ।
मूँगफली और रेवड़ी लाओ,
खुद खाओ औरों को खिलाओ।
यह लोहड़ी आपके लिए खुशियों की सौगात लेकर आए।
आपका घर खुशियों से भर जाए।
लोहड़ी की आपको हार्दिक शुभकामनाएँ!

अर्चना

अन्य विशेष अवसरों से संबंधित शुभकामना-संदेश

22. शिक्षक दिवस की शुभकामनाएँ

5-9-20XX
10:00 प्रात:
पूज्य गुरुदेव

शिक्षक से बढ़कर इस जग में कोई नहीं महान है,
मंद बुद्धि बालक को भी जो कर देता विद्वान है।
नहीं चाहिए उसको दौलत उसे इष्ट बस मान है,
ज्ञान वही पाता है जो शिक्षक के प्रति श्रद्धावान है।
आप सभी पूज्य शिक्षकों की कृपा हमारे ऊपर सदैव बनी रहे।
इस कामना के साथ—
आपको शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ!

समस्त विद्यार्थीगण

23. विवाह की शुभकामनाएँ

10-4-20XX
5:00 सायं
प्रिय संवित

विवाह प्रेम-पथ का विस्तार है,
विवाह एक नया संसार है।
अभिनंदन है जीवन साथी का,
नवजीवन का आधार है।
विवाह की हार्दिक शुभकामनाएँ!

अमित

24. जन्मदिन की शुभकामनाएँ

10-4-20XX
5:00 सायं
प्रिय ऋत

नीरोगी आप की काया रहे,
घर में सदा धन-माया रहे।
ईश्वर आपको दीर्घायु करें,
सदा दूर दुखों का साया रहे।
तुम जियो हज़ारों साल,
साल के दिन हों पचास हज़ार।
जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ!

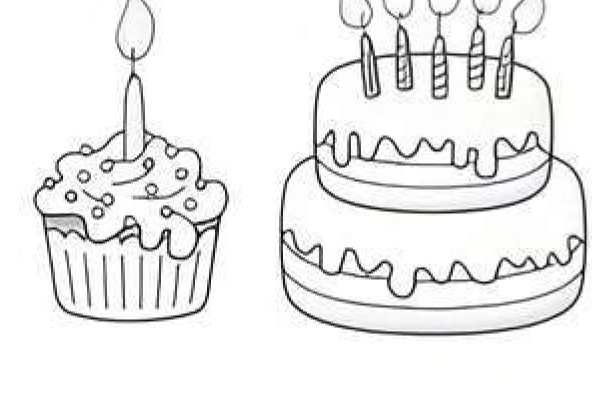

अंजलि

25. नववर्ष की शुभकामनाएँ

1-1-20XX

8:00 प्रात:

प्रिय नीरज

सुखद और समृद्ध हो आपका यह नववर्ष,
लेकर आए साथ में जीवन का उत्कर्ष।
धन बल यश विद्या मिले आयु और आरोग्य,
सभी मनोरथ पूर्ण हों मिले सकल सुख भोग्य।

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ!

अर्पित

26. मैच जीतने की शुभकामनाएँ

15-8-20XX

5:00 सायं

प्रिय श्रीकांत

डरने वालों की नौका कभी पार नहीं होती,
मेहनत करने वालों की कभी हार नहीं होती।
मैच में आपने जो कड़ा संघर्ष दिखाया है,
उसी से तो विजयश्री का पुरस्कार पाया है।

मैच में मिली शानदार जीत पर आपको हार्दिक बधाई!

समस्त मित्रगण।

27. बाल दिवस की शुभकामनाएँ

14-11-20XX

10:00 प्रात:

प्रिय बालवृंद

बाल दिवस है बच्चों को नेहरू का उपहार,
'प्यारे चाचा' कहकर उनको बच्चे करते प्यार।
उनके जन्मदिवस पर बच्चे फूलों-से खिल जाते हैं,
लगता है इस दिन उनको नेहरू चाचा मिल जाते हैं।
खेलो-कूदो खुशी मनाओ बाल दिवस आया है,
एक गुलाब का फूल यह संदेशा लाया है।

आपको बाल दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ!

समस्त अध्यापकगण।

(CBSE 2023)

10-7-20XX

4:00 सायं:

प्रिय शोभना,

तुम्हारा चयन विद्यालय की वॉलीबॉल टीम में हो गया है। यह सुनकर मन खुशी से झूम उठा। ईश्वर ने तुम्हारे लिए उन्नति के द्वार खोल दिए है। तुम एक प्रतिभावान् खिलीड़ी हो:, अत: सुअवसर का लाभ उठाओ।

इस विशेष चयन के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ!

रीमा

29. **आप वीणा/विकास हैं। आपके छोटी बहन ने विद्यालय की वार्षिक परीक्षा में पूरे विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उसे बधाई देते हुए 40 शब्दों में एक संदेश लिखिए।** *(CBSE SQP 2023-24)*

31-3-20XX

5:00 सायं:

प्रिय वंशी,

सोते सिंह के मुख में मृग स्वयं नहीं आता है।
बिना चले दुनिया में कोई मंजिल नहीं पाता है।
वह तुम्हारी कड़ी मेहनत ही तो रंग लाई है।
परीक्षा में तुमने जो क्षेष्ठ सफलता पाई है।
परीक्षा में प्रथम स्थान पाने की हार्दिक शुभकामनाएँ!

वीणा

अभ्यास प्रश्न

निर्देश–*निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 120 शब्दों में अनुच्छेद-लेखन कीजिए–*

1. कोरोना : वायरस

   संकेत-बिंदु– • कोरोना का संक्रमण, • बचाव के उपाय, • लॉकडाउन के सकारात्मक प्रभाव।

2. आज का युग सूचना-प्रौद्योगिकी (IT) का युग

   संकेत-बिंदु– • सूचना-प्रौद्योगिकी का युग • प्रौद्योगिकी के साधन • प्रौद्योगिकी का क्षेत्र • जीवन में महत्त्व।

निर्देश–*निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र-लेखन कीजिए–*

3. ग्रीष्मावकाश में पर्वतीय यात्रा के दौरान आप अपने मित्र के घर ठहरे। वहाँ हुई आवभगत के लिए मित्र को आभार-पत्र लिखिए।
4. अपनी कॉलोनी में किसी सामाजिक संस्था द्वारा खोले गए पुस्तकालय की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।
5. आप वन-महोत्सव के अवसर पर अपने क्षेत्र में वृक्षारोपण करना चाहते हैं। नगर के उद्यान विभाग के अधिकारी को पत्र लिखकर पौधों की व्यवस्था करने के लिए अनुरोध कीजिए।
6. अपने नगर के शिक्षा अधिकारी को पत्र लिखकर विद्यालयों में दोपहर के समय वितरित किए जाने वाले भोजन के गिरते स्तर की ओर उनका ध्यान आकृष्ट कीजिए।

निर्देश–*निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 80 शब्दों में स्ववृत्त-लेखन कीजिए–*

7. 'सर्वशिक्षा अभियान' के अंतर्गत चल रहे रात्रिकालीन शिक्षण केंद्रों में प्रौढ़ों को पढ़ाने के लिए अंशकालिक शिक्षकों की आवश्यकता है, जो कम-से-कम सैकेंडरी तक पढ़े हों। इस कार्य के लिए निदेशक प्रौढ़ शिक्षा, कानपुर, उत्तर प्रदेश को आवेदन-पत्र प्रेषित करते हुए स्ववृत्त-लेखन कीजिए।
8. एन०सी०ई०आर०टी०, नई दिल्ली में लिपिक पदों के रिक्त स्थानों को भरने के लिए समाचार-पत्र में विज्ञापन आया है। उस संदर्भ में सचिव के नाम अपना आवेदन प्रेषित करते हुए स्ववृत्त-लेखन कीजिए।

निर्देश–*निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 80 शब्दों में ई-मेल लेखन कीजिए–*

9. पाठ्यक्रम का बोझ कम करने के लिए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष को ई-मेल लिखिए।
10. जिला अस्पताल में आवश्यक उपकरणों एवं औषधियों के अभाव की ओर अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करने के लिए समाचार-पत्र के संपादक को ई-मेल लिखिए।

निर्देश–*निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 60 शब्दों में विज्ञापन-लेखन कीजिए–*

11. 'उमंग' नाम से लड़कियों के एक एन०जी०ओ० (NGO) का विज्ञापन तैयार कीजिए।
12. 'नेत्रदान' के लिए प्रोत्साहित करने हेतु स्वास्थ्य मंत्रालय के लिए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

निर्देश–*निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 60 शब्दों में संदेश-लेखन कीजिए–*

13. गणतंत्र दिवस
14. गुरुपर्व